जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 29 संख्याः 111 प्रभात अजमेर, बुधवार 20 नवम्बर, 2024 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

महाराष्ट्र की पांच सीटों पर लड़े जा रहे हैं पांच महायुद्ध

इन सीटों के नतीजे महाराष्ट्र की राजनीति में भारी उलटफेर कर सकते हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 नवम्बर। जहाँ बुधवार को होने वाले मतदान तथा शनिवार को होने वाली मतगणना को लेकर, भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबन्धन का फोकस सत्ता में बने रहने पर है, वहीं महा विकास अघाडी गठबन्धन अपनी जबरदस्त वापसी की आशा सँजोये हुये है।

महाराष्ट्र अपनी 288 सदस्यीय नई विधान सभा के 20 नवम्बर, बुधवार को होने वाले चुनाव के लिये पूरी तरह तैयार है। जहाँ भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस सदन की सबसे बड़ी पार्टी के रूतबे के लिये प्रतिस्पर्धा में हैं, वहीं, उनके मित्रदल शिव सेना, शिव सेना (यू.बी.टी.), नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.) तथा एन.सी.पी. (एस.पी.) का फोकस अपनी जड़ें सुरक्षित रखने तथा मजबूत करने पर है।

चुनाव-प्रचार के दौरान, सभी प्रमुख राष्ट्रीय नेताओं, जिनमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह, कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी तथा प्रियंका गांधी वाड्रा शामिल है, ने अपने-अपने प्रत्याशियों के लिये वोट माँगने हेतु पूरे राज्य के दौरे किये हैं।

- पहली सीट है वर्ली, जहां से उद्धव ठाकरे के पुत्र आदित्य ठाकरे मैदान में हैं, जिन्हें एकनाथ शिंदे की शिवसेना के प्रत्याशी मिलिद देवड़ा चुनौती दे रहे हैं। आदित्य ठाकरे 2019 में वर्ली से भारी मतों से जीत चुके हैं, तब उन्होंने एन.सी.पी. के संदीप माने को हराया था।
- दूसरा महायुद्ध बारामती में लड़ा जा रहा है। यहां पवार परिवार आमने सामने है। यहां अपने बागी भतीजे अजित पवार के सामने पवार ने अपने पौत्र युगेन्द्र पवार को टिकट दिया है। युगेन्द्र का सारा चुनाव प्रबंध शरद पवार खुद देख रहे हैं।
- तीसरी महत्वपूर्ण सीट है बांद्रा ईस्ट, जहां बाबा सिद्धीकी के बेटे तथा उद्धव ठाकरे के भतीजे वरुण सरदेसाई के बीच कड़ा मुकाबला है। ज़ीशान को अपने पिता की हत्या की वजह से सहानुभूति मिल रही है।
- चौथा महायुद्ध नागपुर साउथ वैस्ट सीट पर है। यहां से उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस मैदान में हैं उनका मुकाबला कांग्रेस के स्थानीय और कद्दावर नेता प्रफुल्ल गुडाढ़े से है। पांचवा महायुद्ध कोपरी-पचपाखड़ी सीट पर देखा जा रहा है। जहां, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का मुकाबला केदार दिघे से है। केदार दिघे स्व. आनंद दिघे का भतीजा है जो शिंदे के राजनैतिक गुरु थे।

विधान सभा की 288 सीटों में से सामान्य श्रेणी की 234 अनुसूचित जाति की 29 तथा अनुसूचित जनजाति की, 25 सीटें है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, कुल 7,078 वैध नामांकनों में से 2,938 प्रत्याशियों ने अपने नाम वापस ले लिये हैं तथा अब 4,140 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं।

महाराष्ट्र पाँच सर्वाधिक महत्वपूर्ण सीटों पर सबकी नज़रें लगी हुई हैं। इनमें पहली है मुम्बई की हाई प्रोफाइल विधान सभा सीट वर्ली जहां त्रिकोणीय संघर्ष है। इस सीट पर एकनाथ शिन्दे के नेतृत्व वाली शिव सेना के मिलिन्द देवड़ा, शिव सेना (यू.बी.टी.) के आदित्य ठाकरे तथा महराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एम.एन.एस.) नेता सन्दीप देशपान्डे के बीच काँटे की लड़ाई है।

दक्षिण मुम्बई से कांग्रेस के सांसद रहे मिलिन्द देवड़ा को शहरी मध्यम वर्ग के मतदाताओं का भरोसा है तथा इनके दम पर ही देवड़ा वर्ली सीट पर अपनी मजबूत दावेदारी मान रहे हैं। वे यू.पी.ए.-2 सरकार में कई महत्वपूर्ण पदों पर रह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आत्महत्या का कारण अभिभावकों का बच्चों पर सफलता का दबाव

जयपुर, 19 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कोचिंग संस्थानों के विद्यार्थियों के आए दिन आत्महत्या करने से जुड़े मामले में गंभीर मौखिक टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि बच्चों की समस्या सिस्टम की गडबडी नहीं है, बल्कि वे अभिभावक हैं जो अपने बच्चों से इतनी ज्यादा उम्मीद करते हैं। कई अभिभावक कहते हैं कि या तो पास हो जाना या वापस मत आना। ऐसे में बच्चों पर सिस्टम के साथ ही अभिभावकों का भी भारी दबाव बना रहता है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह व वीके भारवानी की खंडपीठ ने यह टिप्पणी कोटा के कोचिंग सेंटर्स के विद्यार्थियों की ओर से आए

- कोचिंग विद्यार्थियों की आये दिन आत्म हत्या पर हाईकोर्ट ने गंभीर मौखिक टिप्पणी की।

दिन आत्महत्या करने के मामले में लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए की। अदालत ने मामले की सुनवाई आठ सप्ताह बाद रखते हुए राज्य सरकार को यह बताने को कहा है कि गत मई माह में दिए निर्देशों की क्या पालना की गई। इसके अलावा राज्य सरकार से यह भी बताने को कहा है कि प्रदेश में कितने कोचिंग संस्थान रजिस्टर्ड हैं।

सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि कोचिंग संस्थानों के संबंध में राज्य सरकार कंट्रोल एंड रेग्युलेशन बिल तैयार कर रही है। इसमें कोचिंग संस्थानों से भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नई दिल्ली के हिमाचल भवन की नीलामी के आदेश

हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने राज्य सरकार द्वारा एक कम्पनी को 150 करोड़ रु. का एरियर नहीं देने के कारण यह आदेश दिया

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 नवम्बर। सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार ने खुद को मुसीबत में डाल लिया है, हिमाचल हाई कोर्ट ने दिल्ली के हिमाचल भवन को अटैच करने का आदेश दिया है क्योंकि सरकार ने सेली हाइड्रोपावर इलैक्ट्रिकल कम्पनी का 150 करोड़ रु. का एरियर नहीं चुकाया है।

सोमवार को पारित आदेश में जस्टिस अजय मोहन गोयल की हाईकोर्ट की सिंगल बैंच ने कम्पनी को आदेश दिया की सैंट्रल दिल्ली के मंडी हाउस क्षेत्र में स्थित हिमाचल भवन को नीलाम करने की तैयारी करे। यह केस लाहौल स्पीति में 340 मेगावाट का प्लांट लगाने से सम्बंधित है।

- हिमाचल सरकार ने वर्ष 2009 में सैली हाइड्रोपावर इलैक्ट्रिकल कम्पनी को लाहौल स्पीति में 340 मैगावॉट का प्लांट लगाने का प्रोजैक्ट दिया। कम्पनी ने इसके लिए 64 करोड़ रु. का प्रीमियम राज्य सरकार को दिया था।
- प्रोजैक्ट फलीभूल नहीं हुआ तो राज्य सरकार ने न केवल प्रोजैक्ट रद्द कर दिया बल्कि कम्पनी की प्रीमियम रकम जब्त करने के आदेश भी दे दिए।
- कम्पनी ने इस पर आर्बिट्रेटर के समक्ष अपील की जहां उसके पक्ष में फैसला आया और फिर हाईकोर्ट ने भी कम्पनी के पक्ष में फैसला सुनाया, साथ ही यह भी कहा कि अगर राज्य सरकार पैसा न दे तो नई दिल्ली का हिमाचल भवन नीलाम कर दिया जाए।

हाईकोर्ट के आदेश से सुक्खू सरकार की मुश्किलें और बढ़ गई है जो पहले से ही एक के बाद एक राजनैतिक संकट से जूझ रही है। गत दिनों तो ये अटकलें भी थीं कि सरकार गिर जाएगी क्योंकि कुछ विधायक भाजपा में जाने वाले थे लेकिन गत शनिवार मुकेश अग्निहोत्री ने ऐसी अटकलों को नकार दिया, हालांकि कहा कि भाजपा सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रही है लेकिन ऐसे प्रयास सफल नहीं होंगे।

जहां तक वर्तमान केस का सवाल है हिमाचल सरकार ने कम्पनी को वर्ष 2009 में प्रोजैक्ट दिया था और फर्म ने प्रोजैक्ट के लिए 64 करोड़ रु. का अपफ्रंट प्रीमियम जमा करवाया था लेकिन प्रोजैक्ट फलीभूत नहीं हुआ बाद में राज्य सरकार ने आवंटन पत्र कैंसिल कर अप फ्रंट प्रीमियम जब्त करने के आदेश भी दे दिये। कम्पनी ने आर्बिट्रेटर के समक्ष इस निर्णय को चुनौती दी, जिसने राज्य सरकार को मय ब्याज रकम लौटाने को कहा। चूंकि राज्य सरकार ने आदेश का पालन नहीं किया तो कम्पनी ने आर्टिकल 226 के तहत हाईकोर्ट में याचिका दायर की। हाईकोर्ट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बुधवार को ऊर्जा विभाग के प्री-समिट में मुख्यमंत्री मुख्य अतिथि होंगे

कार्यक्रम को सी.एस. सुधांश पंत, ए.सी.एस. ऊर्जा श्री आलोक, अक्षय ऊर्जा निगम अध्यक्ष आलोक गुप्ता व कई कंपनियों के प्रमुख सम्बोधित करेंगे

जयपुर, 19 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में बुधवार 20 नवम्बर को प्रातः 11 बजे से होटल जयपुर मैरियट में "राइज़िंग राजस्थान" के तहत ऊर्जा विभाग की ओर से प्री-समिट का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर सहित, ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े उद्यमी एवं निवेशक तथा अधिकारीगण उपस्थित रहेंगे।

ऊर्जा विभाग के प्री-समिट के उद्घाटन सत्र में ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक स्वागत उद्बोधन देंगे। इसके पश्चात् सी.आई.आई., एन.टी.पी.सी., टाटा पावर, सिक्योर मीटर, आइसोलेशन एनर्जी, सिमन्स एनर्जी, जे.एस.डब्ल्यू. एनर्जी, जी.ई. वेमावा इंडिया सहित अनेक सरकारी एवं प्राइवेट कम्पनियों के प्रमुख अपना उद्बोधन देंगे। साथ ही, प्रदेश के मुख्य सचिव सुधांश पंत भी उद्बोधन देंगे। इसके बाद, एनर्जी सैक्टर

- अति. मुख्य सचिव ऊर्जा श्री आलोक ने बताया कि प्री-समिट में सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा व बायोमास ऊर्जा उत्पादन से जुड़ी कंपनियाँ, जैसे एन.टी.पी.सी. टाटा पावर, सिक्योर मीटर, आइसोलैशन एनर्जी, जी.ई. वेमामा इण्डिया शामिल होंगी।

में निवेश के लिए विभिन्न कंपनियों के साथ एम.ओ.यू. किए जाएंगे।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा आलोक ने बताया कि राइज़िंग राजस्थान के अंतर्गत 'एम्पावरिंग राजस्थान: अनलॉकिंग द स्टेट एनर्जी पोटैन्शियल' थीम पर आयोजित इस प्री-समिट में सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और बायोमास ऊर्जा उत्पादन से जुड़ी कंपनियों, सी.आई.आई. एवं ऊर्जा विभाग के अधिकारी शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि राजस्थान में राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप आर्थिक एवं पर्यावरणीय लाभ के साथ ऊर्जा के क्षेत्र में नई परियोजनाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है। राजनिवेश पोर्टल पर बड़ी संख्या में अक्षय ऊर्जा से संबंधित निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिससे प्रतीत होता है कि राजस्थान में निवेश के लिए निवेशकों में खासा उत्साह है। राजस्थान सरकार की यह नीति है कि अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में हर सम्भव कदम उठाकर ऊर्जा नीतियों को सफलतापूर्वक लागू करें और हर नागरिक को इसके लाभों से जोड़ें।

राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री कार्यालय के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रेमिका की हत्या करने वाले युवक को उम्रकैद

जयपुर, 19 नवंबर। अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-11, सांगानेर ने प्रेमिका की हत्या करने वाले अभियुक्त नरसी मीणा को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही पीठासीन अधिकारी पुरवा चतुर्वेदी ने अभियुक्त पर 25 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक ओ.पी. चौधरी ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर मृतका के पिता ने 12 अक्टूबर, 2020

- हत्या की रिपोर्ट मृतक के पिता ने 12 अक्टूबर 2020 को सांगानेर सदर थाने में दर्ज कराई थी।

को सांगानेर सदर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसकी बेटी संगीता वर्मा करीब सवा साल से इंडियन ऑयल में टैंकर चालक नरसी मीणा के साथ पत्नी की तरह रहती थी। सुबह करीब आठ बजे उसके बेटे के पास मकान मालिक का फोन आया कि संगीता का मर्डर हो गया है।

रिपोर्ट में बताया गया कि रात के वक्त नरसी संगीता के कमरे पर गया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मोदी जी किस तिजोरी से पांच करोड़ आये, और किसने आपको टैम्पो में भेजे?'

राहुल गाँधी ने प्र.मंत्री मोदी पर कटाक्ष किया। जैसा कि विदित ही है, 2024 के आम चुनाव के दौरान प्र.मंत्री ने कांग्रेस पर कटाक्ष किया था, कि राहुल गाँधी अब ''दोस्ताना पूंजीवाद'' (क्रोनी कैप्टिलिज़्म) के बारे में चुप्पी साधे हैं, क्योंकि रुपये से भरे टैम्पो अब कांग्रेस के पास पहुंच गये हैं

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 19 नवम्बर। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आज महाराष्ट्र के कथित ''कैश-फॉर-वोट'' मामले, जिसमें भाजपा नेता विनोद तावड़े लिप्त हैं, पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष किया और कहा कि जनता का यह पैसा किसने लूटा और ''आपको टेम्पो में भेज दिया।''

हितेन्द्र ठाकुर के नेतृत्व में बहुजन विकास अघाड़ी (बी.बी.ए.) के सदस्यों ने आज दावा किया कि तावड़े महाराष्ट्र में एक भाजपा प्रत्याशी को 5 करोड़ रु देने के लिए एक होटल में आये थे।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर लिखा, ''मोदी जी, ये 5 करोड़ किसकी

- कांग्रेस का वर्तमान आरोप यह है कि भाजपा के महासचिव विनोद तावडे ने, विरार में स्थित होटल में, जहाँ भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक चल रही थी, में पांच करोड़ रुपये दिये मतदाताओं में वितरण करने के लिए।
- भाजपा ने प्रत्युत्तर में कहा, चुनाव आयोग, इस आरोप की निष्पक्ष जांच करा ले। होटल के सी.सी.टी.वी. कैमरा व आसपास की सी.सी.टी.वी., कैमरा खंगाल ले चुनाव आयोग। पांच करोड़ रुपया कोई जेब में रखकर तो ला नहीं सकता, अगर तावडे पैसा लाये होते तो किसी न किसी कैमरे में उनकी छवि पैसों के साथ कैद होती। अगर कांग्रेस के पास और कोई प्रमाण है, तो वह भी चुनाव आयोग के दायरे में लाये। भाजपा ने आरोप लगाया कि बिना प्रमाण के कांग्रेस अनर्गल आरोप लगा रही है।

"तिजोरी" से आये थे? जनता का यह पैसा किसने लूटा और आपको टेम्पो में भेज दिया?''

2024 के आम चुनावों के प्रचार के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा था कि "क्रॉनी कैपिटलिज़्म" पर इसलिए चुप हैं क्योंकि रुपयों से भरे हुए टेम्पो पार्टी में पहुंच गये हैं। उस समय, राहुल गांधी ने कहा था कि प्रधानमंत्री अपने निजी अनुभव से बोल रहे थे।

ठाकुर ने जोर देते हुए कहा है कि उन्हें भाजपा नेताओं से पैसे के कथित लेन-देन की सूचना मिली थी।

उन्होंने कहा, ''भाजपा के कुछ नेताओं ने मुझे सूचना दी कि भाजपा के महासचिव विनोद तावड़े मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए 5 करोड़ रु.

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संसद सत्र से पहले 24 को सर्वदलीय बैठक

नयी दिल्ली 19 नवंबर। सरकार ने संसद के शीतकालीन सत्र से पहले 24 नवंबर को पारंपरिक सर्वदलीय बैठक बुलायी है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को एक्स पर अपने पोस्ट में कहा कि बैठक संसद के आगामी शीतकालीन सत्र के परिप्रेक्ष्य में बुलायी गयी है।

- संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवम्बर से शुरू हो रहा है और 20 दिसम्बर तक चलेगा।

उन्होंने कहा कि शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से शुरू होकर 20 दिसंबर को समाप्त होगा। बैठक का उद्देश्य विपक्षी दलों को विधायी एजेंडे के बारे में जानकारी देना और बहस के लिए विषयों पर चर्चा करना है। इसके

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

न्यूक्लियर हमले के लिए रूस ने नई नीति, सिद्धांत प्रतिपादित किया

इस नई ''डॉक्ट्रिन'' के अनुसार, अब रूस उन गैर न्यूक्लियर देशों पर भी न्युक्लियर हमला करने के लिए स्वतंत्र है, अगर न्युक्लियर हथियार युक्त देश, इस न्युक्लियर विहीन देश की मदद कर रहे हों युद्ध में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 नवम्बर। हमला करने के लिए मानो उन्हें किसी सिद्धांत की ज़रूरत थी, रूसी राष्ट्रपति तथा तानाशाह ब्लादिमिर पुतिन ने तथा कथित रूसी परमाणु सिद्धांत में संशोधन किया है। इसके बाद रूस उस नॉन न्यूक्लियर देश पर परमाणु हमला कर सकता है यदि उस देश को कोई ऐसा देश समर्थन दे रहा है जिसके पास परमाणु हथियार हैं।

इससे यूरोप में परमाणु युद्ध तथा बड़ी आबादी के संहार का खतरा बढ़

- हालांकि, रूस के राष्ट्रपति पुतिन की इस नई न्यूक्लियर डॉक्ट्रिन को कहीं से भी, किसी भी राष्ट्र से समर्थन नहीं मिला है, यहां तक कि चीन, जो कि रूस को मित्र बताता रहा है,भी पुतिन की इस डॉक्ट्रिन का विरोध कर रहा है।
- इस उधेड़-बुन में, राष्ट्रपति पुतिन ने अचानक भारत की यात्रा का कार्यक्रम घोषित किया है। अब तक भारत ने इस यात्रा की पुष्टि नहीं की है।
- भारत की दुविधा है, अगर पुतिन भारत आते हैं तो भारत को उन्हें गिरफ्तार करना होगा, क्योंकि इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट ने पुतिन के खिलाफ एक अन्तर्राष्ट्रीय वारंट जारी कर रखा है।
- पुतिन द्वारा अचानक नई न्युक्लियर ''डॉक्ट्रिन'' जारी करने का तत्कालिक कारण अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा यूक्रेन को अमेरिका के दूर मारक मिसाइल दागने की अनुमति दिया जाना है। इस स्वीकृति से हताहत रूस ने नई ''न्युक्लियर डॉक्ट्रिन'' जारी की।

गया है, चाहे यह वास्तविक हो या काल्पनिक। कहा जा सकता है कि यूक्रेन युद्ध एक नए स्तर पर पहुँच गया है, अब जबकि दोनों पक्ष एक गंभीर संघर्ष की ओर बढ़ रहे हैं। भूमि पर कहा जा रहा है कि यूक्रेन पहल ही अमेरिका की लंबी दूरी की मिसाइलों का प्रयोग करके रूस के अंदरूनी क्षेत्रों तक पहुँच गया है। यूक्रेनी सेना दावा कर रही है कि उसने रूसी सैन्य प्रतिष्ठानों और डिपो पर सफल हमले किए हैं। उधर रूस ने घोषणा की है कि छः मिसाइलों में से पांच को लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही रूसी एयर डिफैन्स सिस्टम (हवाई रक्षा प्रणाली) ने ध्वस्त कर दिया है।

रूस के कुल प्रवक्ताओं ने जानकारी दी है कि रूसी सेना ने इन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाबालिग से दुष्कर्म के अभियुक्त को बीस साल की सजा

जयपुर, 19 नवंबर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-3 महानगर द्वितीय ने नाबालिग को बहला फुसलाकर ले जाकर उसके साथ कई बार दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त नेमदीन खान को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने

- अदालत ने कहा, अभियुक्त ने नाबालिग की सहमति से संबंध बनाये तो भी इसे अपराध की श्रेणी में माना जाएगा।

अभियुक्त पर 2.24 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी नरेन्द्र सिंह ने अपने आदेश में कहा कि नाबालिग की सहमति कानून में कोई महत्व नहीं रखती है। यदि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

मैं हिन्दुस्तान की तूती हूँ। अगर तुम वास्तव में मुझसे जानना चाहते हो तो हिन्दवी में पूछो। मैं तुम्हें अनुपम बातें बता सकूँगा। –अमीर ख़ुसरो

संविधान दिवस मनाने से पहले उसके मूल तत्वों का मनन कर लें

देश में 26 नवंबर संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। पहले इसे '**राष्ट्रीय विधि दिवस**' के रूप में भी मनाया जाता था, किन्तु भारत सरकार ने 19 नवंबर 2015 को राजपत्र में एक सूचना प्रकाशित कर इस दिन को '**संविधान दिवस**' घोषित किया। वह साल डॉ. भीमराव आंबेडकर की 125वीं जयंती वर्ष था। इस तारीख का महत्व इसलिये है कि इस दिन 1949 में भारतीय संविधान सभा ने संविधान को अंगीकार करते हुए अंग्रेजों के साम्राज्यवाद से मुक्त हुए देश में कानून के शासन का वादा किया। हमारा गणतांत्रिक संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ। उस दिन को हम गणतंत्र दिवस के रूप में मनाते हैं। संविधान निर्माताओं ने जिस भारत की कल्पना की थी, उसमें 'समानता' शब्द महत्वपूर्ण है। संविधान ने हमें समान नागरिकता प्रदान की। यह समानता राज चलाने के लिये अपने प्रतिनिधि चुनने का अधिकार ही नहीं देती, बल्कि अभिव्यक्ति और अपनी आस्था के अनुसार जीवन जीने की स्वतंत्रता का अधिकार भी देती है। किन्तु 70 साल से अधिक हो जाने के बाद बहुतों को लगता है कि संविधान की भावना पर हम अब भी खरे नहीं उतरे हैं। संविधान सभा में डॉ. आंबेडकर ने चेतावनी दी थी कि हम विरोधाभासों की दुनिया में प्रवेश करने वाले हैं। आज हम वास्तव में अपने को विरोधाभासों में उलझा पाते हैं। वह इसलिए कि रियासतों के एकीकरण से जिस राष्ट्र का निर्माण किया जा रहा था वह जबरदस्त विविधताओं वाला मुल्क था। संविधानसभा ने इस विविधता को मान्यता दी और उसे समाहित करने के लिए एक संस्थागत और कानूनी ढांचा बनाया। संविधान के साथ हम भारत के लोगों ने समान नागरिकों वाला एक बहुल राष्ट्र बनाने का मानव इतिहास में सबसे महान मगर जटिल प्रयोग शुरू किया था। यह प्रयोग अपनी महत्वाकांक्षा में अद्वितीय था। अपना संविधान तैयार करने की संविधान सभा बना कर संविधान की रचना करने की राजनीतिक पद्धति उस ब्रिटेन में भी नहीं थी जो सत्ता हस्तांतरित करके जाने वाला था। इसका सीधा सा कारण यह था कि ब्रिटिश संविधान के तहत संविधान कानून जैसी कोई चीज नहीं है। यह ब्रिटिश संसद का एक खास विशेषाधिकार है। वहां संसद ही एकमात्र संप्रभु प्राधिकरण है, तथा देश के संवैधानिक कानून सहित सभी कानूनों को बनाना और हटाना उसी का काम है। संविधान सभा ने संप्रभुता विधायिका को नहीं यहां के नागरिकों को दी। संविधान निर्माताओं ने एक ऐसा राष्ट्र बनाने के जिस सपने को मूर्त रूप देने की चेष्टा की वह बहुसंख्यकवाद के विचार पर आधारित नहीं था। यह सपना था एक ऐसे राष्ट्र का जिसमें सबके लिये समान जगह हो। धर्म, जाति, लिंग का भेद न हो। उसमें जबरन एकरूपता का कोई सोच न था। संविधान ने विविधता की मौलिकता को मान्यता दी।

भावी आज़ाद मुल्क के लिये संविधान की कल्पना कांग्रेस ने की थी। वर्ष 1934 में जब से कांग्रेस ने इस विषय पर नेतृत्व किया तब से संविधान सभा का विचार देश के लगभग सभी राजनीतिक विचारधारा वाले वर्गों में आस्था का विषय बन गया। नवंबर 1939 में कांग्रेस कार्यसमिति ने एक प्रस्ताव पारित कर कहा कि भारत की स्वतंत्रता को मान्यता देना और संविधान सभा के माध्यम से अपने संविधान का निर्माण करने के लिए उसके लोगों के अधिकार को मान्यता देना आवश्यक है। इस कार्यसमिति में, और इससे पहले 1936 के फैजपुर अधिवेशन में, पारित प्रस्तावों में कहा गया कि संविधान सभा का चुनाव वयस्क मताधिकार के आधार पर किया जाना चाहिए। लेकिन मार्च 1940 में मुस्लिम लीग द्वारा पाकिस्तान बनाने का प्रस्ताव पारित किए जाने तक संविधान बनाने के लिए संविधान सभा के विचार को पूरी तरह कभी स्वीकार नहीं किया गया। हालांकि, बाद में मुस्लिम लीग के रुख में बदलाव आया और वह संविधान सभा के विचार के पक्ष में हो गई। मगर वह देश में दो अलग राज्यों की अपनी मांग के अनुरूप दो संविधान सभाएं चाहती थी। एक संविधान सभा उन क्षेत्रों के लिए जिन पर लीग ने अलग मुस्लिम राज्य का दावा किया था और दूसरी संविधान सभा शेष भारत के लिए। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि इस देश में संविधान निर्माण के लिए एकमात्र प्रत्यक्ष साधन के रूप में संविधान सभा के विचार को 1940 में दो प्रमुख राजनीतिक दलों ने स्वीकार तो किया मगर इस अंतर के साथ कि जहां कांग्रेस पूरे भारत के लिए एक संविधान सभा चाहती थी, वहीं मुस्लिम लीग देश में दो अलग-अलग राज्यों की अपनी मांग के अनुसार दो संविधान सभाएं चाहती थी। चाहे एक हो या दो, संविधान सभा के गठन का विचार संविधान निर्माण के लिए उचित तरीका है, यह विचार उस समय तक देश की जनता की चेतना में स्पष्ट रूप से उभर चुका था, और यह उस भारी मानसिक उथल-पुथल के संदर्भ में था, जिसमें पंडित जवाहरलाल नेहरू ने घोषणा की थी कि ''**इसका अर्थ है एक गतिशील राष्ट्र, जो अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से, अपने लिए एक नई सरकार बना रहा है**''। भारत के संविधान के निर्माण के लिए सबसे उपयुक्त विधि के रूप में संविधान सभा की अवधारणा को सप्रू समिति के सदस्यों ने भी समर्थन दिया था, जिसकी रिपोर्ट वर्ष 1945में जारी की गई थी, जिसमें संविधान सभा के गठन के लिए एक निश्चित योजना तैयार की गई थी। हालांकि, भारतीय संविधान सभा ब्रिटिश कैबिनेट मिशन द्वारा प्रस्तावित योजना के तहत बनी जिसने कांग्रेस, लीग और अन्य राजनीतिक संगठनों द्वारा इस विषय पर दिए गए सुझावों से अलग होकर एक ऐसी योजना तैयार की थी, जिसे सभी ने नहीं, लेकिन कई राजनीतिक दलों ने और देश में राजनीतिक रूप से सोच रखने वाले वर्गों के बड़े हिस्से ने स्वीकार किया था। उन लोगों ने भी, जो किसी भी राजनीतिक दल से संबंधित नहीं थे, इसे एक परीक्षण के लायक माना, ताकि वर्षों से चला आ रहा राजनीतिक गतिरोध समाप्त किया जा सके। ब्रिटिश कैबिनेट मिशन द्वारा प्रस्तावित योजना के कुछ हिस्से कुछ राजनीतिक दलों के बीच तीखे विवादों का विषय भी रहे।

संविधान सभा के पहले अध्यक्ष डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा ने सदन में अपने पहले उद्बोधन में कहा था: माननीय सदस्यगण, मेरी प्रार्थना है कि जिस संविधान की आप योजना बनाने जा रहे हैं, वह अमरता के लिए तैयार हो, ताकि मानव की इसके अमृत्व की आकांक्षा ऐसी अटूट शक्ति की संरचना बना सके जो वर्तमान और भविष्य की सभी विनाशकारी शक्तियों को मात दे सके। स्पष्ट था कि विविधताओं को साध कर ही यह अमृत्व पाना था। संविधान बनाने वाले चाहते थे कि विभिन्न विचारधाराओं, संस्कृतियों और धार्मिक संप्रदायों के लोग आपसी सहकार और प्रेम की भावना के साथ साझी विरासत को अपनाते हुए नये राष्ट्र का निर्माण करें। संविधान में उन्होंने उन सामान्य पहलुओं की पहचान कराई जो हमें एक राष्ट्र और एक लोगों के रूप में बांधते हैं। मगर दुर्भाग्य से संविधान लागू होने के 70 से अधिक सालों बाद भी हम पाते हैं कि वैसा सामाजिक ताना-बाना मजबूती से नहीं बन पाया जिसकी कल्पना की गई थी। अब तो इस ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करने के प्रयास होते नज़र आते हैं। समझदार लोग मानते हैं कि इस ताने-बाने को रफ़ू किए बिना हम आर्थिक प्रगति के बावजूद आधुनिक और मजबूत भारत का निर्माण नहीं कर सकेंगे। मौजूदा समय में लोकतान्त्रिक संस्थाओं पर विश्वास घटता जा रहा है। बढ़ती हुई जटिल सामाजिक समस्याओं से निपटने में इन संस्थाओं की कमजोरी एक आम बात हो गई है। हर लोकतांत्रिक संस्था इस चुनौती का सामना कैसे करे यह यक्ष प्रश्न है। सभी संवैधानिक संस्थाओं की व्यवहार्यता लोगों की स्वीकार्यता पर निर्भर करती है। जब व्यवस्था की व्यवहार्यता बदनाम होने या बिगड़ने लगती है तब शासन की व्यवस्था समुदाय के लिए अपनी उपयोगिता खोने लगती है। मौजूद समय की सबसे बड़ी चुनौती संस्थाओं की विश्वसनीयता और लोगों के उन पर विश्वास को बहाल करने की है। लोकतान्त्रिक संस्थाएं जनता के विश्वास पर ही खड़ी रह सकती है। विधायिका और न्यायपालिका भी उत्कृष्टता के मानकों को तभी बनाए रख सकती हैं जब उनके सभी हितधारक अपनी-अपनी जिम्मेदारी समझें। बार, पुलिस और कार्यपालिका की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है। मगर इन सबके ऊपर हम भारत के लोगों का जागरूक होना सबसे अधिक जरूरी है। नागरिकों में जागरूकता बेहतर शिक्षा और आदर्शों की के प्रति निष्ठा से आती है। जिन हालात में भारतीय लोकतंत्र को हम इन दिनों पाते हैं उससे यहां के नागरिकों में परास्त होने का भाव पैदा हो जाना अस्वाभाविक नहीं है। लोगों का मनोबल गिरता है तो अधिनायकवादी प्रवत्तियां तथा ताकतें पनपती हैं। जनसंचार की नई तकनीकों ने सभी को एक खुला मैदान दे दिया है। सोचा गया था कि वहां अच्छाई का संसार रचने का बेहतरीन मौका मिलेगा। किन्तु वहां भी ऐसी ताकतों ने अपना मायाजाल बिछा दिया है जो विविधताओं वाले एक सुंदर राष्ट्र बनाने की राह को कुंद कर रहा है। वहां विभाजनकारी और कट्टरता वाली ताकतें युवा पीढ़ी को लुभा रही हैं और उन्हें संवैधानिक साझे समाज की रचना के विचार से दूर धकेल रही है। भारतीय संविधान का निर्माण देश के विभाजन की काली छाया वाले विध्वंश के काल में हुआ था। मगर हमें एक शायर की इस बात का यकीन था कि ''**यूनान-ओ-मिश्र-ओ-रोमां सब मिट गये जहां से/ बाक़ी अभी तलक है नाम-ओ-निशां हमारा**''/ ''**कुछ बात है के हस्ती मिटती नहीं हमारी/ सदियों रहा है दुश्मन दौर-ए-ज़मां हमारा।**'' आज भी यही यकीन हमें रास्ता दिखाएगा।

लोकतान्त्रिक संस्थाएं जनता के विश्वास पर ही खड़ी रह सकती है। विधायिका और न्यायपालिका भी उत्कृष्टता के मानकों को तभी बनाए रख सकती हैं जब उनके सभी हितधारक अपनी-अपनी जिम्मेदारी समझें। बार, पुलिस और कार्यपालिका की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है। मगर इन सबके ऊपर हम भारत के लोगों का जागरूक होना सबसे अधिक जरूरी है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

देश में प्रजातंत्र या लोकतंत्र का विकास और विस्तार गर्व करने की सीमा क्या लांघ चुका है?

प्रो. वीर बहादुर सिंह

देश के नागरिकों और आम जनता को और क्या चाहिए भय रहित जीवनयापन की सुविधायें, समाज से जुड़ाव और नागरिक होने के सभी कर्तव्यों का सुगमता से निर्वहन। अपराधी तो क्या साधारण लोग भी पहले पुलिस के नाम से ही काँप उठते थे, अब ऐसा कोई डर/भय नहीं। महान देश की एक महान उपलब्धि आज़ादी के बाद, कि सरकार का भय समाप्त । ये भय कुछ तो अखवार वाले उत्पन्न करते रहते हैं खबरों में मसाला मिलाकर अखबार में छापने, पढ़ने पर पाठक कई तरह के कयास लगा अपने में ही अनेक काल्पनिक भय उत्पन्न कर लेता है।

अखबार की आज एक ताजा खबर कि किसी आम नागरिक ने चुनाव की गतिविधिओं के मध्य एक एस.डी.ऍम. को थप्पड़ जड़ दिया। स्वाभाविक रूप से पुलिस वहां रही होगी, ऐसा मैं मानता हूँ। पुलिस से भय के गिरते मापदंड ने यह साबित कर दिया कि आने वाले समय में अन्य ऊंचे ओहदों पर विराजमान अफसर और संभवत: मंत्री व् अन्य जनप्रतिनिधि भी कभी न कभी ऐसे थप्पड़ों का जायका जरूर चखेंगे? कारण स्पष्ट है कि हमने व्यवस्था और परिपाटी प्रशासन में ऐसी ही विकसित की है।

पहले पुलिस वालों के पास राइफल बन्दूक हुआ करती थी, कंधे पर लटकी जरूर होती चाहे उसे चलाने की कभी जरुरत न पड़े। अब बन्दुक के स्थान पर एक ढाई फ़ीट का बेंत का डंडा सिपाहीओं को पकड़ा दिया है। उससे कितना डर सृजित होता है कहा नहीं जा सकता? परन्तु यह निश्चित है कि थप्पड़ की मार उस छोटे से डंडे के मुकाबिले कहीं अधिक जोरदार और भयाक्रांत साबित हुयी कि राजस्थान के सभी हिंदी अखबारों में मुख्य पृष्ठ पर बड़े अक्षरों में सुर्खियां बन गई। घटना टोंक ज़िले के किसी चुनाव केंद्र की है। राजस्थान में कहावत भी है कि जो पहले मारे वह मीर।

आगे के दिनों में आने वाली ख़बरों से पता चला कि थप्पड़ मारने वाले को गिरफ्तार कर लिया और न्यायलय ने तथाकतिथ अपराधी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। और इस प्रकार मारने वाले को अपराध सबूत नहीं मिलने से सजा से मुक्त होने का रास्ता बन गया। क्या औचित्य था थप्पड़ मारने पर 14 दिन न्यायिक हिरासत का? बहुत छोटी बात थी, एस डी एम साहब को लोकतंत्र में बड़प्पन दिखाते हुए उसे क्षमा कर देते? लेकिन यहाँ अखवारी तंत्र की भूख को तृप्त करने का भी सबाल है वह फिर कैसे पूर्ण होता ? देखते रहिये ऊँट किस करवट बैठता है ? हमारी अनोखी न्याय् प्रणाली जिस करवट और किस समय बैठायेगी वह सब देखने-सुनने के लिए नित अखबार पढ़ते रहिये। याद रखिये मामला केवल एक थप्पड़ का है जिसे हम बहुधा सामान्य जीवन में भी जड़ते रहते हैं।

इस घटना को मैं किसी आपराधिक दृष्टि नहीं देखता हूँ और न ही किसी कानूनी पक्ष की दृष्टि से। मैं तो केवल आंकलन कर रहा हूँ कि हमारा प्रजातंत्र अथवा लोकतंत्र किस दिशा में अग्रसर होकर विकास कर रहा है। इससे अधिक मैं कुछ भी नहीं लिखना चाहता लेकिन थप्पड़ का जिक्र तो करना पड़ेगा। थप्पड़ कोई अलौकिक चीज़ नहीं। पाठको को याद दिला दूँ कि चांटा, मुक्का, घूँसा सब इसके पर्याय ही तो हैं लेकिन भिन्न भी हैं। श्री हनुमान जी सीता जी की खोज के समय जब समुद्र लांघ लंका पहुंचे तो वहां के दुर्ग के अंदर जाना दुष्कर था, कड़ा पहरा था। केवल एक स्थान पर उन्हें कुछ आस लगी क्योंकि वहां एक स्त्री 'लंकिनी' नाम की पहरा दे रही थी, सोचा ये कमजोर पड़ेगी या मधुर वचन से मान भी जाएगी। लेकिन वह तो बड़ी कठोर स्वभाव और लड़ाकू प्रवर्ति की थी। ऐसे समय अपनी दाल गलती न देख हनुमान बाबा ने एक मुष्टिका उसके मुहं पर जड़ दी, वह बेहोश होकर गिर पड़ी और नॉक और मुहं से रक्त निकल गया। लेकिन तुरंत ही वह सचेत हो खड़ी हो गई और उसे विचार आया कि लगता है ब्रह्मा जी का शाप फलीभूत होने जा रहा है शाप ये था कि जब किसी कपि के मारने से यदि निश्चर विकल हो जायं तो निश्चरों का अंत निकट आया समझो। ''बिकल होयँ जब कपि के मारे, तब जानेस निश्चर संघारे'' कानूनी पक्ष मैं यहाँ अधिक नहीं रखूँगा केवल इतना ही कहूंगा कि लंकिनी को मारने से हनुमान जी ने राज कार्य में बाधा उत्पन्न की क्योंकि लंकिनी पहरा देकर राज कार्य कर रही थी। भारत जैसा विपक्ष होता तो पुलिस में विरोधी पक्ष रिपोर्ट लिखा देता। लेकिन तब बाबा साहब का संबिधान तो था ही नहीं । सो लंका की सरकार कुछ न कर सकी और हनुमान जी अंदर परकोटे से होते हुए रावण के महल तक पहुंच गए। अब फिर लौटते हैं थप्पड़ पर, घूँसा में अधिक बल होता है क्योंकि चारो उंगलिओं और अँगूठे का सघटित बल बन जाता है। हनुमान जी ने अनेक स्तिथिओं में मुष्टिका या मुक्का या घूँसा का ही प्रयोग किया है। छोटे-मोटे संघर्ष से निपटने में उन्होंने अपना गदा कम ही काम में लिया है।

रामचरित मानस असंख्य सीखों का खजाना है जो चाहो वह मिल जायेगा। समझ नहीं आता कि हमारे राहुल जी बाबा साहब की पुस्तक का मिनिएचर हाथ में लेकर क्यों लोगों को दिखा ते रहते हैं? मैंने तो आज तक बाबा साहब की पुस्तक देखी ही नहीं, और अब तो जीवन के आखिरी सोपान पर चल रहा हूँ ? मुझे तो और मेरे अनेक मित्रों को भी संबिधान देखने की जरुरत ही नहीं पड़ी। अरे, जिनको देखनी चाहिए वे देख लेंगे सब लोग उसे हाथ में लेकर हिलाते लोगों को दिखाएँ क्या यह खेल है? देश के लोगों को ऐसे कार्य हाथ में लेने चाहिए जिनसे आम जनता को लाभ मिले और विकास कार्य भविष्य की पीड़ी के उपयोग हेतु सुगमता से सृजित किये जा सकें। अनुत्पादक कार्यों से हम जनता के बीच ही हंसी के पात्र बनते हैं।

वैसे मैं स्वयं वर्तमान शासन-प्रशासन प्रणाली के कृत्यों से सहमत नहीं हूँ। अनेक अवसरों पर मैंने अपने लेखों के द्वारा इस प्रणाली के बदलने की अनुसंशा भी की है जिस पर कभी किसी ने प्रतिक्रिया नहीं दी । यहाँ मैं केवल इशारा किये देता हूँ कि देश में कोई राजनैतिक पार्टी नहीं हो, लेकिन चुनाव हों और पक्ष और विपक्ष में प्रतिनिधि संसद के अंदर ही संवाद करने को बाध्य हों, सभी जनप्रतिनिधि जनता चुने तो लेकिन वे अपने तर्क के आधार पर पक्ष और विपक्ष के रूप में जनहित के मुद्दों पर सम्बाद करें।

सत्तर वर्ष में डिजनरेशन से व्यक्ति, पेड़, पशु, पक्षी, कीट, पहाड़, नदियां, आदि सब कुछ बदल जाते हैं और अपनी उपयोगिता खो देते हैं। संविधान भी अब समय बीतने से एक रोटन ग्रन्थ बन कर रह गया है। जीवंतता उसमे अब रही ही नहीं। बाबा साहब ने उसे बड़े यतन से लिखा था लेकिन उनके बाद अनेक संशोधन और विकृतियां से राजनैतिक दृष्टि से आप उसे कुछ भी कहें परन्तु जर्जर हालत में और समय के साथ बदले हुए माहौल से उसकी सार्थकता अब उतनी नहीं रही जो होनी चाहिए थी। अगले लेख में मैं एक ऐसे शासन प्रशासन प्रणाली के बारे में लिखूगा जो एक नवीन पद्धति और सोच को विकसित करने में मदद करेगा।

–प्रो. वीर बहादुर सिंह,
डेरी एवं खाद्य विज्ञ, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने जापान की संसद का अवलोकन किया

अजमेर, (कासं)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को जापान की संसद ''डाइट'' का अवलोकन किया। देवनानी ने वहां की संसदीय व्यवस्थाओं की जानकारी ली। देवनानी ने जापान संसद का भवन, सदन, दीर्घाएं, सदन में सदस्यों के बैठने की व्यवस्था, सदन की कार्य प्रणाली, अपर हाउस, लोअर हाउस, हाँ पक्ष व ना पक्ष लॉबी सहित भवन के विभिन्न कक्षों और सदस्यों की ऑनलाइन उपस्थिति का अवलोकन किया। देवनानी ने कहा कि जापान में सदन की प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमों और वहां की परम्पराओं और रीति-नीति के अनुसार होता है।

देवनानी ने जापान की संसद में निचले सदन जिसे प्रतिनिधि सभा कहते हैं और ऊपरी सदन जिसे पार्षदों का सदन कहा जाता है, को देखा। देवनानी को संसद के अधिकारियों ने बताया कि संसद के दोनों सदनों के स्थायी आदेश होते हैं और उनकी अपने सदस्यों को अनुशासन करने की जिम्मेदारी होती है। दोनों सदनों को मंत्रियों को तलब करने का अधिकार भी मिला हुआ है। हाउस ऑफ रेप्रेसेंटेटिव जापान के राष्ट्रीय सदन का निचला सदन है और हाउस ऑफ काउंसिलर्स का सदन उच्च सदन है। वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को जापान में स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा और महान क्रांतिकारी रास बिहारी बोस के समाधि स्थल पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। देवनानी ने कहा कि भारत दुनिया की मजबूत अर्थव्यवस्था बन कर उभर रही है, जो दुनिया को बदलने का आधार बन रही है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा अतीत में किये गये कार्यों का परिणाम है कि भारत बहुध्रुवीयता की ओर बढ़ रहा है। राष्ट्रपिता को नमन करते हुए देवनानी ने कहा कि महात्मा गांधी के बिना भारत को स्वतंत्र होने के लिये और लम्बा संघर्ष करना पड़ता। साथ ही देवनानी ने कहा कि महान क्रांतिकारी रास बिहारी बोस ने देश में और देश के बाहर रहकर अंग्रेजी शासन के विरुद्ध क्रांतिकारी गतिविधियों का संचालन किया। रामायण का जापानी भाषा का अनुवाद करने वाले बोस ने टोक्यो में भारतीयों को संगठित करने का प्रयास किया। उन्होंने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के नेतृत्व में आजाद हिन्द फौज में रहकर भारत को आजाद कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

वासुदेव देवनानी ने जापान की संसद का अवलोकन कर संसदीय व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

- **देवनानी ने जापान में स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा और महान क्रांतिकारी रास बिहारी बोस के समाधि स्थल पर पुष्प अर्पित कर नमन किया**
- **देवनानी चार देशों की यात्रा के बाद आज जयपुर लौटेंगे**

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी चार देशों की यात्रा के बाद बुधवार को जयपुर लौटेंगे। विधानसभा अध्यक्ष की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं की इस अध्ययन यात्रा से विधानसभा को नई गति मिलेगी। देवनानी ने कहा कि प्रत्येक देश और राज्य के विधान मण्डलों में स्थानीय व्यवस्थाओं के मुताबिक सदन संचालन की प्रक्रिया होती है, लेकिन हर विधान मंडल में नई विशेषताएं भी देखने को मिली है। यह विशेषताएं संबंधित विधान मंडल के नवाचार होते हैं, जो अन्य विधान मंडलों के लिए मार्गदर्शन साबित हो सकते हैं।

'शिक्षकों के शैक्षिक विकास में आधुनिक दृष्टिकोण व तकनीकों से परिचय जरूरी'

अजमेर, (कासं)। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आनंद भालेराव ने कहा कि शिक्षकों के शैक्षिक विकास में आधुनिक दृष्टिकोण व तकनीकों से परिचय जरूरी है। शिक्षकों को प्रयोगशाला विकास और मैनुअल तैयार करने के क्षेत्र में आवश्यक कौशल प्रदान करना इस कार्य की प्राथमिक जरूरत है। इससे शिक्षण प्रक्रियाओं को और अधिक प्रभावी बनाए रखा जा सकता है। कुलपति प्रो. आनंद भालेराव राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय में शिक्षकों के लिए ''प्रयोगशाला विकास व मैनुअल तैयार करने का प्रशिक्षण'' विषय पर केंद्रित पांच दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम 22 नवंबर तक चलेगा, जिसमें गुणवत्ता सुधार और नवीन शिक्षण पद्धतियों पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

- **राज. केन्द्रीय वि.वि. में क्षमता निर्माण कार्यक्रम का शुभारंभ**

कार्यक्रम का विषय प्रयोगशाला अनुभव विकसित करना, परिणाम आधारित शिक्षा, संसाधनों का अधिकतम उपयोग आदि है। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए स्कूल ऑफ अर्थ साइंसेज के डीन डॉ. देवेश कुमार ने आधुनिक शिक्षा में सुसज्जित प्रयोगशालाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला और शिक्षण के तरीकों में बदलाव की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षण विधियों में सुधार के लिए प्रयोगशाला सुविधाओं का पर्याप्त होना आवश्यक है।

राशिफल बुधवार 20 नवम्बर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2081, पुर्नवसु नक्षत्र दिन 2:50 तक, शुभ योग दिन 1:08 तक, तैतिल करण सायं 4:50 तक, चन्द्रमा आज प्रात: 8:49 से कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-कर्क, बुध-वृश्चिक, गुरू-वृष, शुक्र-धनु, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज कुमार योग दिन 2:50 तक है। आज दीक्षा दिवस (जैन) है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:33 तक, शुभ 10:53 से 12:12 तक, चर 2:51 से 4:11 तक, लाभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:54, सूर्यास्त 5:30

मेष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगी।

वृष
परिवार में शुभ और मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। परिवार में आपसी मतभेद बढ़ सकते हैं।

कर्क
व्यावसायिक मामलों में संयम रखना ठीक रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
व्यावसायिक मामलों में संयम रखना ठीक रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा है। शुभ-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। शुभ कार्य में व्यवधान सामने आ सकते हैं।

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा नहीं है। शुभ कार्य में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मकर
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा नहीं है। शुभ कार्य में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

कुंभ
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
खान-पान में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अनावश्यक वाद-विवाद से परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

इंदिरा गांधी जी की जयंती मनाई

ब्यावर (निसं)। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रथम महिला पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती लायंस गार्डन नगर परिषद के सामने मनाई गई। स्व गांधी के छाया चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए ब्लॉक अध्यक्ष अशोक रांका ने इंदिरा गांधी की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने और आगामी निकाय चुनाव को एकजुटता से जीतने का संकल्प लिया। पूर्व सभापति मुकेश सोलंकी, चंद्रप्रकाश जैन, बाबूलाल पंवार, घनश्याम फुलवारी, मेघराज बोहरा, अशोक पंडित ने बताया कि स्व गांधी ने अपने जीवनकाल में कई आयाम स्थापित किए तथा दुश्मनों के छक्के छुड़ा दिए ।अन्य वक्ताओं ने भी पूर्व प्रधानमंत्री आयरन लेडी,भारत रत्न स्व इंदिरा गांधी की जीवनी पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर पार्षद राजेश शर्मा, गिरधारी लाल पोपावत, राजेन्द्र तुनगरिया,विकास दगदी, भरत बंदीवाल, राकेश साहू, अजय स्वामी, जीवराज जावा, पूर्व पार्षद संपति बोहरा, हनुमान चौधरी, शैलेश शर्मा, जगदीश प्रसाद शर्मा, गोपाल डाणी, लियाकत अली, चंद्रप्रकाश साहू, सुरेश साहू, अशोक पंडित,चेतन भट्ट, दिनेश जेन, कमलेश बोहरा, लक्ष्मीकांत सेन, इशिका जैन, बृजराज डुलग़च, शाकिर कुरेशी, धीरज कुमावत, संदीप जैन, अनिल शर्मा, मनोज खूबचंदानी, माणकचंद बोहरा, लोकेश बोहरा आदि कई कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

पुलिसकर्मी और बजरी माफिया का वाट्सएप चेटिंग का वीडियो वायरल

- बजरी भरे वाहन के नम्बर वाट्सएप पर आने के बाद पासआउट किया जाता था
- बताया जा रहा है कि प्रति ट्रक बड़ी राशि की एंट्री के नाम वसूली की जाती है, जिससे बजरी माफिया के ट्रक को थाने का गश्ती दल नहीं रोक सकता है

माण्डलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ में काछोला थाने के एक पुलिसकर्मी का बजरी माफिया से गजब की सांठगाठ निभाने का मामला सामने आया है। काछोला थाने के पुलिसकर्मी के मोबाइल में बजरी माफिया द्वारा ट्रक पासआउट करने के भेजे वाहनों के नम्बर की चेटिंग सोशल मीडिया पर वाइरल हो रही है। बताया जा रहा है कि प्रति ट्रक बड़ी राशि की एंट्री के नाम वसूली की जाती है, जिससे बजरी माफिया के ट्रक को थाने का गश्ती दल नहीं रोक सकता है।

जानकारी के मुताबिक काछोला थाना क्षेत्र में थलकला, रड़ा ,कटारियों का खेड़ा और चेनपुरा के पास बनास नदी से गत दिनों में अंधाधुंध बजरी खनन कर नदी के बहाव को ही बदल दिया गया है। बनास नदी में जांच की जाए तो बड़े भूभाग पर पत्थर ही पत्थर और बेतरतीब गहरे गड्ढे नजर आने लगे हैं। नदी में और आसपास के गांवों में कई जगह सरकारी भूमि पर बजरी के स्टॉक लगे हुए हैं। नदी के आसपास गांवों के ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस और प्रशासन की शह पर काछोला थाना क्षेत्र की बनास नदी में बजरी का अवैध खनन ओर परिवहन धड़ल्ले किया जा रहा है। जिससे नदी का पर्यावरण तो बिगड़ ही रहा है, वहीं बजरी भरे ओवरलोड वाहनों के दौड़ने से ग्रामीण इलाके की सड़कें बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है।

पिछले दिनों काछोला के पास रूपपुरा गांव के ग्रामीणों ने पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन कर करीब एक दर्जन से अधिक बजरी भरे वाहन रोक लिए थे। इस दौरान भी काछोला पुलिस मौक़े पर देर से पहुंची। इस दौरान बजरी भरे वाहन मौक़े से भाग निकले थे। पुलिस ने खानापूर्ति के लिए महज दो वाहन मौक़े से जब्त किए थे। बजरी माफिया और पुलिस की गठजोड़ के चलते सरकार और उच्चाधिकारियों के आदेश की काछोला में जमकर धज्जियां उड़ाई जा रही है। जिससे सरकार को लाखों के राजस्व की चपत लगने के साथ ग्रामीणों में भी भारी रोष व्याप्त होता जा रहा हैं।

सड़क की दुर्दशा को लेकर व्यापारियों ने किया प्रदर्शन

- जिला व निगम प्रशासन से की दुरुस्त कराने की मांग
- सडक़ में बहुत खड्डे होने से आवागमन और वाहन चालक हो रहे परेशान

अजमेर, (कासं)। श्री अजमेर व्यापारिक महासंघ, भैंसा काम्प्लेक्स व्यापारिक एसोसिएशन के व्यापारी प्रतिनिधियों ने महासंघ के किशन पारिक और रमेश लालवानी के नेतृत्व में मंगलवार को भैंसा काम्प्लेक्स बाजार के बाहर पृथ्वीराज मार्ग सड़क की दुर्दशा सुरधारने और वाहनो को पार्किंग की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

भैंसा काम्प्लेक्स एसोसिएशन के अध्यक्ष किशन पारीक ने बताया कि मित्तल माल के संचालको को उनके गार्ड के माध्यम से आने जाने वालो के वाहनों को मार्ग में नहीं खड़े करने देने और गलत दिशा से भी आवागमन को रोकने के लिए पाबन्द करवाने की मांग जिला प्रशासन और यातायात विभाग के अधिकारियो से की। विरोध प्रदर्शन कर मांग की गई कि खाईलैंड मार्केट के सामने एलिवेटेड रोड के नीचे की सडक़ की स्थित बहुत ही खराब है, सडक़ में बहुत खड्डे होने से आवागमन और वाहन चालको को परेशानी व मार्केट में धूल का वातावरण बना हुआ है। आगरा गेट से इस पृथ्वीराज मार्ग की ओर लगाये गए बेरीकेटस से यातायात की व्यवस्था बहुत बिगडी हुई है। अनेक वाहन चालक विपरीत दिशा में चलते रहते है। प्रदर्शन व मांग करने वालों में ओमप्रकाश टांक, रमेश लालवानी, किशन पारीक, प्रतीक कुमार, नरेश भाई, अमोल अग्रवाल, नितिन कुमार आदि मौजूद रहे।

भूमि की मांग

मदनगंज-किशनगढ़,(निस) अटल जन सेवा शिविर की जनसुनवाई में भाजपा नेता महेंद्र पाटनी ने कलेक्टर से अजमेर से जयपुर तथा जयपुर से अजमेर आने जाने वाली सभी बसों का ठहराव के लिए किशनगढ़ हवाई अड्डा व रेलवे स्टेशन के निकट हाईवे पर भूमि आंवटन हेतु कार्यवाही करने की मांग की है। कलेक्टर ने करीब नो माह पहले एयरपोर्ट व रेलवे स्टेशन के निकट हाईवे मार्ग पर बसों के ठहराव स्थल निर्धारण की सुनिश्चितता करने के कमेटी का गठन किया।

मतगणना स्थल का निरीक्षण

नागौर, । विधानसभा उप चुनाव-2024 की मतगणना तैयारियों के संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी (जिला कलक्टर) अरुण कुमार पुरोहित ने मंगलवार को मतगणना स्थल राजकीय विधि महाविद्यालय का निरीक्षण किया।

इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने मीडिया सेंटर, मतगणना कक्ष, अल्पाहार एवं सुरक्षा व्यवस्था सहित आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। पुरोहित ने मतगणना संबंधी कार्य में पूर्ण गंभीरता से संपादित करने के निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजकीय विधि महाविद्यालय स्थित मतगणना स्थल में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप बेरिकेडिंग एवं सीसीटीवी कैमरे,रोशनी आदि व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी (एडीएम) चंपालाल, उपखंड अधिकारी नागौर गोविंद सिंह भींचर मौजूद रहे।।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड

(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड व आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मेलित)

IDFC FIRST Bank

CIN : L65110TN2014PLC097792

पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031

फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022

परिशिष्ट-IV [नियम 8 (1)]

कब्जा नोटिस

(अचल सम्पत्ति का)

चूंकि अधोहस्ताक्षरकर्ता आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड व आई डी एफ सी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मेलित) के प्राधिकृत अधिकारी है अतः वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुर्न निर्माण एवं प्रतिभूति ब्याज प्रवर्तन अधिनियम, 2002 तथा उपर्युक्त कथित अधिनियम की धारा 13 (12) के साथ पठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) अधिनियम 2002 के नियम 3 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिनांक 04.09.2024की तिथि को एक नोटिस कर्जदारों, सह-कर्जदारों एवं जमानतियों 1. मै फास्ट ट्रैक टायर्स, 2. मुश्ताक अहमद शेख, ताहिर हुसैन को जारी किया गया था, जिसमें 02.09.2024 की तिथी को देय, नोटिस में उल्लेखित राशि रू. 58,81,800/- (रूपये अट्ठावन लाख इक्यासी हजार और आठ सौ मात्र) का भुगतान उपर्युक्त निर्दिष्ट नोटिस की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अन्दर करने के लिए कहा गया था।

चूंकि कर्जदार उक्त राशि को वापस चुकाने में विफल रहे हैं अतः कर्जदारों एवं जनसाधारण को नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है कि कथित अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) के साथ पठित प्रतिभूति ब्याज (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 जिसका नोटिस में उल्लेख किया गया है के तहत अधोहस्ताक्षरकर्ता को प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उन्होंने यहां निम्न वर्णित संपत्तियों को आज नवम्बर 2014 को 14 वे दिन भौतिक रूप से अपने कब्जे/अधिकार में ले लिया है।

विशेष रूप से कर्जदारों एवं आम जनता को एतद्द्वारा सावधान किया जाता है कि वे इन सम्पत्तियों का सौदा लेनदेन नहीं करें तथा इस सम्पत्ति का किसी भी प्रकार से खरीद-बिक्री करने पर उसे आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड व आईडीएफसी बैंक के साथ सम्मेलित) की प्रभारित शर्तों के अधीन राशि रूपय 58,81,800/- (रूपये अट्ठावन लाख इक्यासी हजार और आठ सौ मात्र) का भुगतान उस पर प्रभारित ब्याज सहित करना होगा।

कर्जदारों का ध्यान उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है जिसमें प्रतिभूतिकृत सम्पत्तियों को मुक्त करने के बारे में उपलब्ध समयावधि का उल्लेख है।

अचल सम्पत्तियों का विवरण

प्लाट नं.: डब्लू-119/2, श्रेत्रफल 197.29 वर्ग गज, खसरा नं. 3035/1, ग्राम भीलवाड़ा, तहसील एवं जिला भीलवाड़ा, राजस्थान-311001 का पूरा व प्रत्येक भाग, और सीमायें है। पूर्वः प्लाट नं. डब्लू-119/3, पश्चिमः प्लाट नं. डब्लू-119/1, उत्तरः रोड 100 फिट चौडी, दक्षिणः खुला।

दिनांक- 14.11.2024
स्थान - राजस्थान
ऋण खाता सं.-10061403266

प्राधिकृत अधिकारी, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व नाम केपिटल फर्स्ट लिमिटेड व आईडीएफसी बैंक लि. के साथ सम्मेलित)

केन्द्रीय मंत्री चौधरी ने ली अधिकारियों की बैठक

मदनगंज-किशनगढ,(निस)। केंद्रीय राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने किशनगढ़ विधानसभा क्षेत्र के पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक में आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

उन्होंने कहा की मुलभुत सुविधा उपलब्ध कराने के साथ हर हाल में किशनगढ़ नशा मुक्त हो, इसके लिए विशेष रणनीति बनाकर बुराई को जड़ से समाप्त की जाये। केन्द्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने अपने निवास पर बिजली, पानी, सडक सहित सभी विभिन्न विभाग के अधिकारियों से कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने कहा अपराध पर अंकुश लगाने के लिए रात्रि गश्त के साथ चौकसी बरती जाये, ताकि लोग भय मुक्त रह सके। किशनगढ में बीते कुछ वर्षो से सैकड़ो युवा नशे की चपेट में है। बिना दबाव के स्वतंत्र होकर पुलिस नशे का कारोबार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करे। उन्होंने कृषि विधुत कनेक्शन शिघ्र करने हेतु निर्देश दिया की सर्दी के मौसम में किसानों को दिन में ही 3 फेज बिजली उपलब्ध कराकर बार बार ट्रीपिंग न हो इसका भी ध्यान रखा जाए। जलदाय विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि बीसलपुर में पर्याप्त पानी है, लोगो को 72 घंटे में पानी मिलना चाहिये, पेयजल व्यवस्था की शिकायतें प्राप्त करने एवं उनके निवारण को एक सुद्वढ सिस्टम हो, शिकायतों का रिकार्ड संधारण हो और उनका त्वरित निस्तारण हो। बैठक में नगर परिषद सभापति दिनेश सिंह राठौड, उपखण्ड अधिकारी निशा साहरण, भाजपा नेता किशनगोपाल दरगड, हनुमान भादू, समरथ सिंह, सूर्यप्रकाश शर्मा, मण्डल अध्यक्ष दिपेश गुप्ता, राजीव शर्मा, रामस्वरूप सुण्डा, रामसिंह राठौड, रामवतार वैष्णव, अनील शर्मा के अलावा अधिकारी उपस्थित रहे।

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस मनाया

भीलवाड़ा। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस (झंडा दिवस) भारतीय सशस्त्र बलों के कर्मियों के कल्याण हेतु सन् 1949 से प्रतिवर्ष 07 दिसम्बर को मनाया जाता है।

जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने बताया कि युद्ध के समय हुए जान-माल की हानि के बाद देशवासियों का कर्तव्य बनता है कि वो अपने सैन्य कर्मियों, उनके परिवार के कल्याण के कार्यों में सहयोग करें। हम सभी को हमारे शूरवीरों की कीर्ति गाथाओं पर गौरव है. जिन्होंने 1947-48, 1962, 1965. 1971 व 1999 के युद्धों व आंतरिक संघर्ष में बहादुरी से लड़ते हुए दुश्मन व आतंकवादियों के घुटने टिका दिये। उन्होंने बताया कि देशवासियों द्वारा दिया गया दान देश सेवा में अशक्त हुए सैनिकों, शहीदों एवं उनके परिवारजनों के कल्याण हेतु काम आता है।

उन्होंने इन शूरवीरों एवं शहीदों के परिवार जनों के लिए सभी सर्वविदित परम्पराओं को ध्यान में रखते हुए सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर प्रदेश में संचालित विभिन्न प्राईवेट संस्थानों, युविनर्सिटीज, स्कूलों के संचालकों एवं कॉरपोरेट क्षेत्र के सभी दानताओं एवं प्रदेश के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे उदारतापूर्वक दान देकर सशस्त्र बलों के प्रति हम सब गहरी कृतज्ञता अभिव्यक्त करे। दान जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में उपस्थित होकर या जिला सैनिक कल्याण अधिकारी के नाम से डी0डी0/ बैंक के माध्यम से एवं विभाग के क्यूआर स्कैनर के माध्यम से भी किया जा सकता है।

चेतन को मिले पेंशन एरियर 22500 रूपये

ब्यावर । राज्य सरकार के दिशा निर्देशानुसार प्रति माह प्रथम गुरुवार को आयोजित ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई करने के लिए जब नवगठित जिला ब्यावर के जिला कलेक्टर महेंद्र सिंह खड़ावत जब जनसुनवाई के तय समय पर ग्राम पंचायत चतरपुरा मुख्यालय पर जनसुनाई के लिए पहुंचे ही थे कि उसी समय मौका देख कर जगदीश सिंह रावत निवासी प्रतापपुरा ग्राम पंचायत चतरपुरा गंभीर सी मायूसी की मुद्रा लिए कलेक्टर साहब के समक्ष उपस्थित हुआ और रूदन के साथ अपनी वेदना व्यक्त करते हुए बोला कि कलेक्टर साहब एक अनाथ और दिव्यांग चेतन सिंह को दो साल से उसकी दिव्यांग पेंशन नहीं मिल रही है, ओर मैं लगभग दो साल से विभागों के चक्कर पर चक्कर लगा रहा हु पर ना तो किसी ने मेरी सुनवाई की ओर ना ही अनाथ और दिव्यांग चेतन सिंह की आज तक पेंशन चालू हुई है। जिस से इस अनाथ और दिव्यांग चेतन सिंह का जीना दूभर सा हो गया है।

साहब आज सुबह गांव में मुझे चौपाल पर चर्चा के दौरान पता चला कि आज चतरपुरा पंचायत में कलेक्टर साहब आयेंगे और सबकी समस्याएं सुनेंगे इसलिए एक आखिरी उम्मीद लेकर आपके पास आया हु साहब आप कुछ करो यदि कर सको तो। में एक दम हताश हो चुका हु । जिला कलेक्टर ने तुरंत बीडीओ पंचायत समिति बदनौर को निर्देश दिए कि इसकी पेंशन क्यों नहीं मिली चेक करो और मुझे अभी का अभी बताओ। साहब के निर्देश पर बीडीओ बदनौर ने ठााम विकास अधिकारी को बताया।

मामले की गंभीरता को देख कर एसीईओ, जिला परिषद ब्यावर डॉ गोपाल लाल मीना ने मायूसी लिए ओर कुछ गुस्से में हुए चेतन के परिजन जगदीश को अपने पास बिठाया ओर उसके मामले को पूरा समझा तो पता चला कि चेतन सिंह का जन्म प्रमाण पत्र नहीं होने से जन्म दिनांक के कारण आधार कार्ड नहीं बन पा रहा है। तब ही पूछताछ से पता चला कि चेतन सिंह ने एक बार गांव की किसी सरकारी स्कूल में दाखिला लिया था। फिर स्कूल से जन्म प्रमाण पत्र हेतु लिखवाकर मंगवाया उससे पता चला कि चेतन की उम्र 18 वर्ष के लगभग है और इसके जन्म प्रमाण पत्र जारी करने के कार्यपालक मजिस्ट्रेट के द्वारा जारी अनुज्ञा आदेश की जरूरत होगी इस पर जनसुनवाई में उपस्थित तहसीलदार बदनौर देवाराम भील ने अनुज्ञा आदेश जारी किया और ग्राम विकास अधिकारी ने तत्काल ही जन्म प्रमाण पत्र जारी कर दिया। उसके बाद 22500 रुपए की पेंशन मय एरियर के साथ फारवर्ड हो गई।

प्लास्टिक पाइप फैक्टरी में लगी आग, 8 से 10 करोड़ का नुकसान

आग से मशीनरी, प्लांट, तैयार माल के बंडल, रॉ मैटेरियल सहित अन्य सामान जला

अलवर, (निसं)। बहरोड़ के रीको इंडस्ट्रीज एरिया फेस-2 में स्थित प्लास्टिक के पाइप बनाने वाली फैक्टरी के प्लांट में मंगलवार शाम को भीषण आग लग गई। फैक्टरी के अंदर पाइप बनाने का सामान जलकर नष्ट हो गया है, जिससे करीब 8 से 10 करोड़ रुपए का नुकसान होने का अनुमान है।देर शाम तक आग पर काबू नहीं पाया जा सका।

- आग को बुझाने के लिए कोटपूतली, बहरोड़, केशवाना, नीमराना, जापानी जोन और घिलोठ से फायर बिग्रेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची
- फैक्टरी की दीवार के पास ही ग्रीन लैम कंपनी के फ्लैट्स भी हैं, करीब 40 फ्लैट को खाली करवाया

बहरोड़ के रीको इंडस्ट्रीज एरिया फेस-2 में स्थित प्लास्टिक के पाइप बनाने वाली फैक्टरी के प्लांट में भीषण आग लग गई।

जानकारी के अनुसार फैक्टरी के पांस में स्थित ग्रीन लैम कंपनी के फ्लैट्स को खाली करवाया गया है। लोग फ्लैट से बाहर आ गए। फैक्टरी से उठती आग की लपटें और धुएं का गुबार दूर से ही दिखाई दे रहा था। बहरोड़ के अलावा नीमराना, केशवाना और सोतानाला से बुलाई गई करीब 6 फायर बिग्रेड की गाड़ियों से आग बुझाने की कोशिश की। आग किस कारण लगी, इसका पता नहीं लगा है। फैक्टरी में काले रंग का प्लास्टिक पाइप बनाया जाता है। यह ओरिप्लास्ट कंपनी का दूसरा प्लांट है। कंपनी के कामर्शियल मैनेजर रमेश नायर ने बताया कि पूरा प्लांट जलकर नष्ट हो चुका है। प्लांट के अंदर रखी मशीनरी, प्लांट, तैयार माल के बंडल, रॉ मैटेरियल सहित अन्य सामान जल गया है। इससे करीब 8 से 10 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

फैक्टरी की दीवार से सटा ग्रीन लैम कंपनी के फ्लैट्स भी हैं। करीब 40 फ्लैट को खाली करवाया गया है। आग के बाद से फ्लैट में रहने वाले लोग डरे हुए हैं। फैक्टरी से आग की लपटें और धुआं उठता दिखाई दे रहा है। सोसायटी के सेफ्टी कर्मचारियों भी पानी डालकर आग पर काबू पाने की कोशिश की। आग को बुझाने के लिए कोटपूतली, बहरोड़, केशवाना, नीमराना, जापानी जोन और घिलोठ से फायर बिग्रेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची है। प्लास्टिक और तेज हवा के चलते आग धधक रही है। दमकल की गाड़ियों को ग्रीन लैम के प्लांट से भरा जा रहा है। पानी के साथ आग पर फायर फोम भी डाला गया। फैक्टरी से धुएं का गुबार देखने के लिए सड़क पर भी लोग जमा हो गये।

अनिता हत्याकाण्ड : मांगों पर सहमति के बाद धरना समाप्त

अंतिम संस्कार का रास्ता साफ, सरकार ने सीबीआई जांच की सिफारिश सहित अधिकांश मांगें मानी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में ब्यूटीशियन अनीता चौधरी हत्याकांड में 21 दिन बाद शव का अंतिम संस्कार किया गया। मंगलवार दोपहर प्रशासन व परिजनों के बीच सहमति बन गई थी। इसके बाद नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल और सरकार के प्रतिनिधियों ने धरना स्थल तेजा मंदिर पर इसकी जानकारी दी।

शहर के बहुचर्चित ब्यूटीशियन अनिता चौधरी हत्याकाण्ड में सोमवार को रालोपा सुप्रीमो व सांसद हनुमान बेनीवाल के आने के बाद सरकार और पुलिस दोनों बैकफुट पर आ गए हैं। सोमवार देर रात तक अनिता चौधरी के परिजनों की तरफ से हनुमान बेनीवाल, ओसियां विधायक भेराराम सियोल और पुलिस अधिकारियों के बीच चर्चा हुई। इस वार्ता में पुलिस कमिश्नर राजेंद्र सिंह भी शामिल हुए। इसके बाद मंगलवार की सुबह भी इनके बीच वार्ता का एक दौर और चला। इसमें सरकार की तरफ से परिजनों की अधिकांश मांगों पर सहमति बन गई है। इसकी दोपहर में धरना स्थल पर घोषणा की गई। यहां विधायक भेराराम सियोल ने कहा कि सरकार ने पीड़ित परिवार को 51 लाख रुपए की सहायता देने का फैसला किया है। साथ ही पुलिस अधिकारी को बदलने का भी निर्णय लिया गया है। इसके अलावा मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की सिफारिश की जाएगी। इस घोषणा के बाद अनिता चौधरी के शव के अंतिम संस्कार पर बना गतिरोध भी समाप्त हो गया है।

- 'सरकार ने पीड़ित परिवार को 51 लाख रुपए की सहायता देने का फैसला किया है'
- ब्यूटीशियन अनीता चौधरी हत्याकांड में 21 दिन बाद शव का अंतिम संस्कार किया गया

सोमवार देर रात करीब तीन बजे सांसद हनुमान बेनीवाल और ओसियां विधायक भेराराम सियोल, पुलिस कमिश्नर राजेंद्र सिंह के साथ जनता के सामने आए थे। इस मौके पर हनुमान बेनीवाल ने बताया कि उनकी प्रमुख मांग सीबीआई जांच के लिए सैद्धांतिक सहमति मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि इस वीभत्स हत्याकांड की सीबीआई से जांच कराना बेहद जरूरी है और अन्य मांगों पर भी सहमति बनी है। ओसियां विधायक भेराराम सियोल ने भी इस पर सहमति जताई और कहा कि उच्च अधिकारियों से मंजूरी लेकर सुबह तक इसकी औपचारिक घोषणा की जाएगी। इसके बाद दोपहर में कुड़ी स्थित वीर तेजाजी मंदिर में चल रहे धरना स्थल पर हनुमान बेनीवाल, ओसियां विधायक भेराराम सियोल, सूरसागर विधायक देवेन्द्र जोशी ने अनिता के परिजनों के साथ अधिकांश मांगें मानने की घोषणा की।

इन मांगों पर बनी सहमति :- अनिता चौधरी के परिजनों ने सीबीआई जांच, दुबारा पोस्टमार्टम, कारोबारी की गिरफ्तारी, मुआवजा और पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई विशेष रूप से डीसीपी और थानाधिकारी के निलंबन की मांग की थी। इस पर मामले की जांच सीबीआई को सौंपने के लिए सरकार की तरफ से सिफारिश करने, परिजनों को 51 लाख की आर्थिक सहायता, दोषी पुलिस अधिकारियों को हटाने पर सहमति बनी है।

बदमाशों की खेरवाड़ा पुलिस ने परेड निकाली

हाइवे पर बाइक चालक से मारपीट की थी

उदयपुर, (कासं)। खेरवाड़ा थाना पुलिस ने हाइवे पर बाइक चालक के साथ मारपीट करने वाले दो बदमाशों को पकड कर कस्बे में परेड़ निकाली गई।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, पुलिस उप अधीक्षक राजीव राहर के सुपरविजन में खेरवाड़ा थानाधिकारी दिलीपसिंह झाला के नेतृत्व में गठित दल ने 14 नवंबर रात में बंजारिया हाइवे पर अज्ञात बदमाशों द्वारा राहगिर के साथ मारपीट करने वाली वीडियो वायरल होने पर मामले में अनुसंधान में मिले साक्ष्यों एवं पीड़ित गौतमलाल पुत्र मोगा मेघवाल निवासी मेघवाल बस्ती रूंदेला सलूम्बर से की गई पूछताछ के आधार पर आरोपी आशिष पुत्र चुन्नीलाल डामोर निवासी बंजारिया उपलाफला खेरवाड़ा तथा रामलाल पुत्र लक्ष्मण डामोर निवासी बंजारिया उपलाफला खेरवाड़ा को गिरफ्तार कर शेष आरोपियों को नामजद किया गया। इस मामले में पुलिस की टीम ने दोनों आरोपियों की कस्बे में परेड करवाई।

इस दौरान दोनों ने आगे अपराध नहीं करने की बात कहते हुए नजर आए। जहां रोड़ किनारे खड़े ग्रामीणों ने परेड़ को देखकर आम जन में सुरक्षा की भावना व विश्वास की भावना को बल दिया। जानकारी के अनुसार पीड़ित गौतमलाल गांव से अहमदाबाद जाने के लिए काका वालाभाई शंकरलाल के साथ बाइक पर जा रहा था, जहां टोकर कल्याणपुर रोड होते हुए रात में बंजारिया पहुचे। जहां सर्विस लाईन सुरभी मोटर्स के पास खड़े चार पांच बदमाशों ने बाइक रोककर शराब के लिए रूपये मांगे तो मना करने पर मारपीट की। पुलिस आरोपियों के अन्य साथियों की तलाश में जुटी है।

हादसे में एक की मौत, चार घायल

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाड़ा थाना इलाके में एनएच-48 पर खजूरी गांव के पास मंगलवार सुबह एक कार हाईवे पर पलटे ट्रोले से टकरा गई। हादसे में कार सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 4 अन्य लोग गंभीर घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक इलाज के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाया है।

बिछीवाड़ा थानाधिकारी ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब साढे पांच बजे गुजरात नंबर की एक कार उदयपुर से अहमदाबाद की ओर जा रही थी। इस दौरान एनएच-48 पर खजूरी गांव के पास कार सड़क पर पहले से पलटे ट्रोले में घुस गई। हादसे में कार सवार पांच लोगों में से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 4 लोग गंभीर घायल हो गए। सूचना पर बिछीवाड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को कार से बाहर निकला। एम्बुलेंस की मदद से घायलों को बिछीवाड़ा अस्पताल पहुंचाया, जहां घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें प्राथमिक इलाज के बाद गुजरात के हिम्मतनगर रेफर कर दिया। वहीं शव को पुलिस ने मोर्चरी में रखवाया है। मृतक की पहचान अहमदाबाद निवासी जय भाई वसाना के रूप में हुई है। परिजनों के आने के बाद शव का पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा। कार सवार सभी लोग गुजरात के रहने वाले हैं।

"एरिया डोमिनेशन अभियान" के तहत 49 बदमाश गिरफ्तार

पुलिस थानों की 39 टीमों ने दबिश देकर बदमाशों को पकड़ा।

डीडवाना, (निसं)। लंबे समय से फरार चल रहे बदमाशों के खिलाफ मंगलवार को डीडवाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की।

एरिया डॉमिनेशन अभियान के तहत चलाए गए इस अभियान के दौरान जिलेभर के 13 पुलिस थानों के पुलिस अधिकारियों की 39 टीमों ने बदमाशों के 166 ठिकानों पर दबिश दी। इस दौरान 49 बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। वहीं प्रीवेटिव एक्शन के तहत 36 बदमाशों पर भी कार्रवाई की गई। जिला पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद मीणा के निर्देश पर डीडवाना पुलिस ने मंगलवार को पूरे जिले में सघन अभियान चलाया। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस की 39 टीमों के जवानों ने बदमाशों की घेराबंदी कर 49 बदमाशों को गिरफ्तार किया।

- 13 पुलिस थानों की 39 टीमों ने 166 स्थानों पर दबिश देकर कार्रवाई की

वहीं थानों में दर्ज प्रकरणों में वांछित 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। अभियान के दौरान आबकारी अधिनियम, जुआ एक्ट सहित विभिन्न मामलों के 13 प्रकरण दर्ज किए गए। वहीं 52 हिस्ट्रीशीटरों की भी जांच की गई। एसपी ने बताया कि बदमाशों के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा वो आगे भी कार्रवाई की जाएगी।

प्रविष्टियों में संशोधन का अवसर

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक अभियोजन अधिकारी-गृह विभाग (अभियोजन) प्रारंभिक प्रतियोगी परीक्षा-2024 का आयोजन 19 जनवरी 2025 को करवाया जाना प्रस्तावित है। आयोग द्वारा अभ्यर्थियों को इस परीक्षा के लिए जारी विज्ञापन में उल्लेखित शर्तों अनुसार 20 नवंबर से 26 नवंबर 2024 तक अभ्यर्थी का नाम, पिता का नाम, फोटो, जन्म तिथि व जेंडर के अतिरिक्त अन्य संशोधन ऑनलाइन करने का अवसर दिया जा रहा है।

हथियार के साथ सोशल मीडिया पर फोटो पोस्ट की, युवती गिरफ्तार

अजमेर, (कासं)। सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ फोटो पोस्ट कर लेडी डॉन के नाम से फेमस होने की चाह रखने वाली युवती को अजमेर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अजमेर की रहने वाली शिवानी सैनी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर हथियारों और कारतूसों के साथ फोटो पोस्ट की थी। इसके बाद अजमेर पुलिस हरकत में आई और शिवानी को गिरफ्तार कर लिया।

अजमेर एडिशनल एसपी सिटी हिमांशु जांगिड़ ने बताया कि जिला पुलिस की सोशल मीडिया अकाउंट हैंडल करने वाली टीम ने संदिग्ध पोस्ट को देखा तो इसके बारे में उच्च अधिकारियों को अवगत कराया। सिविल लाइन थाना पुलिस ने उसके घर दबिश देकर हिरासत में लेकर उसे पूछताछ के लिए थाने ले आई। हिमांशु जांगिड़ ने बताया कि सोशल मीडिया सेल टीम प्रत्येक गतिविधियों पर नजर रखे हुए हैं। टीम को शिवानी सैनी के सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ घंटे पहले जारी की गई पोस्ट नजर आई। उसने एक स्टोरी पोस्ट की, जिसमें युवती ने हथियारों एवं कारतूस के एस लिखी पोस्ट वायरल की। इतना ही नहीं उसने अपनी प्रोफाइल में लेडी डॉन लिखा है। युवती ने गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई का कवर फोटो लगाकर रील को अपलोड किया है। उल्लेखनीय है कि दस माह पहले भी क्रिश्चयनगंज थाना पुलिस ने आनासागर चौपाटी पर हथियारों के साथ रील बनाने पर गिरफ्तार किया था। इस वीडियो में भी उसने गैंगस्टर लिखा हुआ था।

सूने मकान से आभूषण और नकदी चोरी

अजमेर, (कासं)। अजमेर के आदर्श नगर थाना क्षेत्र स्थित सूर्य विहार कॉलोनी में एक सूने मकान को चोरों ने अपना निशाना बनाया। अज्ञात चोरों ने घर से सोने-चांदी के आभूषण और 45 हजार रुपये नकद चुरा लिए।

मकान मालिक विनोद कुमार अपने परिवार के साथ जयपुर में एक पारिवारिक कार्यक्रम में गए थे, जब वह वापस लौटे तो उन्होंने अपने घर को अस्त-व्यस्त पाया। घर का सारा सामान फैला हुआ था और आलमारी में रखे कीमती आभूषण और नकदी को चोर चुरा कर ले गए थे।

विनोद ने आदर्श नगर थाना पुलिस को घटना की सूचना दी। एएसआई रणवीर सिंह ने बताया कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। सिंह ने बताया कि चोरों ने घर के मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया। फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

दोस्त की हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। जिले क गामड़ी आहड़ा गांव में दीपावली के पर्व पर दो दोस्तों में मामूली विवाद पर हत्या करने के मामले में अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। वहीं एक नाबालिग को निरुद्ध किया। हत्या में प्रयुक्त चाकू को भी बरामद कर लिया है।

रामसागडा थानाधिकारी गोपालनाथ ने बताया कि दो नवंबर को कांतिलाल पुत्र रजिया डामोर ने एफआईआर दर्ज कराते हुए बताया कि 1 नवंबर दीपावली के पर्व पर उसका छोटा बेटा पंकज डामोर पड़ौस में जन्मदिन की पार्टी में गया था। वापस लौटते समय उसके साथी राहुल पुत्र बखा उर्फ बखला कोटेड ने चाकू से सीने से वार कर उसे गंभीर घायल कर दिया था, जिसे गामड़ी अहाड़ा सीएचसी लाने पर डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया था। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर जांच शुरू कि जिसमें मुख्य आरोपी राहुल उसका साथी घटनास्थल पर भाग गए थे। जहां पर पुलिस ने दबिश देते हुए राहुल कोटेड को गिरफ्तार किया और उसके नाबालिग साथी को डिटेन किया। राहुल और उसके नाबालिग साथी ने बताया कि पंकज डामोर के साथ जन्मदिन मनाकर पार्टी मनाकर वापस अपने गांव लौट रहे थे। सभी दोस्तों ने शराब का नशा कर रखा था।

दोस्त की चाकू मारकर हत्या करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया।

- नाबालिग साथी को निरुद्ध किया, हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद
- पत्थर लगने पर आवेश में आकर चाकू से वार करना स्वीकारा

इसी दौरान कोई पत्थर उछलकर उसके नाबालिग साथी के सिर पर लग गया था, जिस पर राहुल कोटेड और नाबालिग साथी ने सभी वाहनों को रोककर पंकज को मोटरसाइकिल से नीचे उतारा। नशे में होने के कारण चाकू से राहुल से सीने में वार कर दिया। इसके बाद राहुल को मौके पर छोड़कर गुजरात की ओर से भाग गए। पुलिस ने राहुल कोटेड, उसके नाबालिग साथी को निरुद्ध करते हुए अग्रीम अनुसंधान शुरू किया। वहीं दोनों को न्यायलय में पेश किया गया। हत्या में प्रयुक्त चाकू को भी बरामद कर लिया गया।

घर वालों की मर्जी के खिलाफ कोर्ट मैरिज की, युवक के घर हमला

गुस्साए युवती के परिजन युवक के पिता को उठा ले गए, पुलिस ने जैसलमेर में पाक बॉर्डर से बरामद किया

बीकानेर, (निसं)। पूगल पुलिस थाना क्षेत्र के खीरसर में युवक-युवती ने घर से निकलकर कोर्ट मैरिज कर ली। इससे गुस्साए युवती के परिजनों ने युवक के घर हमला कर दिया और मारपीट कर उसके पिता को उठा ले गए। पुलिस ने खोजबीन कर युवक के पिता को जैसलमेर में पाक बॉर्डर से बरामद कर लिया है। इस मामले में हाईकोर्ट ने युवती की अर्जी पर सुरक्षा के आदेश दे रखे हैं।

खीरसर में चक 7 केडब्ल्यूएम निवासी युवक और पड़ोस में रहने वाली युवती में प्रेम हुआ। दोनों घर से निकले और सात अक्टूबर को कोर्ट मैरिज कर ली थी। युवती के परिजन इससे नाराज थे। वे युवक-युवती का पता लगाने के लिए युवक के परिजनों पर लगातार दबाव डाल रहे थे। आरोप है कि युवती के परिजनों ने युवक के घर हमला किया और मारपीट कर उसके पिता को उठा ले गए। पूगल थाने में इसका मुकदमा दर्ज होने पर पुलिस ने खोजबीन शुरू की तो पता चला कि युवक के पिता को जैसलमेर में पाक बॉर्डर के पास ले जाया गया है। जैसलमेर पुलिस से समन्वय कर तलाश शुरू की गई और एक टीम बीकानेर से वहां भेजी गई। जैसलमेर में मोहनगढ़ के पास नाकाबंदी कर युवक के पिता को बरामद किया गया। इस मामले में पुलिस ने खेतसिंह को डिटेन किया है, जिससे पूछताछ की जा रही है। पूगल पुलिस थाने के एसएचओ पवन सिंह ने बताया कि 7 केडब्ल्यूएम निवासी दामसिंह, हरिसिंह, चैनसिंह, भीमसिंह, बलवंतसिंह, प्रेमसिंह, नरपतसिंह व 10-12 अन्य पर घर में घुसकर मारपीट और अपहरण का केस दर्ज है। अन्य आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश की जा रही है।

युवक-युवती के प्रेम विवाह के इस मामले में पुलिस कार्रवाई कर रही है और इंटेलिजेंस विभाग भी सक्रिय है। युवती के परिजनों की नाराजगी, युवक के घर हमला और उसके पिता से मारपीट कर उठा ले जाने की वारदात से ऑनर किलिंग की आशंका जताई जा रही है। सीओ खाजूवाला अमरजीत चावला का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए पूरी एहतियात बरती जा रही है। युवती के परिजनों को पूर्व में ही पाबंद कर दिया था। इसके बावजूद युवक के पिता के किडनैप में उनकी भूमिका या मिलीभगत प्रमाणित हो गई तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

युवक-युवती बालिग हैं और अलग-अलग समुदाय के होने के कारण पुलिस ने एहतियात बरती। 26 अक्टूबर को ही युवती के परिजनों को पाबंद कर दिया था। पाबंद किए जाने वालों में चेनसिंह, नरपतसिंह व दामसिंह शामिल थे। दूसरी ओर युवती के परिजनों ने सात अक्टूबर को पूगल थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। उसके बाद 26 अक्टूबर को युवक-युवती पर घर से नकदी-जेवरात चोरी करने का मुकदमा भी दर्ज कराया गया, जिसकी जांच चल रही है।

VARDHMAN MAHAVEER OPEN UNIVERSITY, KOTA
(Rawathbhata Road, Kota -324021) (Estate Cell)
NOTICE INVITING E-TENDER (NIB 27/2024-25)
E-Bid is invited for **"ARC for Sweeping & Cleaning work in University campus" (Estimated cost Rs. 17.00 lacs).** Further details may be obtained from **http://www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in & www.vmou.ac.in w.e.f. 18/11/2024.**
(UBN: VMU2425SLRC00031)
Raj.Samwad/C/24/7990 **Comptroller (Finance)**

कार्यालय नगर विकास न्यास, बीकानेर
क्रमांक:-नविन्यास/स्टोर/2024-25/14046 दिनांक :- 14.11.2024
वार्षिक निविदा सूचना संख्या 05/स्टोर/2024-25
नगर विकास न्यास बीकानेर कार्यालय उपयोग हेतु निम्नलिखित कार्यों के लिए वार्षिक बिड आमंत्रित की जाती है :-

क्र.सं.	कार्य का नाम
1.	न्यास के माध्यम से एवं न्यास द्वारा करवाये जाने वाले कार्यक्रमों के लिए टैण्ट व्यवस्था का कार्य। (वार्षिक संविदा)

विस्तृत जानकारी कार्यालय वेबसाईट http://urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner, http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
UBN NO. ITB2425WSOB00081
राज.संवाद/सी/24/7995 प्रभारी अधिकारी स्टोर

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा
AGRICULTURE UNIVERSITY KOTA
बोरखेडा, कोटा 324001 (राज.)
Borkhera, Post Box No. 20 GPO Nayapura, Kota 324001 (Raj.)
Tel: 0744-2321205, Email: registrar@aukota.org, aukota2013@gmail.com
क्रमांक एफ( ) बोली /कुलसचिव/मानव संसाधान/2024-25/9985-94 दिनांक: 18.11.2024
ई- बोली सूचना/2024-25
कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की विभिन्न ईकाईयों में मानव संसाधन की आपूर्ति हेतु इच्छुक बोलीदाता/संवेदको से ऑनलाईन बोलियां आमंत्रित कि जाती है। बोलियों संबंधित अन्य विवरण इस विश्वविद्यालय की बेबसाइट http://aukota.org एवम् राजस्थान स्टेट पोर्टल की वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। बोलियां ई प्रोक्योरमेट प्रक्रिया से ऑनलाईन 27.11.2024 तक निर्धारित समय तक www.eproc.rajasthan.gov.in वेबसाईट पर भरी जा सकेगी।
UBN-AUK2425SLOB00087
NIB-AUK2425A0050
राज.संवाद/सी/24/8015 कुलसचिव

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण, राजस्थान
राजीव गांधी भवन, दशहरा मैदान, सी.ए.डी. सर्किल-कोटा
email : nnksouth@gmail.com, websites : www.urban,rajasthan.gov.in/nnks, Ph.: 0744-2502142
क्रमांक :- ननिको/दक्षिण/निर्माण/2024/517-531 दिनांक :- 18.11.2024
ई-निविदा सूचना संख्या : 23/2024-25
नगर निगम कोटा (उत्तर/दक्षिण) द्वारा विभिन्न अभियान्त्रिकी विभागों "A" एवं "AA" श्रेणी एवं नगर निगम कोटा (उत्तर/दक्षिण) में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निम्नांकित कार्यो हेतु कुल राशि 143.65 लाख रूपये की ऑन लाईन निविदायें दिनांक 21.11.2024 से दिनांक 04.12.2024 तक आमन्त्रित की जाती हैं। टेन्डर बेचे जाने, प्राप्त करने की तिथि व निविदा की शर्तें इत्यादि नगर निगम की वेबसाईट www.urban.rajasthan.gov.in/nnks http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत (लाखों में)
1	नगर निगम कोटा दक्षिण सीमा क्षेत्र के मकानो के सामने बनी हुई नालीयों पर चैम्बर निकालने, नाली निर्माण/मरम्मत कार्य, आर.सी.सी. दिवार निर्माण कार्य एवं अन्य विकास कार्य हेतु मटेरियल एवं लेबर सप्लाई का कार्य।	49.26
2	नगर निगम कोटा दक्षिण सीमा क्षेत्र में आने वाले नालो व बरसाती बड़े नालो में जमा सिल्ट, पत्थर, कपड़ा, प्लास्टिक, झाड़ीया आदि निकालने एवं रोड साइड जमा मलबा खोदकर ट्रोली में भरने हेतु श्रमिक लगाने का कार्य।	94.39

NIB Code No. DLB2425A3915
UBN No. DLB2425WSOB11970 UBN No. DLB2425WSOB11971
राज.संवाद/सी/24/7961 अधिशाषी अभियन्ता

प्रदेश की डेमेज सड़कों को विश्वस्तरीय बनाना हमारी प्राथमिकता है : दिया कुमारी

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा है कि प्रदेश में नई सड़कों के साथ डेमेज सड़कों को विश्व स्तरीय बनाना हमारी प्राथमिकता है। उन्होनें कहा की अधिकारी यह तय कर ले की अगले एक वर्ष में हम मौजूदा नोन पेचेबल और परमानेंट टूटी सड़कों को ठीक करवाकर उन्हें विश्व स्तरीय बनाएंगे। उन्होंने कहा यदि हम सब ने मिलकर इस काम को शत प्रतिशत सफल कर दिया तो यह आम जन के लिए बहुत बड़ी साहूलियत होगी। उपमुख्यमंत्री मंगलवार को निर्माण भवन में आयोजित सार्वजनिक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रही थी।

उन्होनें कहा कि नीचे से लेकर उपर तक के सभी अधिकारी पूरा फोकस सड़कों की गुणवत्ता पर केंद्रित करें। इसके लिए नियमित फिल्ड विजिट कर चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण करें और यदि कही कमी पाई जाती है तो उस पर कठोर एक्शन लें। उन्होंने कहा कि जब मैं स्वयं और उच्च अधिकारी फिल्ड में जा सकते हैं तो अन्य अधिकारी फिल्ड में क्यों नही जा रहे है। उन्होनें निर्देश दिए कि अधिकारी नियमित फिल्ड विजिट करेंगे और साप्ताहिक रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को निर्माण भवन में आयोजित सार्वजनिक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक को सम्बोधित किया।

उपमुख्यमंत्री ने बजट घोषणाओं, एनएचएआई, आरएसआरडीसी, आरएसएचए, सीआरआईएफ सहित विभिन्न प्रोजेक्ट्स की गति बढ़ाने और कार्यों को समय पर पूरा करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि इंटर डिपार्टमेंटल मुद्दों की वजह से प्रोजेक्टस को पूरा करने में समय लग रहा है तो विभाग के सम्बंधित अधिकारी अन्य विभागों के साथ नियमित वार्ता करके उन प्रकरणों का निस्तारण करवायें ताकि आमजन को प्रोजेक्टस का समय पर लाभ मिल सके।

उपमुख्यमंत्री ने पीडब्ल्यूडी सेवा ऐप के बाद सड़कों की गुणवत्ता में हुए सुधार की सराहना करते हुए कहा की हमें इस ऐप को शत प्रतिशत रूप से प्रभावी बनाना है। गौरतलब है कि इस ऐप पर निरीक्षण करने वाले अधिकारी सड़क की गुणवत्ता खराब पाई जाने पर उस की रियल टाईम फोटो अपलोड करते हैं और संवेदकों को सुधार के लिए दिए गए दिशा निर्देशों के अनुरूप सुधार करके सुधारे गए काम की फोटो अपलोड करनी होती है।

- 'कामों को गति देने और निरीक्षण के लिए फील्ड में रहने के निर्देश'

इस दौरान जयपुर रिंग रोड, ग्रीन फिल्ड एक्सप्रेस वे, अजमेर रोड, खाटूश्यामजी मंदिर रिंग रोड सहित विभिन्न प्रोजेक्ट्स की प्रगति की भी समीक्षा की। इस दौरान राज्य मंत्री मंजू बाघमार, प्रमुख शासन सचिव प्रवीण गुप्ता, सचिव डी आर मेघवाल, मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त सचिव टीसी गुप्ता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

11 माह में राजस्थान में दोगुनी हुई विकास की रफ्तार : राज्यवर्धन सिंह

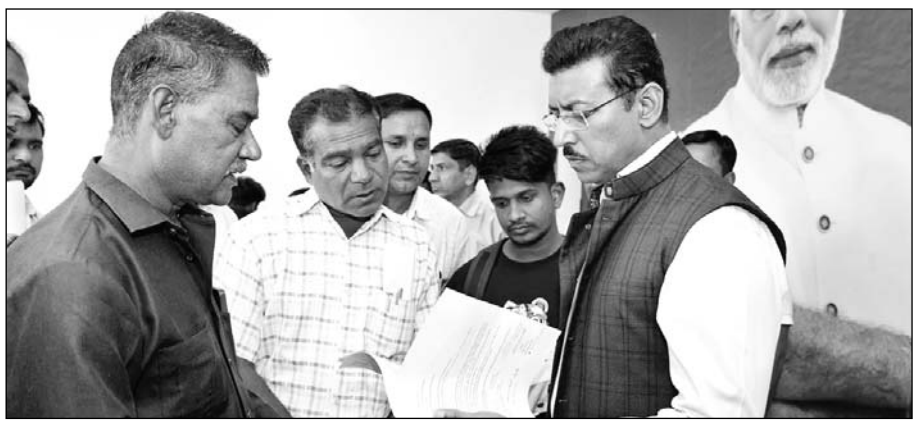

झोटवाड़ा में 1081 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के लिए जनता ने कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ का आभार जताया।

जयपुर। झोटवाड़ा विधायक और कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने आज जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र और प्रदेश की जनता से संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आदरणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राजस्थान विकास की नई ऊंचाइयां छू रहा है।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि पिछले 11 महीनों में झोटवाड़ा समेत पूरे प्रदेश में विकास कार्य दोगुनी रफ्तार से हुए हैं। उन्होंने झोटवाड़ा क्षेत्र में 1081 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण किए गए विकास कार्यों की जानकारी दी जिनमें सड़कों का निर्माण, जल आपूर्ति, ड्रेनेज, मेट्रो, रेलवे और अन्य बुनियादी ढांचे के कार्य शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र की जनता ने कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि झोटवाड़ा में विकास कार्यों की गति ने क्षेत्र को एक नए स्तर पर पहुंचाया है।

इस अवसर पर कर्नल राठौड़ ने जनता को आश्वस्त किया कि आने वाले समय में विकास कार्यों की यह रफ्तार और तेज होगी। उन्होंने क्षेत्र की जनता से अपील की कि वे सरकार की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। साथ ही कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा, यह सब हमारे प्रेरणास्त्रोत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन का नतीजा है। वह दिन दूर नहीं जब राजस्थान का विकास मॉडल पूरे देश के लिए प्रेरणा बनेगा।

सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं का जन-जन को मिले लाभ : कलेक्टर

जयपुर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने मंगलवार को कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में अधिकारियों को सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाने के निर्देश दिये। बैठक में कलक्टर ने जिले में संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को किराये के भवन में संचालित हो रही आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिए जल्द से जल्द सरकारी भवन मुहैया करवाने अथवा भवन हेतु भूमि आवंटन के लिए निर्देशित किया।

उन्होंने अधिकारियों को राजकीय विद्यालयों में खेल मैदान विकसित करने के साथ साथ स्कूल भवन एव छात्रावास के साथ-साथ स्वास्थ्य केन्द्रों हेतु भूमि आवंटन के लिए आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया। डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को रास्ता खोलो अभियान के तहत अधिक से अधिक ग्रामीणों को लाभान्वित करवाने एवं खोले गए रास्तों पर ग्रेवल रोड बनाने की आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ करने के निर्देश दिये। रास्ते संबंधी जो प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है उनका अनुतोष परिवादी द्वारा संबंधित न्यायालय से ही प्राप्त किया जा सकेगा।

जिला कलक्टर ने अधिकारियों को समस्त अटल सेवा केन्द्रों में बिजली कनेक्शन, ई-मित्र की सुविधा एवं शौचालय सुनिश्चित करने के साथ-साथ पीएम श्री विद्यालयों के नियमित निरीक्षण के लिए निर्देशित किया। साथ ही उन्होंने युवा महोत्सव के सफल आयोजन के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को तैयारियां दुरुस्त रखने एवं अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

उन्होंने विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर राजकीय कार्यालयों के शौचालयों का निरीक्षण कर साफ-सफाई की व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिये। साथ ही, उन्होंने अधिकारियों को पीएम सूर्य घर योजना से आमजन को लाभांवित करने एवं समर्थन मूल्य पर मूंग की खरीद के दौरान किसानों को ग्रेडिंग के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिये, ताकि अधिक से अधिक किसानों को उनकी फसल की उपज का वाजिब दाम मिल सके।

सहकारी संस्थाओं के संचालन में निर्वाचित प्रतिनिधियों के प्रशिक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका : गौतम कुमार

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि सहकारिता समावेशी विकास का एक ऐसा मॉडल है, जो जाति, वर्ग, रंग या भाषा के परे जाकर समाज के सभी वर्गों और समुदायों को उनकी आवश्यकताओं और स्थानीय संसाधनों के आधार पर विकास के अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि सहकारिता हमेशा सभी वर्गों के मध्य अवसरों में समानता को बढ़ावा देते हुए गरीबी को कम करने एवं रोजगार के अवसरों में बढ़ोतरी करने के लिये उपयुक्त प्लेटफार्म उपलब्ध कराता है। इसलिये सहकारिता के माध्यम से समावेशी आर्थिक विकास संभव है।

नेहरू सहकार भवन स्थित सभागार में राजस्थान सहकारी संघ द्वारा 71वें राष्ट्रीय सहकार सप्ताह के तहत आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में "महिलाओं, युवाओं और कमजोर वर्गों के लिये सहकारिता" विषय पर अपने संबोधन में दक ने कहा कि किसी भी सहकारी संस्था के प्रभावी संचालन में निर्वाचित प्रतिनिधियों और कार्मिकों के मध्य समन्वय के साथ-साथ अपने-अपने कार्य दायित्वों के निर्धारण और उनके निर्वहन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि निर्वाचित प्रतिनिधियों को सहकारी कानून, नियम और संस्था के उपनियमों की पूरी जानकारी है तो वह अपने अनुभव और स्थानीय आवश्यकताओं के आधार पर संस्था के संचालन में महती भूमिका निभा सकते हैं।

नेहरू सहकार भवन स्थित सभागार में राजस्थान सहकारी संघ द्वारा 71वें राष्ट्रीय सहकार सप्ताह के तहत आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने संबोधित किया।

सहकारिता राज्य मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं, युवाओं और कमजोर वर्ग के लोगों को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर प्रदान करने, उन्हें उद्यम स्थापित करने के लिये सस्ती ब्याज दरों पर सुलभ ऋण मुहैया कराने और उत्पादों के विक्रय के लिये प्लेटफार्म उपलब्ध कराने के लिये कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के तहत एक लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त अल्पकालीन ऋण उपलब्ध कराना, दीर्घकालीन कृषि ऋणों पर पहली बार 7 प्रतिशत का ब्याज अनुदान, पहली बार अकृषि ऋणों पर 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान, नये सदस्यों को अल्पकालीन ब्याज मुक्त फसली ऋण देना, प्रत्येक पंचायत समिति में एक महिला ग्राम सेवा सहकारी समिति का गठन आदि जैसे कदम उठाये हैं।

भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ एवं इफको के अध्यक्ष दिलीप संघानी ने कहा कि हमें महिला और युवाओं के मामले में नजरिया बदलने की आवश्यकता है कि वे कमजोर हैं। हम महिलाओं और देश के युवाओं को अवसर उपलब्ध नहीं

- 'सहकारिता के माध्यम से ही समावेशी आर्थिक विकास संभव'

कराते हैं, जिससे उनकी योग्यता का उपयोग नहीं हो पाता है। उन्हें मौका देंगे तो उनकी ऊर्जा का सदुपयोग होगा और वे अपने विकास के साथ-साथ समाज और देश के विकास में नये रंग भर देंगे। इसलिये उन्होंने सहकारजन का आव्हान किया कि वे सहकारी सोसायटियों के माध्यम से महिलाओं और युवाओं की योग्यता के आधार पर अवसर तलाशे और प्लेटफार्म उपलब्ध करावें।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर प्राथमिक सोसायटियों के लिये मॉडल उपनियमों के संहिताकरण का कार्य किया जा रहा है और उनके लिये अब 50 से अधिक क्षेत्रों की पहचान की गई है जिसमें ऐसी सोसायटियां कार्य कर सकती हैं। संघानी ने कहा कि केन्द्र सरकार की पहल पर अब किसान या आर्टिजन अपने उत्पादों का पोर्टल के माध्यम से एक्सपोर्ट कर सकता है, उसे इसके लिये किसी बिचैलिये की आवश्यकता नहीं है।

शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारिता मंजू राजपाल ने कहा कि महिला और युवाओं की शक्ति अपार है। लेकिन संसाधनों के अभाव के कारण उनकी योग्यता का सदुपयोग नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि प्रदेश की महिलाओं को पर्याप्त अवसर, उद्यमशीलता के लिये प्रशिक्षण, नवीन तकनीक का ज्ञान और उपयुक्त प्लेटफार्म उपलब्ध कराया जावे तो वे विकास नये सोपान गढ़ सकती हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में पैक्स कम्प्यूटराईजेशन और उनके गो-लाइव का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसके पूर्ण होने से प्रदेश में ग्राम स्तर पर पारदर्शिता स्थापित होगी और त्वरित बैंकिंग एवं ई-मित्र जैसी सुविधायें मिल सकेंगी। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री द्वारा नीमोद ग्राम सेवा सहकारी समिति की ड्रोन दीदी के नाम से जाने जानी वाली सुश्री सरोज राठौड और उनकी साथिन को शॉल उढाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान राज्य सहकारी संघ के प्रशासक भौमाराम द्वारा प्रदेश में सहकारिता के विकास और उसकी भूमिका पर प्रकाश डाला गया तथा अन्त में मुख्य कार्यकारी अधिकारी आर. एस. चौहान द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में प्रदेश के सभी जिलों से सहकारजनों सहित महिलाओं और विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा भाग लिया गया।

सरकार समरावता प्रकरण की विशेष जांच करवाएगी : डॉ. किरोड़ी लाल

- समरावता प्रकरण को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल से जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, राज्य मंत्री जवाहर बेडम सहित डॉक्टर किरोडी लाल मीणा की वार्ता
- 'समरावता सहित 5 पंचायतों के 28 गांव उनियारा में शामिल किए जाएंगे'

जयपुर। टोंक जिले के देवली-उनियारा विधानसभा उपचुनाव के दौरान समरावता प्रकरण को लेकर जलदायमंत्री कन्हैया लाल चौधरी, गृह राज्य मंत्री जवाहर बेडम, डॉक्टर किरोडी लाल मीणा ने ग्रामीणों से वार्ता के बाद जो सहमति बनी उसके बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से वार्ता की। इस मामले में कहीं मुख्य बिंदुओं पर सहमति बनी। सहमति के बाद डॉक्टर किरोडी लाल मीणा ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि समरावता सहित 5 पंचायतों के 28 गांव उनियारा में शामिल किए जाएंगे। सरकार द्वारा विशेष जाँच कराई जाएगी, जिससे इस प्रकरण का दूध का दूध पानी का पानी हो सके। समरावता व उसके आसपास के गांवों के निर्दोष लोगों को मुकदमों का शिकार नहीं होने दिया जाएगा। स्थानीय पुलिस ने प्रारंभिक जांच के बाद 19 व्यक्तियों को छोड़ दिया है। आगे भी जांच के अनुसार कार्यवाही होगी। स्थानीय लोगों के वाहनों, मकानों, चारे सहित जो भी नुकसान हुआ है, उसका सर्वे करवाकर संबंधित व्यक्ति को भरपाई की जाएगी।

इससे पहले देवली-उनियारा विधानसभा क्षेत्र में हुई घटना की जांच और नुकसान की भरपाई की मांग को लेकर समरावता सहित आसपास के ग्रामीण आंदोलन कर रहे हैं। इस बीच ग्रामीणों का प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा के साथ गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम के आवास पहुंचा। इस दौरान कैबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी भी मौजूद रहे। प्रतिनिधिमंडल और सरकार के मंत्रियों की बीच करीब 2 घंटे तक वार्ता हुई।

देवली-उनियारा में हुई घटना को लेकर कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने पूर्ववर्ती गहलोत सरकार को निशाने पर लिया और कहा कि जो कुछ उपचुनाव के दौरान हुआ, वह कांग्रेस सरकार के समय जो निर्णय लिए गए उसका आक्रोश था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने बिना सोचे समझे जो जिले बनाए उनसे ग्रामीणों में नाराजगी है।

विचार के क्षेत्र में हमें अभी भी काम करने की जरूरत है : अरूण कुमार

- एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान की ओर से बिरला सभागार में दीनदयाल स्मृति व्याख्यान का आयोजन
- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार ने वर्तमान वैचारिक परिदृश्य एवं चुनौतियां पर चर्चा की

जयपुर। एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान की ओर से बिरला सभागार में दीनदयाल स्मृति व्याख्यान का आयोजन हुआ। जिसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मौजूद रहे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने वर्तमान वैचारिक परिदृश्य एवं चुनौतियां पर चर्चा की। एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान के अध्यक्ष डॉ महेश चंद्र शर्मा, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, उप मुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा, दिया कुमारी, खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह, सिविल लाइन विधायक गोपाल शर्मा, पूर्व जयपुर शहर सांसद रामचरण बोहरा, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

आरएसएस के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार ने संबोधन देते हुए कहा कि दुनिया में सब जगह शक्तियां विद्यमान है। मैं केवल देश के अंदर सीमित रहते हुए अपनी बात रखूंगा। भारत एक ऐसा वर्ष है जो 1000 वर्ष अजय रहा है। इससे पहले भी हमने 1000 वर्ष पहले संघर्ष किया। आज अपने देश की एक मजबूत अर्थव्यवस्था है। कोविड में भी हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत थी। हमारी अर्थव्यवस्था मैन्युप्लेटेड नहीं है। हम गुलामी की मानसिक से मुक्त है।भारत का हर एक युवा सोचता है कि वे किसी न किसी कंपनी का एमडी बने। विचार के क्षेत्र में हमें अभी भी काम करने की जरूरत है। इसीलिए आने वाले समय में तंत्र और समाज के साथ साथ विचार के क्षेत्र में भी काम करना पडेगा। आज का भारत मजबूत भारत है। देश की अर्थव्यवस्था, सैन्य शक्ति मजबूत है। एक बडी उडान भरने क भारत का मन है। भारत की पहचान हिंदुत्व के साथ स्थापित होती जा रही है। गांव से निकला आज शिखर पर है, ये सामाजिक क्रांति है। 75 साल ये अमृत काल है और 25 साल में भारत सूर्य की जैसे चमकेगा। जो भारत को ही नहीं पूरी दुनिया को चमकायेगा। 25 साल में स्वाधीनता से स्वतंत्रता तक जाना होगा। उन्होंने कहा कि

- एकात्म मानव दर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान की ओर से बिरला सभागार में दीनदयाल स्मृति व्याख्यान का आयोजन
- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार ने वर्तमान वैचारिक परिदृश्य एवं चुनौतियां पर चर्चा की

इस्लाम से संघर्ष अलग था, दो राज्यों को बाट देना। मंदिर ध्वस्त, माता बहनो के साथ अत्याचार, लड़की लड़को का व्यापार हमने पहले कभी नहीं देखा था। इस काल खंड में कई लोगो ने समझौते कर लिए। घुघाट, पर्दा, रात में शादी, ये हमारी परम्परा नहीं थी। संस्कृति नष्ट हो गये। राज्य राजा भी हो सकता है, ये विचार ही खत्म हो गया।फिर अंग्रेजी आक्रमण हुआ। वो समझ नहीं पाये की ये मुगल भारत की संस्कृति कैसे खत्म नहीं कर पाये। फिर अंग्रेजो ने अपनी शिक्षा शुरू की। जिसमें सिखाया गया की आपके पिता, दादा मूर्ख है, सही वो है जो टीचर सिखा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पहले जातियां नहीं थी, समुदाय थे। काम करने वाले। उन्होंने थ्योरी दी कि आर्य बाहर से आये। सिर्फ 150 - 200 साल ने अंग्रेजो ने हमें मूल से काट दिया। शक, हुण, कुशाण से राज्य की लड़ाई थी। लेकिन इस्लाम का संघर्ष अलग था। संस्थाएं नष्ट हो गई, विश्वविद्यालय, गुरुकुल खत्म हो गए। हजारों बेटियों को बाजार में बेचा गया। समाज के बीच भय का वातावरण बन गया रुढी और कुरुतियो का शिकार हो गए।पर्दा, घुंघट, भारत की परंपरा नहीं थी। रात का विवाह हमारा नहीं था। फिर नो नेशन नो रिलीजन ये विचार आया। मै देखता हूं कि अब बहन भाई को रखी नहीं बांधती। कहना है कि बहन खुद अपनी रक्षा कर सकती है। आपत्ति दर्ज करें, पर अच्छी बाते के लिए करें। माता पिता से कहते हैं कि आपने अपनी ज़िंदगी जी ली।

एकलव्य की कहानी पहले गुरू शिष्य की थी। कि शिष्य हो तो एकलव्य जैसा। पर अब ये जनजाति के साथ जुड़ गई। ब्रह्मण शिक्षक पर संदेह और एक जनजाति के साथ आन्यय। किसी एक पर आरोप लगाते रहे। जैसे आरएसएस त्रिरंगे का विरोधी है, राष्ट्रीय गान का विरोधी है। ब्रह्मण विरोधी, कैसे भी आरोप लगाते रहें और लगातार बोलते जाये। अब ताकत भी है भारत के विरोधी देश भी इनके साथ है। मुस्लिम विरोधी, किसान आंदोलन, अडानी अम्बानी का नाम् लेना, भ्रम पैदा करते है।

अंग्रेजी शासन आया तो अंग्रेजी शिक्षा चली कहा गया की बंगाल में सब ईसाई हो जाएंगे। पर जो पढे नहीं रामकिशन परमहंस के शिष्यों ने ऐसा कार्य किया की कोई नही बदला, धर्म परिवर्तन नहीं हुआ। स्वदेशी आंदोलन, गर्म नरम कुछ् नहीं था। विदेश से पढकर आये लोगों में विचार नही था। नेहरू ने जब इंग्लिश में बुक लिखी तो गांधी ने कहा कि मुझे खुशी होती अगर ये हिंदी में भगवान राम आधरित राज्य पर होती। तो नेहरू ने कहा था की दुनिया बदल गई है और राम राज्य में मुझे ऐसा कुछ दिखा नहीं, जिसे मै लिखता।

सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए कुछ राजनेता कर रहे हैं अमर्यादित कृत्य : रामलाल शर्मा

जयपुर। भाजपा के पूर्व विधायक और प्रदेश प्रवक्ता रामलाल शर्मा ने आज भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया बाइट के दौरान राजनेताओं द्वारा कार्यपालिका को लेकर दिए जा रहे बयान की निंदा की और इसे अमर्यादित बताते हुए सस्ती लोकप्रियता हासिल करने तथा समाज में अराजकता का माहौल बनाने वाला बताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कुछ नेताओं के बयान और उनके कृत्यों ने राजस्थान की राजनीति को शर्मसार करने का कार्य किया, यह सहन नहीं होगा, प्रदेश की जनता इसे स्वीकार नहीं करेगी।

रामलाल शर्मा ने कहा कि आजादी के समय भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था लागू की गई। इसमें व्यवस्थापिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका बनाई गई लेकिन आज प्रदेश की राजनीति में कुछ राजनेता ऐसा कृत्य कर रहे है जो कानून सम्मत नहीं है, व्यवहारिक नहीं है, नीतिगत नहीं है, नैतिकता के अनुरूप नहीं है और यहां तक की मानवता के अनुरूप भी नहीं है। राजनीति में जनता के मुद्दों पर सरकार का ध्यान आकर्षित करना, जनता के मुद्दों के लिए संघर्ष करना नितांत आवश्यक है ,लेकिन राजनीति मुद्दों के आधार पर अपनी सस्ती लोकप्रियता प्राप्त करना उचित नहीं है। राजस्थान की राजनीति में विगत दिनों में चार घटनाएं ऐसी घटित हुई जो प्रदेश की राजनीति को शर्मसार करती है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि कार्यपालिका के किसी व्यक्ति को सार्वजनिक स्थानों पर लज्जित करना या उसके कार्य में बाधा डालना, बर्दाश्त नहीं होगा। बाडमेर के एक जनप्रतिनिधि ने सार्वजनिक मुद्दों में कानून हाथ में लेते हुए कार्य में बाधा डाली और उसकी रील बनाते हुए उसको सोशल मीडिया पर वायरल करते हुए अधिकारियों का मनोबल डाउन करने का कृत्य किया। वहीं नागौर के एक नेता द्वारा यह कहना कि उसने एक ही मारा, मैं तो तीन-चार थप्पड़ मारता, यह बयान राजस्थान की राजनीति के अनुचित है। इस प्रकार किसी राजनेता को व्यक्तिगत हमले करने का अधिकार कोई नहीं देता। तीसरी घटना देवली उनियारा में हुई जहां एक प्रशासनिक अधिकारी पर हमला करना और उसकी रील बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई। इनकी इस घटना ने समाज के युवाओं को भावना में बहकाकर भड़काने का काम किया और आज समाज का युवा सड़कों पर उतर कर कानून का उल्लंघन कर रहा है। नेता को युवाओं के भविष्य के बारे में सोचना चाहिए कि कानून ने नियमानुसार कार्रवाई की तो उनके साथ क्या होगा। वहीं एक राष्ट्रीय राजनीति से जुड़े हुए राजनेता ने कहा कि जूते की नोंक पर कार्य करवाया जाएगा। इन नेताओं ने इस तरह के बयान जारी कर समाज में वैमनस्यता, द्वेषता पैदा करने के साथ लोगों को गुमराह करके मुद्दे से भड़काने का कार्य किया है।

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता रामलाल शर्मा मंगलवार को प्रेस से रूबरू हुए।

- भाजपा प्रवक्ता रामलाल शर्मा ने राजस्थान की राजनीति को शर्मसार करने वाले नेताओं के कृत्यों की निंदा की

युवा महोत्सव 25 नवम्बर से

जयपुर। राजस्थान सरकार के युवा मामले एवं खेल विभाग राजस्थान युवा बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में ब्लॉक-जिला-संभाग-राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर राज्य युवा महोत्सव का आयोजन किया जावेगा। ब्लॉक स्तर पर इसी माह दिनांक 25 नवम्बर से युवा महोत्सव का आयोजन प्रारम्भ होगा जो 5 दिसम्बर तक चलेगा। जिला स्तर पर 6 दिसंबर से 17 दिसंबर एवं संभाग स्तर पर 18 से 25 दिसम्बर तक युवा महोत्सव आयोजित किया जावेगा।

राजस्थान युवा बोर्ड की और से विकसित भारत, विकसित भारत, विकसित राजस्थान के तहत 'विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं नवाचार' थीम पर राज्य युवा महोत्सव का आयोजन किया जावेगा।

मेजा बांध में बाढ़ से बचाव का मॉक ड्रिल किया

भीलवाड़ा। एनडीआरएफ की टीम ने मंगलवार को मेजा बांध में बाढ़ जैसे हालात में बचाव कार्यों और मॉक अभ्यास का प्रदर्शन किया। इस अभ्यास में कमांडेंट (सीसीडी) 6 वी वाहिनी एनडीआरएफ विकास कुमार के निर्देशानुसार राजस्थान प्रभारी एनडीआरएफ योगेश कुमार मीना के पर्यवेक्षण व निरीक्षक/जीडी विजय सिंह मीना नेतृत्व मे एनडीआरएफ के एफडब्ल्यूआर टीम के साथ बाढ़ से बचाव संबंधित उपकरणों का प्रदर्शन किया।

इस मॉक ड्रिल में अभ्यास की मुख्य बाते बाढ़ जैसे आपातकाल में फंसे लोगों को बचाने के तरीके, बाढ़ में घायल लोगों को स्टेबल करना तथा इसमें फंसे लोगों को राहत पहुंचाना और बचाव करना था। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारियों ने एनडीआरएफ की टीम द्वारा किए गए प्रदर्शन की प्रशंसा की। जिला कलक्टर नमित मेहता तथा एडीएम प्रशासन ओमप्रकाश मेहरा के निर्देशानुसार एनडीआरएफ की टीम ने बाढ़ आधारित आपातकाल जैसे हालात होने पर किये जा सकने वाले बचाव और राहत कार्यों और भविष्य में इस प्रकार की आपदाओं की परिस्थिति में नागरिक और प्रशासन के साथ मिलकर किस प्रकार बाढ़ के संकटकालीन स्थिति से किस प्रकार निपटे इन तैयारियों की जानकारी दी गई। इस दौरान एनडीआरएफ ने बाढ़ से बचाव के लिए घरेलू तरीकों से बनाए गए उपचारों को भी बताया गया। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी माण्डल सीएल शर्मा, तहसीलदार माण्डल भंवरलाल सेन, जल संसाधन विभाग के एक्सईन सीएल कोली, मेजा सरपंच छोटू सिंह, फायर अधिकारी, चिकित्सा टीम, पीडब्ल्यूडी सहित एनडीआरएफ, सिविल डिफेंस और अन्य स्थानीय अधिकारी, एजेंसियों के अधिकारी शामिल थे। गौरतलब है कि गृह मंत्रालय, भारत सरकार एवं आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग राजस्थान सरकार के निर्देशों के क्रम में राष्ट्रीय आपदा प्रतिसाद दल (एनडीआरएफ -06 बटालियन, बडोदरा, गुजरात) द्वारा 18 नवम्बर 2024 से 02 दिसम्बर 2024 तक जिले में बाढ़ विषय पर मॉक ड्रिल, जिला परिचय एवं आम जन में आपदाओं के प्रति जन-जागरूकता फैलाने में लिए विभिन्न गतिविधियां और कार्यक्रम आयोजित की जा रही है। 2 दिसंबर तक चलने वाले इस अभियान के अन्तर्गत बुधवार 20 नवंबर को नगर निगम में आपदाओं के विषय में जनजागरूकता लाई जाएगी। 21 नवंबर को भीलवाड़ा जिला दुग्ध उत्पादक संघ लि. (भीलवाड़ा डेयरी), 22 नवंबर को रीको कार्यालय में औद्योगिक प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधियों में जागरूकता लाई जाएगी।

एनडीआरएफ की टीम ने मंगलवार को मेजा बांध में बाढ़ जैसे हालात में बचाव कार्यों और मॉक अभ्यास का प्रदर्शन किया।

- बाढ़ जैसे आपातकाल में फंसे लोगों को बचाने के तरीके सीखाएं

अभिनेता असरानी 23 को अजमेर में

अजमेर, (कासं)। अजमेर के आजाद पार्क में 23 नवंबर को शाम 6:30 बजे से 5वां सिंधी मेला आयोजित होगा। मेले में जाने.माने लोकप्रिय अभिनेता असरानी आएंगे। लाफ्टर फेम जूनियर हेमामालिनी सीमा मोटवानी भी मुंबई से खासतौर से मेले में शिरकत करने आ रही हैं। सिंधी संगीत समिति के प्रतिनिधियों के अनुसार कोरानाकाल के चलते मेला आयोजन लंबे अरसे तक नहीं हुआ। इस बार भव्यता के साथ आयोजन की तैयारी की जा रही है। मेले में कढ़ी-चावल, दाल पकवान, बेड छोला, पकोड़े सहित अन्य तरह के सिंधी व्यंजनों की स्टॉल लगेंगे। सिंधी गीत-संगीत से जुड़े विविध आयोजन भी होंगे। मंच पर असरानी और सीमा मोटवानी रंगारंग प्रस्तुति आकर्षण का खास केंद्र होगी। उल्लेखनीय है कि आयोजन संस्था सिंधी संगीत समिति के संरक्षक विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और अध्यक्ष रमेश चेलानी हैं। बाजारों में सिंधी समाज के लोगों को मेले के लिए निशुल्क कूपन वितरित किए गए हैं। इन कूपन से स्टॉल्स पर खाने-पीने की चीजें खरीदी जा सकेंगी। मेले में कूपन से लेनदेन होगाए ताकि व्यवस्था बनी रहे। इस मेले में समाज के हजारों लोगों के शामिल होने का अनुमान है। मेले में बच्चों और बड़ों के लिए आकर्षक झूलों की भी व्यवस्था की गई है।

पत्रकारों की सुरक्षा की मांग

- जिला कलेक्टर लोक बंधु को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

अजमेर, (कासं)। इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स आईएफडब्ल्यूजे ने अजमेर जिला कलेक्टर लोक बंधु को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में पत्रकारों की सुरक्षा की मांग की गई है। ज्ञापन हाल ही में टोंक जिले के अलीगढ़ गांव में कवरेज के दौरान पत्रकार और कैमरा मेन पर हुए जानलेवा हमले की निंदा करते हुए सौंपा गया है।

आईएफडब्ल्यूजे के जिला अध्यक्ष शुभम जैन ने में बताया कि राज्य में पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार को कदम उठाए जाने चाहिए। पिछले दिनों अलीगढ़ गांव में सडक अवरोध कर प्रदर्शन कर रहे लोगों द्वारा पत्रकारों पर हमला किया गयाए जो निंदनीय है। संगठन ने मांग की है कि राज्य में पत्रकारों की सुरक्षा के लिए विशेष कानून लागू किया जाए। पत्रकारों का कहना है कि उन पर हमले की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं और ऐसे में उनकी सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। ज्ञापन में आईएफडब्ल्यूजे ने कहा कि पिछले आठ वर्षों से संगठन पत्रकार सुरक्षा कानून लागू कराने की मांग कर रहा है। इसके लिए संगठन द्वारा कई बार सरकार से संपर्क किया गया है। विगत सरकार के समय भी पत्रकारों ने दो बार विधानसभा का घेराव कर अपनी मांगों को प्रमुखता से रखा थाए लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

जनसुनवाई की

अंराई, (निसं)। जिला परिषद एवं हस्तानान्तरित विभागों के अधिकारीगण की मौजूदगी में प्रत्येक मंगलवार को जिला परिषद में जनसुनवाई करती है और परिवेदनाओं का निस्तारण करती है। जिला प्रमुख सुशील कंवर पलाडा द्वारा इसको व्यापक रूप प्रदान कर जनसुनवाई वीडियों कान्फ्रेन्सिग के माध्यम से पहले पंचायत स्तर पर इसके उपरान्त ग्राम पंचायत स्तर पर करना प्रारम्भ किया गया। इसी क्रम में 19 नवम्बर को जिला प्रमुख द्वारा जनसुनवाई का आयोजन अंराई पंचायत समिति स्तर पर किये जाने का निर्णय लिया गया, जनसुनवाई का पंचायत समिति स्तर पर किये जाने का उद्धेश्य ग्रामीणजन की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण एवं योजनाओं का प्रत्यक्ष एवं परोक्ष लाभ प्रदान करना है। कार्यक्रम की शुरूआत जिला प्रमुख सुशील कंवर पलाडा, भाजपा नेता भंवर सिंह पलाडा एवं किशनगढ विधायक विकास चौधरी ने दीप प्रज्ज्वलित कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

भंवर सिंह पंवार राजपत्रित अधिकारी संघ के निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग के राजपत्रित अधिकारी संघ के अध्यक्ष पद पर भंवर सिंह पंवार निर्विरोध निर्वाचित हुए।

निर्वाचन अधिकारी जगदीश रामचंदानी ने बताया कि राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर राजपत्रित अधिकारी संघ के अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए आवेदन अवधि 18 नवम्बर.2024 से 19 नवम्बर 2024 को दोपहर 12:00 बजे तक केवल भंवर सिंह पंवार, उप सचिव का आवेदन-पत्र प्राप्त हुआ जिसे परीक्षण उपरांत वैध पाया गया। किसी अन्य का आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होने के फलस्वरूप पंवार को निर्विरोध राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर राजपत्रित अधिकारी संघ का अध्यक्ष घोषित किया गया है। इस अवसर पर राजपत्रित अधिकारी संघ के पूर्व अध्यक्ष दयाकर शर्मा, मंत्रालयिक कर्मचारी संघ अध्यक्ष प्रवीण मीणा, दिनेश सिंगोदिया, संजय गुप्ता, नमन शर्मा सहित सभी कार्मिकों ने पंवार का माला पहनाकर सम्मान किया।

राजस्थान लोक सेवा आयोग के राजपत्रित अधिकारी संघ के अध्यक्ष पद पर भंवर सिंह पंवार निर्विरोध निर्वाचित हुए।

मुख्यमंत्री से पत्रकार सुरक्षा कानून बनाने की मांग

भीलवाड़ा। राजस्थान उपचुनाव के दौरान देवली उनियारा में हुए थप्पड़ कांड के बाद टोंक जिले के अलीगढ़ गांव में सड़क अवरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों ने कवरेज करने गए पीटीआई संवाददाता अजीत सिंह शेखावत एवं कैमरामैन धर्मेंद्र कुमार पर जानलेवा हमला किया और उनके वाहन तथा कवरेज उपकरण तोड़ दिए , इस घटना को लेकर स्थानीय पत्रकार संगठन भीलवाड़ा प्रेस सोसाइटी (रजि.), जिला पत्रकार संघ, जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ़ राजस्थान जार की भीलवाड़ा इकाई तथा इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट राजस्थान की भीलवाड़ा इकाई के प्रमुख पदाधिकारियों ने आज मंगलवार को राज्य के मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर नमित मेहता को ज्ञापन दिया। भीलवाड़ा जिला मुख्यालय पर क्रियाशील उक्त चारों पत्रकार संगठनों के प्रमुख पदाधिकारियों द्वारा दिए गए ज्ञापन में उक्त घटना की कड़े शब्दों में निंदा की।

सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ फोटो पोस्ट करने वाली युवती गिरफ्तार

अजमेर, (कासं)। सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ फोटो पोस्ट कर लेडी डॉन के नाम से फेमस होने की चाह रखनेवाली युवती को आज अजमेर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अजमेर की रहने वाली शिवानी सैनी ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर हथियारों और कारतूसो के साथ फोटो पोस्ट की थी। इसके बाद अजमेर पुलिस हरकत में आई और शिवानी को गिरफ्तार कर लिया गया।

अजमेर एडिशनल एसपी सिटी हिमांशु जांगिड ने बताया की जिला पुलिस की सोशल मीडिया अकाउंट हैंडल करने वाली टीम ने संदिग्ध पोस्ट को देखा तो इसके बारे में उच्च अधिकारियों को अवगत कराया। सिविल लाइन थाना पुलिस ने उसके घर दबिश देकर हिरासत में लेकर उसे पूछताछ के लिए थाने ले आई।

हिमांशु जांगिड़ ने बताया कि सोशल मीडिया सेल टीम प्रत्येक गतिविधियों पर नजर रखे हुए हैं। टीम को शिवानी सैनी के सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ घंटे पहले जारी की गई पोस्ट नजर आई।

उसने एक स्टोरी पोस्ट की, जिसमें युवती ने हथियारों एवं कारतूस के एस लिखी पोस्ट वायरल की। इतना ही नहीं उसने अपनी प्रोफाइल में लेडी डॉन लिखा है। युवती ने गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई का कवर फोटो लगाकर रील को अपलोड किया है। उल्लेखनीय है कि दस माह पहले भी क्रिश्चयनगंज थाना पुलिस ने आनासागर चौपाटी पर हथियारों के साथ रील बनाने पर गिरफ्तार किया था। इस वीडियो में भी उसने गैंगस्टर लिखा हुआ था।

पत्रकारो पर हमले की निंदा, गिरप्तार करने की मांग

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। पिछले दिनों देवली उनियारा में कवरेज करने के दौरान कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा पत्रकारों पर जानलेवा हमला कर कैमरे जलाने के विरोध स्वरूप आईएफडब्ल्यूजे ने उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर दोषियों को गिरप्तार करने की मांग की है। अध्यक्ष इंद्रजीत उबाना के नेतृत्व में उपखण्ड अधिकारी निशा सहारण को सौंपे गये ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया की पीटीआई संवाददाता अजितसिंह शेखावत व कैमरामैन धर्मेंद्र पर जानलेवा हमले में गंभीर रूप से घायल हो गये। इनके कैमरे और माइक तोड दिए गए। शिष्टमण्डल में अध्यक्ष इंद्रजीत उबाना, पत्रकार सर्वेश्वर शर्मा, प्रकाश जांगिड़, रोहित पारीक, सतपाल सिंह मकराना, पदम कोठारी, विमल गौड़, पिंटू टेलर, अर्पित काबरा, कपिल शर्मा, निर्मल सोनी, नितिन राठी सहित कई पत्रकार मौजूद रहे।

साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित

भीलवाड़ा। जिला कलक्टर नमित मेहता की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में साप्ताहिक समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई जिसमें उन्होंने विभागीय योजनाओं व सम्पर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा करते हुए औसत निस्तारण समय को कम करने तथा परिवादों के संतुष्टिपूर्ण समाधान के निर्देश दिए।

जिला कलक्टर नमित मेहता ने कहा कि सम्पर्क पोर्टल पर 6 माह से अधिक प्रकरणों, सीएमओ सहित उच्च स्तर से प्राप्त परिवेदनाओं का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कर आमजन को राहत प्रदान करें। उन्होंने अधिकारियों को प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने तथा समस्या निस्तारण के उपरांत परिवादी से वार्ता कर समाधान करवाने की बात कही। उन्होंने स्थानीय नगरीय निकाय, बिजली समेत अन्य विभागों को विशेष मॉनिटरिंग करते हुए परिवादों को सुचारू ढंग से निस्तारित करने के निर्देश दिए। बैठक में एडीएम प्रशासन ओमप्रकाश मेहरा ने मौसमी बीमारियों की रोकथाम व उपचार आदि के संबंध में जानकारी लेते हुए रोगियों को समुचित इलाज मुहैया करवाने तथा प्रभावी निगरानी के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने बजट घोषणाओं का त्वरित क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए।

आग से चारा जला

सरवाड़, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम कुरथल गांव में दो बाड़े में रखे चारे में भीषण आग लग गई जिसे गांव में अफरा तफरी मच गई ग्रामीणों ने अपने प्रयासों से आग बुझाने का प्रयास किया मगर आग विकाल रूप धार कर लिया मगर आग तेजी से फैल गई ग्रामीणों की सूचना पर वहीं अलग-अलग जगह से सूचना दमकल गाड़ियां पहुंची काफी प्रयासों के बाद आग पर काबू पाय गया।

आम सूचना

मेरी माता श्रीमति बरजी पत्नि भूरा जाति माली निवासी ग्राम गोठियाना की मृत्यु दिनांक 06/09/1968 को मेरे निवास स्थान पर ग्राम गोठियाना में हो गई थी। जिसका पूर्व में इन्द्राज ग्राम पंचायत गोठियाना में नहीं करवाया था। अब मैं मेरी माता श्रीमति बरजी का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए अराई तहसील कार्यालय में आवेदन किया है। मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो 7 दिन में मय दस्तावेज के साथ अराई तहसीलदार के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद मियाद कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।

प्रार्थी-रामलाल पुत्र भूरा माली निवासी गोठियाना तह. अराई (अजमेर)

भूख हड़ताल पर बैठे पूर्व सचिव

अजमेर, (कासं)। अजमेर जिला बार एसोसिएशन के चुनाव कराने को लेकर वकीलों में खींचतान तेज हो गई है। एक गुट ने इस मुद्दे पर बार के पूर्व सचिव जितेंद्र खेतावत ने मंगलवार से भूख हड़ताल शुरू कर दी है। खेतावत ने जल्द चुनाव नहीं करवाने पर अन्न त्याग की चेतावनी दी है।

जितेंद्र खेतावत ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय और हाई कोर्ट ने आदेश जारी किए हैं कि प्रदेश में वन बार वन वोट के तहत चुनाव हों। इस सुनवाई में स्टेट बार काउंसिल भी पक्षकार थी। खेतावत का कहना है कि तत्कालीन बार अध्यक्ष नरेंद्र सिंह राठौड़ ने अपने सात माह के अल्प कार्यकाल में ही तय समय पर चुनाव करवाए थे। उन्होंने कहा कि आठ दिसंबर को बार के चुनाव प्रस्तावित हैं, लेकिन अजमेर बार एसोसिएशन ने अब तक इसकी घोषणा नहीं की है।

खेतावत ने कहा कि 13 दिसंबर को चुनाव होने हैं और प्रदेश की 275 बार एसोसिएशन चुनाव के लिए तैयार हैं, लेकिन अजमेर बार एसोसिएशन ने अभी तक अपनी स्थिति स्पष्ट नहीं की है। चुनाव की घोषणा में हो रही देरी से वकीलों में नाराजगी बढ़ रही है और चुनाव को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

बार के पूर्व सचिव का कहना है कि चुनाव का समय नजदीक आने के बावजूद बार एसोसिएशन की निष्क्रियता समझ से परे है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत समय पर चुनाव होना आवश्यक है ताकि बार एसोसिएशन की गतिविधियों में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनी रहे।

खेतावत की भूख हड़ताल के समर्थन में अन्य वकीलों ने भी एकजुटता दिखाई है। वकीलों का कहना है कि समय पर चुनाव होना चाहिए और बार एसोसिएशन को इस दिशा में त्वरित कदम उठाने चाहिए। उन्होंने बार के वर्तमान नेतृत्व से मांग की है कि वे जल्द से जल्द चुनाव की घोषणा करें और इसे समय पर संपन्न करवाएं। वकीलों का कहना है कि चुनाव में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए उच्चतम न्यायालय और हाई कोर्ट के आदेशों का पालन करना आवश्यक है। वकीलों ने चेतावनी दी है कि अगर समय पर चुनाव नहीं करवाए गए तो वे आंदोलन को तेज करेंगे।

भूख हड़ताल पर बैठे वकील।

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी/अन्तरिति की मृत्यु पर उत्तराधिकारी के पक्ष में संयुक्त नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की राजस्व ग्राम माकड़वाली योजना के आवासीय भूखण्ड संख्या A-135 खसरा नं. 2781 से 2784 व अन्य खसरा क्षेत्रफल 136.48 वर्गगज के आवंटी/अन्तरिति सुशील सचदेवा पुत्र के.एल सचदेवा व वंदना सचदेवा पत्नि सुशील सचदेवा निवासी A/25 विश्वा अर्पाटमेंट सेक्टर 9 रोहिनी नोर्थ वेस्ट दिल्ली की मृत्यु दिनांक 16/01/2023 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा रिपोर्ट सलंग्न कर मृतक के वारिसों क्रमश (1) वंदना सचदेवा पत्नि स्व. सुशील सचदेवा (2) क्षितिज सचदेवा पुत्र स्व सुशील सचदेवा निवासी A/25 विश्वा अर्पाटमेंट सेक्टर 9 रोहिनी नोर्थ वेस्ट दिल्ली द्वारा नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया हे उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावे उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपति स्वीकार योग्य नही होगी व आवेदको के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी। योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

लोक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री महेश अग्रवाल पुत्र स्व. श्री राधेश्याम अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी मनं. 1/1921 न्यू कायस्थ कॉलोनी, अजमेर की ग्राम लोहागल के भूखंड स. 325 वर्किंग खसरा नम्बर 1006, 1008 एवं 1009 मे क्षेत्रफल 200 वर्गगज के भूखण्ड की पत्रावली नियमन हेतु प्रक्रियाधीन है। उक्त भूखण्ड खातेदार चन्दगीराम चौधरी सुपुत्र स्व. श्री सुरजाराम चौधरी से जरिये मुख्तयार आम 1 श्रीमती शशीकान्ता जैन पत्नी श्री कमलचन्द जैन, 2. श्री उदयसिंह पुत्र श्री लुम्बराज, 3. श्री बन्ना पुत्र स्व. श्री हीरा जी से श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी श्री जसवंत सिंह मालवीया ने जरिये पंजीबद्ध विक्रयपत्र द्वारा खरीदा इससे जरिये पंजीबद्ध विक्रयपत्र दिनांक 11.05.2024 को आवेदक को प्राप्त हुआ। उक्त नियमन के संबंध में दैनिक समाचार पत्र मे विज्ञप्ति जारी कर 7 दिवस की आपत्ति आमंत्रित की जाती है। अत: किसी भी हितबद्धधारी को इस नियमन के संबंध मे आपति हो तो आम सूचना के 7 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा नियमन कार्यवाही कर दी जायेगी। (उपायुक्त उत्तर) अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय ग्राम पंचायत लोडियाना पंचायत समिति मसूदा ब्यावर

क्रमांक:-ग्रापलो/लेखा/निर्माण/2024/62 दिनांक- 19.11.2024

ई-निविदा सूचना

ग्राम पंचायत लोडियाना पंचायत समिति मसूदा के निर्माण कार्य हेतु ई - निविदा आमंत्रित कि जाती है। अनुमानित लागत 21.00 लाख रू धरोहर राशि 42000/-, फार्म शुल्क 500/-, (प्रति कापी) टेण्डर प्रोसेसिंग शुल्क 500/- (प्रति कापी) राशि ग्राम पंचायत के खाते मे सीधे आरटीजीएस/ ऑनलाईन के माध्यम से दिनांक 30.11.2024 करानी होगी। निविदा दिनांक 02.12.2024 को पंचायत समिति मसूदा के ई-प्रकोष्ठ में खोली जावेगी। विस्तृत शर्ते निविदा फार्म उल्लेखित है। http://sppp.rajasthan.gov.in व eproc.rajasthan.gov.in PAE2425WSOB000008 प्राप्त की जा सकती है।

सरपंच ग्राम पंचायत लोडियाना पंचायत समिति मसूदा (अजमेर)

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

लोक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री मनीष माहेश्वरी पुत्र श्री बाल किशन माहेश्वरी जाति माहेश्वरी निवासी म.नं. 10, नवग्रह कॉलोनी, पुष्कर रोड, अजमेर की ग्राम लोहागल के भूखंड सं. 326 वर्किंग खसरा नम्बर 1006, एवं 1008 मे क्षेत्रफल 200 वर्गगज के भूखण्ड की पत्रावली नियमन हेतु प्रक्रियाधीन है। उक्त भूखण्ड खातेदार चन्दगीराम चौधरी सुपुत्र स्व. श्री सुरजाराम चौधरी से जरिये मुख्तयार आम 1. श्रीमती शशीकान्ता जैन पत्नी श्री कमलचन्द जैन, 2. श्री बन्ना पुत्र स्व. श्री हीरा जी से श्री रतन सिंह चौहान श्री भंवर लाल चौहान ने जरिये पंजीबद्ध विक्रयपत्र द्वारा खरीदा, जिनसे श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी श्री जसवंत सिंह मालवीया ने जरिये पंजीबद्ध विक्रयपत्र द्वारा खरीद इससे जरिये पंजीबद्ध विक्रयपत्र दिनांक 11.05.2024 को आवेदक को प्राप्त हुआ। उक्त नियमन के संबंध में दैनिक समाचार पत्र मे विज्ञप्ति जारी कर 7 दिवस की आपत्ति आमंत्रित की जाती है। अत: किसी भी हितबद्धधारी को इस नियमन के संबंध मे आपति हो तो आम सूचना के 7 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा नियमन कार्यवाही कर दी जायेगी। (उपायुक्त उत्तर) अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

लोक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री महेश अग्रवाल पुत्र स्व. श्री राधेश्याम अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी म.नं. 1/1921 न्यू कायस्थ कॉलोनी अजमेर की ग्राम लोहागल के भूखंड सं. 336 वर्किंग खसरा नम्बर 1009 एवं 1013 मे क्षेत्रफल 200 वर्गगज के भूखण्ड की पत्रावली नियमन हेतु प्रक्रियाधीन है। उक्त भूखण्ड खातेदार चन्दगीराम चौधरी सुपुत्र स्व. श्री सुरजाराम चौधरी से जरिये मुख्तयार आम 1. श्री उदयसिंह पुत्र श्री लुम्बराज 2. श्री नरेन्द्र सुख शर्मा पुत्र रामसुख शर्मा से श्री गोपाल सिंह चौहान श्री भंवर लाल चौहान ने जरिये पंजीबद्ध विक्रयपत्र द्वारा खरीदा, जिनसे श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी श्री जसवंत सिंह मालवीया ने जरिये पंजीबद्ध विक्रयपत्र द्वारा खरीदा इससे जरिये पंजीबद्ध विक्रयपत्र दिनांक 11.05.2024 को आवेदक को प्राप्त हुआ। उक्त नियमन के संबंध में दैनिक समाचार पत्र मे विज्ञप्ति जारी कर 7 दिवस की आपत्ति आमंत्रित की जाती है। अत: किसी भी हितबद्धधारी को इस नियमन के संबंध मे आपति हो तो आम सूचना के 7 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा नियमन कार्यवाही कर दी जायेगी। (उपायुक्त उत्तर) अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

लोक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री मनीष माहेश्वरी पुत्र श्री बाल किशन माहेश्वरी जाति माहेश्वरी निवासी म.नं. 10 नवग्रह कॉलोनी, पुष्कर रोड, अजमेर की ग्राम लोहागल के भूखंड सं. 335 वर्किंग खसरा नम्बर 1008, 1009 एवं 1013 मे क्षेत्रफल 200 वर्गगज के भूखण्ड की पत्रावली नियमन हेतु प्रक्रियाधीन है। उक्त भूखण्ड खातेदार चन्दगीराम चौधरी सुपुत्र स्व. श्री सुरजाराम चौधरी से जरिये मुख्तयार आम 1. श्रीमती शशीकान्ता जैन पत्नी श्री कमलचन्द जैन, 2. श्री उदयसिंह पुत्र श्री लुम्बराज, 3. श्री नरेन्द्र सुख शर्मा श्री पुत्र रामसुख शर्मा से श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी श्री जसवंत सिंह मालवीया ने जरिये पंजीबद्ध विक्रयपत्र द्वारा खरीदा इससे जरिये पंजीबद्ध विक्रयपत्र दिनांक 11.05.2024 को आवेदक को प्राप्त हुआ। उक्त नियमन के संबंध में दैनिक समाचार पत्र मे विज्ञप्ति जारी कर 7 दिवस की आपत्ति आमंत्रित की जाती है। अत: किसी भी हितबद्धधारी को इस नियमन के संबंध मे आपति हो तो आम सूचना के 7 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा नियमन कार्यवाही कर दी जायेगी। (उपायुक्त उत्तर) अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

लोक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति राजन पत्नि श्री गजाधर सिंह जाति जाटव निवासी म.नं. 501/31, जवाहर की नाडी, अजमेर की ग्राम थोक मालियान द्वितीय के वर्किंग खसरा नम्बर 6690 में क्षेत्रफल 252 वर्गगज के भूखण्ड की पत्रावली नियमन हेतु प्रक्रियाधीन है। उक्त भूखण्ड खातेदार किशनलाल सुपुत्र श्री बालूराम से जरिये मुख्तयार आम श्री अब्दुल रहीम पुत्र श्री अब्दुल मजीद इससे जरिये पंजीबद्ध विक्रयपत्र दिनांक 08.06.2004 को आवेदक को प्राप्त हुआ। उक्त नियमन के संबंध में दैनिक समाचार पत्र मे विज्ञप्ति जारी कर 7 दिवस की आपत्ति आमंत्रित की जाती है। अत: किसी भी हितबद्धधारी को इस नियमन के संबंध में आपत्ति हो तो आम सूचना के 7 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा नियमन कार्यवाही कर दी जायेगी।

(उपायुक्त दक्षिण) अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय नगर परिषद किशनगढ़ (अजमेर) राज.

क्रमांक/न.प.कि/PWC/2024/474 दिनांक: 19-11-2024

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती संतोष कवंर पुत्री श्री सुमेर सिंह के द्वारा राजस्व ग्राम मदनगंज, भुखण्ड संख्या ई-10, वाकै आई.डी.एस.एम.टी. फेज द्वितीय मदनगंज किशनगढ क्षेत्रफल 138.88 वर्गगज पर आवासीय भवन निर्माण स्वीकृति चाहने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसकी सीमाऐ निम्न प्रकार से है -

पूर्व में - भूखण्ड सं. ई- 09 पश्चिम में - भूखण्ड सं. ई- 11

उत्तर में - पार्क दक्षिण में - 12 मीटर चौडा रास्ता

अत: उक्त प्रकरण में किसी भी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति / एतराज हो तो आपत्ति सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर नगर परिषद कार्यालय में लिखित में आपत्ति पेश करे बाद मियाद किसी प्रकार की आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी। प्रभारी नगर परिषद, किशनगढ़

कार्यालय नगर परिषद किशनगढ़ (अजमेर) राज.

क्रमांक/न.प.कि/PWC BPAS-2172/2024/7B दिनांक: 19-11-2024

आम सूचना

सर्व साधारण सूचित किया जाता है कि श्री मुकेश कुमार टेलर पुत्र श्री नाथू लाल टेलर के द्वारा राजस्व ग्राम मदनगंज, भूखण्ड सं.-खसरा सं. 706, 707, 708 क्षेत्रफल 161.87 वर्गगज, वाकै डंटडा रोड कृष्णापुरी मदनगंज किशनगढ पर आवासीय भवन निर्माण स्वीकृति चाहने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसकी सीमाऐ निम्न प्रकार से है -

पूर्व में - आदित्य मिल की दीवार पश्चिम में - 20.0 फीट का रास्ता

उत्तर में - श्री किशनलाल जाट का मकान दक्षिण में - श्री जगदीश जागिंड का मकान

अत: उक्त प्रकरण में किसी भी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति / एतराज हो तो आपत्ति सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर नगर परिषद कार्यालय में लिखित में आपत्ति पेश करे बाद मियाद किसी प्रकार की आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी। प्रभारी नगर परिषद, किशनगढ़

कार्यालय नगर परिषद किशनगढ़ (अजमेर) राज.

क्रमांक/न.प.कि/PWC/2024/476 दिनांक: 19-11-2024

आम सूचना

सर्व साधारण सूचित किया जाता है कि श्रीमती भंवरी देवी पत्नि श्री श्योजी राम द्वारा राजस्व ग्राम किशनगढ बी, खसरा सं. 960, क्षेत्रफल 277.77 वर्गगज, वाकै सेन्ट मार्क स्कूल के पास सुमेर नगर राजा रेड्डी मदनगंज किशनगढ़ पर आवासीय भवन निर्माण स्वीकृति चाहने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसकी सीमाऐ निम्न प्रकार से है -

पूर्व में - स्वामित्व की भूमि पश्चिम में - श्री रामेश्वरलाल का मकान

उत्तर में - 13'.6'' फीट रोड दक्षिण में - श्री चैन सुख एवं श्री भंवर लाल का मकान

अत: उक्त प्रकरण में किसी भी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति / एतराज हो तो आपत्ति सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर नगर परिषद कार्यालय में लिखित में आपत्ति पेश करे बाद मियाद किसी प्रकार की आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी। प्रभारी नगर परिषद, किशनगढ़

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

न.नि.अ/24-25/भवन/610 दिनांक: 19-11-24

आपत्ति सूचना

श्रीमती सरोज राठौड़ पत्नी श्री गंगा सिंह राठौड़ व पुत्री श्री हनुमान सिंह शेखावत निवासी अम्बिका विहार कॉलोनी माकड़वाली रोड अजमेर हाल निवासी 01 माकड़वाली रोड बलदेव नगर दैनिक भास्कर ऑफिस के पास अजमेर द्वारा एक सम्पति जो खसरा नं. 2289 का एक भाग है जो वाकै राजस्व ग्राम चौरसियावास थोक तेलियान अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 338.67 वर्गमीटर है भूमि के मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यावसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाऐं निम्नानसार हैं।

पूर्व - रोड पश्चिम - नाला

उत्तर - श्रीमती सरोज राठौड़ का मकान दक्षिण - रोड

अत: जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपति पर विचार नहीं किया जायेगा। उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

न.नि.अ/24-25/भवन/614 दिनांक: 19-11-24

आपत्ति सूचना

श्री गोरधन तिलोकचन्दानी पुत्र स्व. श्री चन्दनमल तिलोकचन्दानी निवासीगण मातृछाया मयूरं कॉलोनी ए सेवा मंदिर के पास अलवर गेट, अजमेर द्वारा एक भूखण्ड जो ए.एम.सी. 111/17, 346/37 का पश्चिमी भाग ए जो वाकै मून्दडी मौहल्ला अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 187.48 वर्गमीटर है भूमि के मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यावसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाऐं निम्नानसार हैं।

पूर्व - आम रास्ता पश्चिम - सम्पति का शेष भाग व अन्य की सम्पति

उत्तर - सम्पति श्री मोती माली की सम्पति दक्षिण - सडक आम मून्दडी मौहल्ला से घी मण्डी को जाती हुई

अत: जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपति पर विचार नहीं किया जायेगा। उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

न.नि.अ/24-25/भवन/613 दिनांक: 19-11-24

आपत्ति सूचना

श्री शम्मी तिलोकचन्दानी पुत्र श्री गोरधन तिलोकचन्दानी, श्री गोरधन तिलोकचन्दानी पुत्र स्व. श्री चन्दनमल तिलोकचन्दानी निवासीगण मातृछाया मयूर कॉलोनी ए सेवा मंदिर के पास अलवर गेट, अजमेर द्वारा एक भूखण्ड जो ए.एम.सी. 111/17, 346/37 का पश्चिमी भाग बी जो वाकै मून्दडी मौहल्ला अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 179.39 वर्गमीटर है भूमि के मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यावसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाऐं निम्नानसार हैं।

पूर्व - सम्पति का शेष भाग पारेशन ए पश्चिम - सम्पति श्री मनोज हरपलानी की

उत्तर - सम्पति श्री जेठानन्द व मोती माली दक्षिण - अन्य की सम्पति

अत: जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपति पर विचार नहीं किया जायेगा। उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

न.नि.अ/24-25/भवन/615 दिनांक: 19-11-24

आपत्ति सूचना

श्री जगदीश गुरदासानी पुत्र स्व. श्री श्यामदास गुरदासानी निवासी म.नं. 40 संतलीलाशाह सिन्धी कॉलोनी धोलाभाटा अजमेर श्री जय प्रकाश करमवानी पुत्री प्रहलाद करमवानी निवासी म.नं. 7 चौधरी कॉलोनी पेट्रोल पम्प के पीछे वैशाली नगर अजमेर एवं श्री नवीन नियालचन्द पंजाबी पुत्र श्री नियालचन्द झामनदास पंजाबी निवासी म.नं. डी 304 नील सिद्वी अटलांटिस प्लॉट नं. 49/1 सेक्टर 19ए नेरूल (ईस्ट) नवी मुम्बई द्वारा एक भूखण्ड ए.एम.सी. 19/447 अंकित जो वाकै आगरा गेट बाहर अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 334.44 वर्गमीटर है, भूमि के मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यावसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाऐं निम्नानसार हैं।

पूर्व - जायदाद धन्न लाल रामेश्वर लाल पश्चिम वगैरह पश्चिम - आम सड़क आगरा गेट से सुभाष बाग

उत्तर - श्री हेमचन्द सोगानी एडवोकेट के वारिसान की जायदाद दक्षिण - श्री बिरदी चन्द रतन लाल अग्रवाल की

अत: जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपति पर विचार नहीं किया जायेगा। उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी जोन पुष्कर अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

क्रमांक: LU2012/ADA/2024-25/101313 दिनांक- 18/11/2024

लोक सूचना

श्री RAVI PRAKASH SHARMA पुत्र श्री GOPAL KRISHAN जाति OBC निवासी SEWAGO KA MOHALLA MERTA, MERTA NAGAUR, श्री SHYAM PRAKASH SHARMA पुत्र श्री GOPAL KRISHAN जाति OBC निवासी SEWAGO KA MOHALLA MERTA, MERTA NAGAUR ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का पर्यटन ईकाई प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात्

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्गमीटर)	क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1.	गनाहेडा, पुष्कर (अजमेर)	RAVI PRAKASH SHARMA S/O GOPAL KRISHN SHARMA, SHYAM PRAKASH SHARMA S/O GOPAL KRISHN SHARMA	3150/85	2800	0.28
2.	गनाहेडा, पुष्कर (अजमेर)	RAVI PRAKASH SHARMA S/O GOPAL KRISHN SHARMA, SHYAM PRAKASH SHARMA S/O GOPAL KRISHN SHARMA	3153/86	568	0.0568
				कुल	0.28

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क औरा राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 07 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकान पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते हैं। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 18/11/2024 को जारी की गयी। प्राधिकृत अधिकारी, जोन पुष्कर अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

टीम को घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड से मिली अभूतपूर्व हार को पीछे छोड़ने के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों में अच्छी शुरुआत करने की जरूरत है। - रवि शास्त्री

पूर्व मुख्य भारतीय कोच, भारतीय क्रिकेट टीम को सलाह देते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

ऋचा घोष

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच दिसंबर से ब्रेसबन में शुरु होने वाली तीन दिवसीय मैचों की श्रृंखला के लिए घोषित 16 सदस्यीय भारतीय महिला टीम में ऋचा घोष की वापसी हुई हैं वहीं शेफाली वर्मा को बाहर रखा गया है। चयनकर्ताओं ने शेफाली वर्मा के अलावा न्यूजीलैंड के खिलाफ चोट के कारण भारतीय टीम से बाहर रहने वालीं आशा शोभना, पूजा वस्त्रकर, श्रेयंका पाटिल, दयालन हेमलता, सयाली सतघरे और उमा छेत्री को भी टीम में जगह नहीं मिली हैं।

क्या आप जानते हैं ?... जिम्बाब्वे के तातेन्द्र तेबु ने मई 2004 में श्रीलंका के विरुद्ध अपनी टीम की कप्तानी करके सबसे कम उम्र का टेस्ट कप्तान बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

भारत का आत्मविश्वास डगमगाया लेकिन ऑस्ट्रेलिया हल्के में नहीं लेगा : लाबुशेन

नई दिल्ली, 19 नवम्बर। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन ने मंगलवार को यहां कहा कि घरेलू सरजमीं पर न्यूजीलैंड से मिली करारी शिकस्त से भारत का आत्मविश्वास थोड़ा डगमगाया हुआ होगा लेकिन उनकी टीम इस प्रतिद्वंद्वी को कमतर आंकने की गलती नहीं करेगी।

विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज भारत 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली पांच टेस्ट की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगा। भारत को हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर 0-3 की शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा है। घरेलू सरजमीं पर भारतीय टीम की 12 साल और 18 टेस्ट श्रृंखला के बाद यह पहली हार थी।

ऑस्ट्रेलिया के मध्यक्रम के मुख्य बल्लेबाज लाबुशेन का मानना है कि न्यूजीलैंड से मिली हार से भारत का आत्मविश्वास कम हुआ होगा। लाबुशेन ने यहां मीडिया से कहा, " भारत के प्रदर्शन के बारे में कुछ कहना मुश्किल होगा। वे पूरी तरह से अलग परिस्थितियों में खेले थे। वह स्पिनरों की मददगार परिस्थितियां थी। मेरे करियर में ऐसा कभी नहीं हुआ कि भारतीय टीम घरेलू श्रृंखला में हार के बाद ऑस्ट्रेलिया आयी हो।"

उन्होंने कहा, " हमारे नजरिये से मुझे लगता है कि यह अच्छी बात है। उनका आत्मविश्वास शायद थोड़ा कम है, वे टेस्ट में जीत के साथ नहीं आये है। न्यूजीलैंड से 0-3 से हार गए हैं। मुझे लगता है कि इसने उनके आत्मविश्वास को थोड़ा प्रभावित किया होगा।" लाबुशेन ने हालांकि भारत के खिलाफ पिछली चार श्रृंखलाओं में हार का सामना करने वाली अपनी टीम को आत्ममुग्धता से बचने की सलाह देते हुए कहा, " उनकी टीम में कई शानदार खिलाड़ी है और वे दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक हैं। इसलिए आप कभी भी ऐसी टीम को कम नहीं आंक सकते।"

भारत ने नियमित कप्तान विराट कोहली की अनुपस्थिति और मुख्य टीम के कई अन्य खिलाड़ियों के चोटिल होने के बावजूद अविश्वसनीय वापसी करते हुए 2-1 से जीत हासिल की। लाबुशेन ने कहा, " 2021 में भी उन्होंने जीत दर्ज की थी। तब (टी) नटराजन, (मोहम्मद) सिराज और वाशिंगटन सुंदर और शुभमन गिल जैसे नये खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया था।"

भारतीय टीम यहां के ऑप्टस स्टेडियम में पहले टेस्ट में नियमित कप्तान रोहित शर्मा और तीसरे क्रम के बल्लेबाज गिल के बिना मैदान पर उतरने के लिए तैयार है। लाबुशेन ने कहा कि भारत के पास हर तरह की चुनौती का सामना करने के लिए पर्याप्त प्रतिभा है। उन्होंने कहा, " उनके पास शानदार टीम है और उन्होंने समय के साथ यह दिखाया है। आप भारतीय क्रिकेट में खिलाड़ियों के विकल्प को देखते हुए कभी कम नहीं आंक सकते।" लाबुशेन ने कहा, " जिसे भी खेलने का मौका मिलेगा उसे भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए बहुत कड़ी मेहनत करनी होगी। ऐसी टीम के प्रतिनिधित्व के लिए वास्तव में आपको एक बहुत अच्छा खिलाड़ी बनना होगा।

हॉकी में भारत ने जापान को 2-0 से दी पटखनी, अब फाइनल में चीन से भिड़ंत

बिहार, 19 नवम्बर। मंगलवार को जापान को 2-0 से हराकर भारतीय महिला हॉकी टीम एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंच गई है। टीम इंडिया ने अपने अजेय अभियान को जारी रखा और सेमीफाइनल के आखिरी दौर में दो गोल करके फाइनल में अपनी जगह बना ली। अब भारत की भिड़ंत फाइनल में चीन से होगी। फिलहाल, पहले 45 मिनट में भारत और जापान दोनों ही गोल करने में असफल रहे थे। भारत को लगातार पेनल्टी कॉर्नर मिल रहे थे लेकिन वह उसे गोल में बदलने में असफल हो रही थी। इस दौरान भारत को 11 तो वहीं जापान को एक भी पेनल्टी कॉर्नर नहीं मिला।

13 खिलाड़ियों समेत 15 सदस्यीय भारतीय म्यू थाई दल की घोषणा

रायपुर, 19 नवंबर। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक संघ से मान्यता प्राप्त संस्था आईएफएमए की भारत में मान्यता प्राप्त संस्था यूनाइटेड म्यू थाई एसोसिएशन इण्डिया द्वारा सीनियर महिला-पुरूष (18 वर्ष से ऊपर) वर्ग की ईस्ट एशिया म्यू थाई चैंपियनशिप जो कि हाँगकाँग में होना है उसमें भाग लेने के लिए 13 खिलाड़ियों और दो अधिकारियों वाले 15 सदस्यीय भारतीय म्यू थाई दल की घोषणा की गई। गर्व का विषय है कि भारतीय दल में पांच महिला खिलाड़ियों में रायपुर (छग) से 45 किलो वजन वर्ग में एक महिला खिलाड़ी कु दिव्या अग्रवाल और भारतीय म्यू थाई दल के मैनेजर रायपुर के ही अमन यादव चयनित किए गए हैं। उपरोक्त जानकारी देते हुए राज्य म्यूथाई संघ के अध्यक्ष लखन कुमार साहू और महासचिव अनीस मेमन ने बताया कि भारतीय म्यू थाई दल 27 नवंबर 2024 को नयी दिल्ली से हाँगकाँग के लिए रवाना होगा। उल्लेखनीय हैं कि ईस्ट एशिया म्यू थाई चैंपियनशिप का आयोजन 28 नवंबर से एक दिसंबर 2024 तक हांगकांग में किया जा रहा है।

ट्रेविस हेड ने जसप्रीत बुमराह को बताया टीम इंडिया का फैक्टर, कहा- वो बेमिसाल हैं

नई दिल्ली, 19 नवम्बर। अक्सर भारतीय टीम के लिए सिरदर्द बनने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने जसप्रीत बुमराह को टीम इंडिया का एक्स फैक्टर करार दिया है। साथ ही उन्होंने कहा कि बुमराह सभी प्रारूपों में उनका सामना करना बेहद चुनौतीपूर्ण लगता है। बता दें कि, जसप्रीत बुमराह पर्थ में शुरू होने वाले पहले टेस्ट में भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए नजर आएंगे। ये दूसरा मौका है जब बुमराह टीम इंडिया की कमान संभालेंगे। इससे पहले 2021 में उन्होंने इंग्लैंड में भारत की कप्तानी की थी। तो ये कहना गलता होगा कि बुमराह को कप्तानी का अनुभव नहीं है, वह कप्तानी के साथ-साथ अपनी गेंदबाजी से किसी भी टीम को परेशान कर सकते हैं।

30 वर्षीय बुमराह का गैर-पारंपरिक एक्शन, खतरनाक यॉर्कर और दोनों तरफ गेंद को स्विंग कराने की क्षमता ने लगातार बल्लेबाजों को परेशान रखा। ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर बुमराह का टेस्ट रिकॉर्ड भी बेहतरीन रहा है। उन्होंने 7 मैचों में 21.25 की औसत से 32 विकेट अपने नाम किए हैं। हेड ने कहा कि बुमराह की गेंदों को भाप पाना काफी चुनौतीपूर्ण है क्योंकि वह बल्लेबाजों से आगे की सोचते हैं।

वहीं हेड ने फॉक्स क्रिकेट से बात करते हुए कहा कि, आप ऐसा सोचने की कोशिश करते हैं कि एक कदम आगे हैं, लेकिन हमेशा ऐसा महसूस होता है कि वो एक कदम आगे खड़े हैं। खेल के किसी भी फॉर्मेट में वो बेमिसाल हैं। बड़े पलों में आपको बड़े खिलाड़ियों की जरूरत होती है और मेरे ख्याल से बुमराह सबसे बड़े हैं। आपको बल्लेबाज के रूप में बहुत ध्यान रखना पड़ता है।

एडिलेड में राहुल द्रविड़ की 233 रन की पारी नंबर वन

पंत की गाबा इनिंग को पछाड़ा

ऑस्ट्रेलिया, 19 नवम्बर। राहुल द्रविड़ की 2003 में खेली गई पारी को ऑस्ट्रेलिया में बेस्ट इंडियन परफॉर्मेंस का खिताब मिला है। स्टार स्पोर्ट्स और डिज्नी हॉट स्टार ने क्रिकेट फैंस के बीच एक पोल कराया। जिसमें ऑस्ट्रेलिया में भारतीयों की बेस्ट परफॉर्मेंस पर वोट करना था। ऑसम इन ऑस्ट्रेलिया नाम के इस पोल में 16 परफॉर्मेंस को शॉर्ट लिस्ट किया गया और 13 लाख लोगों ने वोट किया। एडिलेड टेस्ट में राहुल द्रविड़ की 233 और 72 रन की पारियों को सबसे ज्यादा 61.5 वोट मिले। द्रविड़ ने पंत की 89 रन की पारी को पीछे छोड़ दिया, जो विकेटकीपर बल्लेबाज ने 2021 में गाबा में खेली थी। ये पोल ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले किया गया है। 5 टेस्ट मैच की यह सीरीज 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी। आखिरी टेस्ट 3 जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा। एडिलेड में पोंटिंग का दोहरा शतक, द्रविड़ ने दिया था जवाब एडिलेड टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग ने टॉस जीता और बैटिंग का फैसला किया था। उन्होंने 242 रन बनाए थे। इस इनिंग की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने 556 रन का स्कोर खड़ा किया। भारत ने पहली पारी में 523 रन बनाए। द्रविड़ ने 233 और वीवीएस लक्ष्मण ने 148 रन की पारी खेली। दोनों के बीच 303 रन की साझेदारी हुई। ऑस्ट्रेलिया दूसरी पारी में 196 रन पर ऑलआउट हो गया। द्रविड़ ने दूसरी इनिंग में नाबाद 72 रन बनाए और भारत ने 230 का टारगेट चेज कर लिया था।

मनु भाकर, नीरज चोपड़ा, स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत सिंह को भारतीय खेल सम्मान

मुंबई, 19 नवंबर। ओलंपिक, पैरालिंपिक, एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों तथा अन्य प्रमुख खेलों में असाधारण उपलब्धि और संबंधित खेलों के प्रति अटूट समपर्ण के लिए मनु भाकर, नीरज चोपड़ा, स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत सिंह को भारतीय खेल सम्मान (आईएसएच) पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। आज यहां आयोजित भारतीय खेल सम्मान के पांचवें संस्करण में इस वर्ष पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल महिला स्पर्धा और 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में दो कांस्य पदक जीतने वाली मनु भाकर को स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मनु भास्कर ने कहा, मैं जूरी और भारतीय खेल के सम्मान के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करना चाहती हूं, जिन्होंने मुझे इससे सम्मानित किया। यह पुरस्कार सिर्फ मेरा नहीं है, यह मेरे परिवार, मेरे कोच और उन सभी के लिए है जिन्होंने मेरा साथ दिया और इस यात्रा में मुझ पर विश्वास किया। इस वर्ष पेरिस ओलंपिक और ब्रुसेल्स में डायमंड लीग में रजत पदक जीतने वाले भारत के दिग्गज भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा को स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर से नवाजा गया।

भवानी के दम पर यूपी योद्धाज ने पुनेरी पल्टन को बराबरी पर रोका

नोएडा, 19 नवंबर। यूपी योद्धाज ने शानदार खेल दिखाते हुए नोएडा इंडोर स्टेडियम में मंगलवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 63वें मैच में पुनेरी पल्टन को 29-29 की बराबरी पर रोक लिया। यह इस सीजन का पांचवां टाई मुकाबला है। पल्टन मैच के अंतिम क्षणों में चार अंक की लीड के साथ जीत की स्थिति में थे लेकिन भवानी राजपूत (10) ने मल्टी प्वाइंट रेड के साथ उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

रतन सिंह व धर्मवीर कांग्रेस के एजेंट : विनोद सहारण

जयपुर, 19 नवंबर। आरसीए की एडहॉक कमेटी के ही सदस्यों रतन सिंह और धर्मवीर को लेकर खिलाड़ियों के चयन को लेकर हो रहे आरोपो को लेकर विनोद सहारण, सचिव, जिला क्रिकेट संघ श्रीगंगानगर द्वारा राजस्थान मे जब से भाजपा सरकार बनी तब से को सही दिशा में लाने का प्रयास किया जा रहा था लेकिन गलत तरीके से रतन सिंह व धर्मवीर जो कांग्रेस के एजेंट है, उनके द्वारा वही चयन समितिया व कमेटीया बनाई जो 2009-13 व 2018-23 मे कांग्रेस सरकार मे थी, दोनों कांग्रेस के एजेंट है।

वैभव गहलोत अहम कोर टीम के हिस्सा थे, भाजपा समर्थन वाले जिले को हटाने मे धर्मवीर शेखावत का अहम रोल था। भाजपा के गंगानगर, अलवर, नागौर, धोलपुर, भरतपुर को हमेशा प्रताड़ित किया जाता, सभी जिले सुप्रीम कोर्ट से आदेश लाकर जिलों को बचाया गया तो ये दोनों एजेंट हस्ताक्षर करवाने वालों की अहम भूमिका थी। लीग में कांग्रेसियों को पास देना व आमंत्रित करना धर्मवीर शेखावत का अहम रोल था। सभी चयन समितियों बैठकों में रतन सिंह व धर्मवीर शेखावत का हिस्सा होता है। पाली व बीकानेर ऐसे खिलाड़ियों जो क्लब क्रिकेट के भी लायक नहीं है। मैं दोनों पर सीधा आरोप लगता हूँ।

खुले मंच पर आये ओर चयन पर बहस करे। उन्होंने आगे कहा कि कहाँ-कहाँ इनके द्वारा धांधली की गई है ओर कहां नहीं, बीकानेर रतन सिंह के द्वारा विटोकर रणजी टीम में चयन करवाया गया। बीकानेर व पाली के जो भी खिलाड़ी इस सीजन में चयन हुआ है उनका रिकार्ड निकाल ले ओर बाकी जिन खिलाड़ियों का चयन नहीं हुआ है उनका रिकार्ड निकाल ले।

विनोद ने आगे कहा कि पाली के इतिहास में एक खिलाड़ी हुआ है कुमार बोहरा उसके अलावा आज तक किसी का सेलेक्शन नही हुआ। अब शुभम के अलावा किसी न किसी रूप में एक दो खिलाड़ियों का सलेक्शन हो रहा है। अंडर-19 इंडिया रिप्रजेंट करने वाला कप्तान सूरज आहूजा को रणजी टीम में जगह नही मिलती है। और कन्हैया लाल का सलेक्शन समझ से परे है। कन्हैया का रिकॉर्ड की जांच होनी चाहिये। जिसने 50 रन से ज्यादा नही बनाये। वहीं 300 रन, नोट आउट बनाने वाले सुमित गोदारा जिसने 13 शतक लगाए, 2000 रन के आसपास है और मानव सुथार जिनके रिकॉर्ड ही अपनी कहानी बयां करते हैं। महिला चेयरमैन सुल्ताना खान व सीनियर चेयरमैन पर्मिनदर सिंह दोनों रतन सिंह व धर्मवीर के इशारे पर काम करते है।

विनोद सहारण के लगाये गये सभी आरोप बेबुनियाद : धर्मवीर

जयपुर, 19 नवंबर। आरसीए की एडहॉक कमेटी के सदस्यों पर रतन सिंह और मुझ पर खिलाड़ियों के चयन को लेकर जो आरोप विनोद सहारण ने लगाये है। वो बेबुनियाद और निराधार है। एडहॉक कमेटी के कन्वीनर बियानी ने लिखित तौर पर आदेश पारित करके मुझे और रतन सिंह को खिलाड़ियों की चयन मीटिंग में मौजूद होने का आदेश जारी किया था। कार्तिक, शुभम दोनों ने ही कमाल का खेल दिखाया। हमारी चुनी हुई टीम के खिलाड़ियों ने तिहरे शतक भी लगाए है। चन्द्रपाल सिंह का रिकॉर्ड भी विनोद सहारण को देखना चाहिए। इन खिलाड़ियों का चयन बिना परफोरमेंस के नहीं हुआ है। अभी तक सभी जिलों के 4000 से ज्यादा खिलाड़ियों के खातों में टीए-डीए का पैसा भेजा जा चुका है। लेकिन विनोद सहारण ने अपने जिलों के खिलाड़ियों के खातों की जानकारी अभी तक हमें नहीं भेजी है। आईपीएल के लिए 49 खिलाड़ियों के नामों के नाम दर्ज हो चुके है। मैंने आज तक कई एकेडमी खोली है और आरसीए से 2019 तक 19 लाख रुपये ही मुझे मिले है। मैंने अंडर-14, 16, 19, 23 के कई टूर्नामेंट करवाये है। जिनका रिकॉर्ड मेरे पास मौजूद है। 28 व 29 नवम्बर को होने वाली एडहॉक कमेटी की मीटिंग में चुनाव को लेकर फैसला होगा। विनोद सहारण ने आज तक कितने टूर्नामेंट करवाये है वो सार्वजनिक करें।

शतरंज खिलाड़ी ब्रिस्टी मुखर्जी ने छुए ग्रैंडमास्टर कार्लसन के पैर

कोलकाता, 19 नवम्बर। इन दिनों महिला शतरंज खिलाड़ी ब्रिस्टी मुखर्जी काफी चर्चा में है। दरअसल, ब्रिस्टी मुखर्जी ने भारतीय संस्कृति और परंपरा की झलक दिखाते हुए पूरे देश नहीं बल्कि दुनिया का दिल जीत लिया है। साथ ही ब्रिस्टी ने खेल भावना का भी बेहतरीन उदाहरण दिया है। टाटा स्टील शतरंज में ऑल इंडिया विमेन रैपिड चैंपियन बनीं ब्रिस्टी को दुनिया के नंबर एक शतरंज खिलाड़ी नॉर्वे मैग्नस कार्लसन ने ट्रॉफी सौंपी तो ब्रिस्टी ने उनके पैर छुए। कार्लसन को पहले कुछ समझ नहीं आया और खिलाड़ी को पैर छूकर आशीर्वाद लेते देख उन्हें अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हुआ। इस पर उनकी प्रतिक्रिया दिल जीत लेने वाली थी। कार्लसन पहले तो मुस्कुराए और फिर शर्माने लगे। उनका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।इवेंट के बात कार्लसन ने कहा कि, कोलकाता में खेलना निश्चित रूप से मजेदार अनुभव रहा। पिछले कुछ सालों में मेरे कार्यक्रम में कोलकाता में इस टूर्नामेंट को खेलना फिट नहीं बैठा था। लेकिन भारतीय सरजमीं पर इन युवाओं के खिलाफ खेलना वास्तव में अच्छा है। मुजे खुशी है कि मैं जब भी अच्छा खेल सकता हूं ये जानते हुए कि मैग्नस कार्लसन इस कार्यक्रम में आएंगे, सैकड़ों शतरंज फैंस कोलकाता के धोनो धान्यो सभागार में विश्व आइकन की एक झलक पाने के लिए मौजूद थे।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय महिला टीम का ऐलान

16 सदस्यीय टीम में शेफाली का नाम नहीं, हरलीन की वापसी, पहला मैच 5 दिसंबर को

मुंबई, 19 नवम्बर। विमेंस सिलेक्शन कमेटी ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए इंडियन विमेंस टीम का ऐलान कर दिया है। तीन मैचों की वनडे सीरीज में ओपनर शेफाली वर्मा को खराब फॉर्म के चलते टीम से बाहर किया गया है। भारतीय महिला टीम का ये दौरा 5 दिसंबर से शुरू होगा। वनडे टीम में करीब एक साल बाद हरलीन देओल की वापसी हुई है। वहीं अपने बोर्ड एग्जाम के चलते न्यूजीलैंड के खिलाफ होम सीरीज नहीं खेलने वाली ऋचा घोष को भी टीम में लाया गया है। 16 सदस्यीय स्क्वॉड में प्रिया पूनिया, लेग स्पिनर मिन्नू मणि और पेसर टिटस साधु का नाम शामिल है। टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर करेंगी। ऑस्ट्रेलियाई दौरे के लिए टीम में ओपनर शेफाली वर्मा को नहीं चुना गया है। जिसकी वजह पिछली सीरीज में उनका खराब प्रदर्शन है। शेफाली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 वनडे में 56 रन बनाए थे। टूर में करीब एक साल बाद हरलीन देओल की वापसी हुई है। ऑलराउंडर हरलीन ने भारत के लिए अपना आखिरी वनडे पिछले साल दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के ही खिलाफ मुंबई में खेला था।

राजस्थान-केरल अंडर-19 कूच बिहार ट्रॉफी मैच आज से जयपुर में

जयपुर, 19 नवम्बर। राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में कल दिनांक 20 नवम्बर से 23 नवम्बर 2024 को जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम पर राजस्थान-केरल टीमों के मध्य बीसीसीआई की राष्ट्रिय अंडर-19 क्रिकेट प्रतियोगिता कूच बिहार ट्रॉफी मैच मैच खेला जायेगा। आज मैच से पूर्व दोनों टीमों ने आरसीए अकादमी मैदान पर जमकर अभ्यास किया।

दोनों टीमों ने जमकर अभ्यास किया

दौसा अंडर-14 क्रिकेट टीम की घोषणा

जयपुर, 19 नवंबर। राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय अंडर 14 की टीम हेतु जिला क्रिकेट संघ दौसा द्वारा ट्रायल के बाद तीन मैच की परफॉर्मेंस के आधार पर चयनित संभावित खिलाड़ी निम्न प्रकार है ध्रुव कुमार जाटव, हुनर जांगिड़, यथार्थ शर्मा, ऋषभ बाग राहुल बैरवा, क्यांश देरवाल, गौरव चौधरी, आशीष गुर्जर, दक्ष शर्मा, गगन मीना, सचिन यादव, हार्दिक अवस्थी, कृष्ण कुमार, आयुष्मान पाराशर, अरमान नकवाल, प्रिंस राजावत, प्रियांशु वैष्णव, धैर्य कुमार। जिला क्रिकेट संघ के सचिव बृजकिशोर उपाध्याय ने बताया कि अंडर-14 की खिलाड़ियों की सबसे पहले राजेश पायलट स्टेडियम में ट्रायल कराई गई ट्रायल में लगभग 60 खिलाड़ियों ने भाग लिया, उनमें से 30 खिलाड़ियों को शॉर्ट लिस्ट किया गया। इन खिलाड़ियों के तीन मैच राजेश पायलट स्टेडियम में कराये गए। उन मैच की परफॉर्मेंस के आधार पर मेरिट से 18 खिलाड़ियों का टीम में चयन किया गया है। इस टीम में भी दौसा जिले के ही खिलाड़ियों को शामिल किया गया है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नव. से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का आगाज

नई दिल्ली, 19 नवम्बर। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 के तहत भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का आगाज होने जा रहा है। पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मैच पर्थ स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं इस बार इस सीरीज में 4 की बजाय पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे। वहीं भारत में आप कब और किस समय इसे देख सकते हैं इसकी पूरी जानकारी हम आपको देंगे। पर्थ में खेले जाने वाले पहले टेस्ट मैच का पहला सेशल भारतीय समय के अनुसार सुबह 7.50 पर शुरू होगा, इसका मतलब टॉस करीब आधे घंटे पहले यानी 7 बजकर 20 मिनट पर होगा। जबकि इस मैच का आखिरी सेशन दोपहर 2 बजकर 50 मिनट तक चलेगा उसके बाद स्टंप्स हो जाएगा। वहीं भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज की लाइव स्ट्रीमिंग भारत में आप डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर देख पाएंगे। पहले टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा के अलावा शुभम गिल नहीं खेल पाएंगे। रोहित शर्मा हाल ही में दूसरे बच्चे के पिता बने हैं जिस कारण वो इस समय अपनी पत्नी रितिका के साथ बिताना चाहते हैं। वहीं दूसरे टेस्ट से पहले मोहम्मद शमी के भी टीम इंडिया से जुड़ने की उम्मीद है।

'अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवायें पहुँचाना हमारी प्राथमिकता'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने चिकित्सा व स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में अधिकारियों को निर्देश दिये

जयपुर, 19 नवंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश की जनता को सस्ती, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। हम अन्तिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए संकल्पित हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग आमजन से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ विभाग है, इसलिए स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी राज्य सरकार की सभी बजटीय घोषणाओं को प्रभावी कार्ययोजना के साथ त्वरित गति से पूरा किया जाए, जिससे 'आपणो स्वस्थ राजस्थान' की संकल्पना साकार हो।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर भी मौजूद थे। उन्होंने मुख्यमंत्री को जानकारी दी कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगभग 48 हजार पदों पर भर्ती की प्रक्रिया मिशन मोड पर चल रही है तथा अब तक लगभग 8 हजार पदों पर नियुक्तियां दी जा चुकी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छोटे शहरों और कस्बों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार ने प्रदेशभर में आयुष्मान मॉडल सी.एच.सी. बनाने का निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत पीडिआट्रिक पैकेज शामिल करने, कुछ पैकेज की दरों को तर्कसंगत बनाने तथा पोर्टिबिलिटी सुविधाओं को शामिल करने का निर्णय लिया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना में जो नए प्रावधान जोड़े गए हैं, उनका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

शर्मा ने कहा कि चिकित्सा विभाग के अधीन संचालित राजस्थान मेडिकल काउन्सिल, पैरा मैडिकल काउन्सिल सहित अन्य सभी संस्थाओं के कामकाज की नियमित समीक्षा की जाए तथा किसी भी तरह की अनियमितता पाई जाने पर उचित कार्यवाही की जाए।

मुख्यमंत्री कार्यालय में राज्य के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर तथा मुख्य सचिव सुधांश पंत के साथ कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

इस बैठक में स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के साथ सुधांश पंत, शिखर अग्रवाल, अखिल अरोड़ा, आलोक गुप्ता, गायत्री राठौड़, अम्बरीश कुमार, भारती दीक्षित, प्रियंका गोस्वामी, नेहा गिरी, इकबाल खान, शाहीन अली, रवि प्रकाश माथुर आदि वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

बैठक में प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, गायत्री ए. राठौड ने चिकित्सा विभाग की योजनाओं, कार्यक्रमों एवं नवाचारों की प्रस्तुतिकरण के माध्यम से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य के कई मानकों में राजस्थान राष्ट्रीय औसत एवं कई बड़े राज्यों की तुलना में बेहतर स्थिति में है। राज्य में शिशु एवं मातृ मृत्यु दर में विभाग के प्रयासों से उल्लेखनीय गिरावट आई है। संस्थागत प्रसव के मामले में राजस्थान देश में अग्रणी है। राष्ट्रीय सिकल सैल एनीमिया उन्मूलन मिशन के तहत स्क्रीनिंग में राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर है।

बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) आलोक गुप्ता, शासन सचिव चिकित्सा शिक्षा अम्बरीश कुमार, मिशन निदेशक एन.एच.एम. डॉ. भारती दीक्षित, सी.ई.ओ. स्टेट हेल्थ एश्योरेंस ऐजेंसी प्रियंका गोस्वामी, प्रबंध निदेशक आर.एम.एस.सी. नेहा गिरी, आयुक्त चिकित्सा शिक्षा इकबाल खान, निदेशक आई.ई.सी. शाहीन अली खान, निदेशक जन स्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर, सहित वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद थे।

नई दिल्ली के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने कम्पनी के इस दावे को स्वीकार किया कि प्रोजैक्ट टैक्नीकली और वित्तीय रुप से पूरा करने योग्य नहीं है। उसने भी आर्बिट्रेटर के आदेश को कायम रखा और राज्य सरकार को मय ब्याज अपफ्रंट प्रीमियम लौटान के लिए कहा। हाईकोर्ट के प्रिंसिपल सैक्रेटरी (पावर) को यह निर्देश भी दिया कि वे पता लगाएं कि किन अफसरों की वजह से सारी गड़बड़ी हुई है। कोर्ट ने 6 दिसम्बर को अगली सुनवाई में रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा है। राज्य के एडवोकेट जनरल अनूप रट्टन ने राज्य सरकार की तरफ से हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील फाइल की है, जिस पर इस माह के अंत तक सुनवाई हो सकती है।

संसद सत्र...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अलावा, संविधान की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर पुराने संसद भवन के संविधान सदन में कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

कैलाश मानसरोवर यात्रा अगले वर्ष से

भारत-चीन सीमा पर सामान्य स्थिति की बहाली के बाद दोनों देशों में सीधी उड़ानें भी शुरू होंगी।

नयी दिल्ली, 19 नवंबर। भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सामान्य स्थिति की बहाली के बाद, दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें और अगले वर्ष से कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरू करने पर सैद्धांतिक सहमति बनी है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सी.पी.सी.) के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य तथा विदेश मंत्री वांग यी के बीच जी20 शिखर सम्मेलन के मौके पर ब्राजील के रियो डि जनेरियो शहर में मुलाकात के दौरान, दोनों देशों के बीच संबंध सामान्य बनाने के लिए विभिन्न मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई। विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों मंत्रियों ने माना कि हमारे सीमावर्ती क्षेत्रों में सैनिकों की वापसी ने शांति और स्थिरता बनाए रखने में योगदान दिया है। चर्चा भारत-चीन संबंधों में अगले कदमों पर केन्द्रित रही। इस बात पर सहमति हुई कि विशेष प्रतिनिधियों और विदेश सचिव-उप मंत्री तंत्र की एक बैठक जल्द ही होगी। दोनों पक्षों के बीच जिन कदमों को उठाने के बारे में चर्चा हुई, उनमें कैलाश मानसरोवर तीर्थयात्रा को फिर से शुरू करना, सीमा पार नदियों पर डेटा साझा करना, भारत और चीन के बीच सीधी उडानें और मीडिया आदान-प्रदान शामिल थे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, वैश्विक स्थिति और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर, विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और चीन के बीच मतभेद और समानताएं दोनों हैं। हमने ब्रिक्स और एस.सी.ओ. ढांचे में रचनात्मक रूप से काम किया है। जी 20 में भी हमारा सहयोग स्पष्ट रहा है।

खड़गे ने राष्ट्रपति से मणिपुर में हस्तक्षेप का आग्रह किया

नयी दिल्ली, 19 नवंबर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मणिपुर की हिंसा को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को मंगलवार को पत्र लिखकर हस्तक्षेप करने का आग्रह किया और कहा कि डेढ साल से जारी हिंसा से लोगों का जीवन तबाह हो गया है और उन्हें उम्मीद है कि राष्ट्रपति के हस्तक्षेप से वहां शांति बहाली होगी।

खरगे ने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार के रवैये के कारण मणिपुर में हिंसा के कारण लोगों का जीवन बहुत कठिन हो गया है।

राज्य में 540 से ज्यादा दिनों से हिंसा का तांडव चल रहा है और प्रधानमंत्री तथा राज्य के मुख्यमंत्री लोगों की समस्या को सुलझाने में दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं।

नाबालिग से...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभियुक्त ने नाबालिग की सहमति से संबंध बनाए तो भी इसे अपराध की श्रेणी में ही माना जाएगा।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक ललिता संजीव महरवाल ने अपने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीड़िता की मां ने 7 अप्रैल, 2022 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसकी 16 साल की बेटी स्कूल के बाद सहेली के साथ जाने का कहकर कई थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। उसे आसपास और रिश्तेदारों के तलाश किया, लेकिन उनका पता नहीं चला। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान पीड़िता ने अदालत को बताया कि फरवरी, 2021 को नेमदीन ने उसे एकांत में मिलने बुलाया था। इसके बाद वह अक्सर मिलने लग। इस दौरान नेमदीन ने कई बार उससे संबंध बनाए। वहीं अप्रैल, 2022 को उस उसके साथ बस में बैठकर जयपुर से हिम्मतनगर पहुंच गई। बस में नेमदीन ने उससे संबंध बनाए। वहीं उन्हें पता चला कि उन्हें तो महाराष्ट्र वाले हिम्मत नगर जाना था, लेकिन वे गुजरात के हिम्मत नगर आ गए। इसके बाद वह बस से देवास चले गए। जहां शक होने पर पुलिस ने उनसे पूछताछ की और उसके परिजनों को सूचना भेज दी। इस पर उसके परिजन व पुलिस आकर उसे ले गई।

न्यूक्लियर हमले के लिए रूस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मिसाइलों की गतिविधियों का विश्लेषण किया और निष्कर्ष निकाला कि ये हथियार रूस के अन्दरूनी क्षेत्रों तक नहीं पहुंच सकते थे, जब तक कि कोई अन्य सैन्य शक्तियाँ सक्रिय रूप से इन्हे गाइड ना कर रही हो। इन मिसाइलों का प्रयोग केवल सटीक खूफिया जानकारी और दिशा निर्देशों पर ही आधारित हो सकता है।

रूस के लिए मुश्किल यह है कि, अपने संशोधित सिद्धांत के लिए वो कोई बड़ा समर्थन नहीं जुटा सकता, इनके वास्तविक उपयोग की बात तो दूर है। चीनी नेताओं ने बार-बार रूस द्वारा परमाणु देशों के खिलाफ परमाणु हथियारों के उपयोग की आलोचना की है। "बिना किसी सीमा के मित्र" होने के बावजूद, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने रूस के परमाणु हथियारों के उपयोग या उनके उपयोग की धमकी को समर्थन देने से इंकार किया है।

समर्थकों का गठबंधन बनाने की कोशिश में, रूस ने आज एकतरफा घोषणा की है कि रूस के राष्ट्रपति भारत की यात्रा पर जाएंगे। विदेश मंत्रालय से अभी तक, ब्लादिमिर पुतिन की भारत यात्रा की कोई पुष्टि नहीं मिली है।

उल्लेखनीय है कि ब्लादिमिर पुतिन किसी भी अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन में भाग नहीं ले सके थे, ना ही, चीन की कुछ एक यात्राओं को छोड़कर, किसी विदेशी यात्रा पर जा सके थे, क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय अपराधिक न्यायालय ने गिरफ्तारी वॉरंट जारी किया हुआ है। वो दिल्ली में जी 20 समिट में भाग लेने नहीं जा सके, क्योंकि, जैसे ही वो भारत की धरती पर कदम रखते, वैसे ही अनिवार्य रूप के अधिकारियों को उन्हें गिरफ्तार करना पड़ता।

अब यह स्पष्ट नहीं है कि, गिरफ्तारी से बचे बिना पुतिन भारत की यात्रा कैसे कर सकते हैं, क्योंकि, ऐसा करना भारत द्वारा अंतर्राष्ट्रीय दायित्व का उल्लंघन होगा।

रूस के आक्रामक रुख में अचानक तेजी आने की वजह है अमेरिका के जाने वाले राष्ट्रपति जो बाइडन, जिन्होंने अचानक ही यह निर्णय ले लिया कि अमेरिका द्वारा दिए जा रहे हथियारों का यूक्रेन रूस की धरती पर उपयोग कर सकता है। बाइडन का यह कदम आगामी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के लिए भी संकट का एक कारण बन सकता है।

रूस का नया सिद्धांत अब विशेष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा पैदा की गई परिस्थिति से निपटने के लिए किया गया है, जिसमें उन्होंने, यूक्रेन को अनुमति दी है कि वो अमेरिका की लांज रेंज मिसाइल का उपयोग, रूस के अंदरूनी क्षेत्रों में हमले के लिए कर सकता है।

अमेरिका ने यूक्रेन को ऐसी मिसाइल सप्लाई की हैं, जो रूस के अंदर टारगैट्स को लक्ष्य बना सकती है।

नया रूसी सिद्धांत विशेष रूप से, यूक्रेन के अमेरिकी और यूरोपीय सहयोगियों के लिए तैयार किया गया है। परमाणु हमले की यह बात नई नहीं है। पुतिन ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद यह बात कहनी शुरू कर दी थी। उस समय पुतिन को उम्मीद थी कि वो अपने यूक्रेन आक्रमण को कुछ हफ्तों में निर्णायक रूप से समाप्त कर देंगे।

लेकिन, पुतिन किसी प्रकार की प्रगति नहीं कर पाए और लम्बे-लम्बे रूसी काफिले, जिनमें बख्तरबंद वाहन व सैनिक थे, यूक्रेनी सेना के सटीक हमलों से तबाह हो गए। तथापि, हाल ही में रूस की सेना को कुछ सफलता मिली है।

यूक्रेन द्वारा अपना बचाव तथा रूस को प्रत्युत्तर संभव नहीं होता यदि उसे अमेरिका तथा कुछ हद तक यूरोपीय यूनियन राष्ट्रों से भारी वित्तीय व सैन्य मदद नहीं मिलती।

बुधवार को ऊर्जा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रमुख शासन सचिव आलोक गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश, विकास एवं विस्तार की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर के निर्देशन में ऊर्जा क्षेत्र में अधिकाधिक निवेश के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इससे प्रदेश में विकास को गति मिलने के साथ ही अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार के बड़े अवसर उपलब्ध होंगे। राजस्थान में सोलर ऊर्जा के क्षेत्र में अपार संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार का प्रयास है कि राजस्थान अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में निवेशकों का पसंदीदा डैस्टिनेशन बने।

प्रेमिका की हत्या ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और उनका किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। इस पर नरसी ने गंभीर मारपीट कर उसकी हत्या कर दी। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। वहीं अभियुक्त की ओर से कहा गया कि मृतका अपनी मर्जी से उसके साथ रहती थी। जिसे लेकर उसके परिजनों की सहमति नहीं थी।

'मोदी जी किस तिजोरी से पांच...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

देने के लिए विराड़ आ रहे हैं। मैंने सोचा कि उन जैसा राष्ट्रीय नेता इतना तुच्छ काम करने के निम्न स्तर तक नहीं उतरेगा। लेकिन मुझे वो वहां दिखाई दिये। मैं चुनाव आयोग से भाजपा तथा तावड़े के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग करता हूं।"

कांग्रेस ने तावड़े के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है। ए. आई. सी. सी. की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनोट ने कहा कि चुनाव उपयोग को इस कथित कृत्यों के खिलाफ कठोर कार्यवाही करनी चाहिए।

उन्होंने कहा, "नालासोपरा के विधायकों की एक मीटिंग हो रही थी। हम मतदान वाले दिन आदर्श आचार संहिता का खयाल रखने की चर्चा कर रहे थे, वोटिंग मशीन किस तरह सील की जायेंगी, तथा अगर आपत्ति करनी है तो उसकी प्रक्रिया क्या होगी। मैं वहां उन लोगों को यह सब बताने गया था। (बहुजन विकास अघाड़ी) पार्टी कार्यकर्ताओं-अप्पा ठाकुर तथा क्षितिज ने समझा कि हम पैसे बांट रहे हैं। चुनाव आयोग और पुलिस जांच कर लें, सी. सी. टी. वी. फुटेज ले लें। मैं 40 साल से पार्टी में हूं। अप्पा ठाकुर और क्षितिज मुझे जानते हैं, पूरी पार्टी मुझे जानती है। फिर भी, चुनाव आयोग निष्पक्ष जांच करा ले।"

डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस, पूर्णिमा चोगुले ने कहा कि इस मामले में दो एफआईआर दर्ज कराई गई हैं।

चोगुले ने मीडिया को बताया, "मामला और बहुजन विकास अघाड़ी कार्यकता यहां विभिन्न मंजिलों पर मौजूद थे। कुछ धनराशि तथा कुछ डायरियां यहां से बरामद हुई हैं। दो एफ.आई.आर. दर्ज हुई हैं तथा गैर कानूनी रूप से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजन को लेकर तीसरी एफ आई आर दर्ज कराई जा रही है। स्थिति नियंत्रण में है।"

इसी बीच, भाजपा सांसद तथा राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने इन आरोपों को निराधार बताया है।

उन्होंने कहा, "महाराष्ट्र में, एम. वी. ए. ने एक आखिरी कोशिश के रूप में एक निराधार आरोप लगाया है। विनोद तावड़े हमारे राष्ट्रीय नेता हैं तथा पार्टी के कई कार्यों को देखते हैं। (नालासोपरा) क्षेत्र के उम्मीदवार ने उनसे मीटिंग में उपस्थित होने के लिए कहा था। वे उधक से ही गुजर रहे थे, इसलिए वे सहमत हो गये। ऐसी मीटिंगों का आयोजन पार्टी कार्यकर्ताओं को मतदान-प्रक्रिया समझाने के लिए किया जाता है। हम जोर देकर कह रहे हैं कि होटल के सी सी टी वी कैमरे तथा आस-पास के क्षेत्र की चैकिंग करा ली जाए। 5 करोड़ रु किसी जेब में तो आ नहीं सकते। अगर कोई इस राशि को लाया होगा, तो वह दिखाई देगा। उन्हें सबूत देने चाहिए, ऐसे निराधार आरोप नहीं लगाने चाहिए।

आत्महत्या का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुझाव मांगे गए हैं और उन्हें भी इसमें शामिल किया जाएगा। केन्द्र सरकार की ओर से दी गई गाइडलाइन्स को भी शामिल किया जाएगा। दरअसल पिछली सुनवाई पर न्याय मित्र की ओर से कहा था कि अदालत के कई आदेशों के बाद भी कोई परिणाम सामने नहीं आए हैं। इसलिए अदालत गाइडलाइन्स बनाकर उनकी प्रभावी क्रियान्विति के लिए सख्ती बरते। इसके अलावा केन्द्र सरकार की ओर भी कहा था कि उन्होंने गाइडलाइन्स बनाकर 16 जनवरी 2024 को राज्य सरकार को दे दी। इनमें कोचिंग इंस्टीट्यूट के लिए कई प्रावधान बनाए हैं और इनकी सख्ती से पालना करवाई जाए।

महाराष्ट्र की पांच सीटों पर लड़े जा रहे हैं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुके हैं, जिनमें सूचना-प्रसारण राज्य मंत्री तथा जहाजरानी मंत्री पद भी शामिल हैं।

इस सीट पर, आदित्य ठाकरे ने 2019 के अपने पहले ही चुनाव में 89,248 वोट हासिल कर जबरदस्त जीत हासिल की थी तथा अपने निकटतम प्रतिद्वन्दी एन.सी.पी. के सुरेश माने, जो केवल 21,821 वोट पा सके थे, को बहुत पीछे छोड़ दिया था। ठाकरे ने कोविड-19, महामारी के दौरान अपनी सेवा समर्पण के फलस्वरूप अपनी विशिष्ट पहचान बनाई थी। उन्होंने कोविड-पॉज़िटिव मरीजों को सरकारी अस्पतालों में भर्ती किये जाने पर व्यक्तिगत ध्यान एवं तवज्जो दी थी।

हालाँकि एम.एन.एस. का जनाधार अपेक्षाकृत छोटा है, लेकिन सन्दीप देशपान्डे स्थानीय मुद्दों, खासतौर से इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं आवासन, पर फोकस के लिये जाना-पहचाना नाम हैं। उनके सीधे सम्पर्क तथा नागरिकों से जुड़े मामलों में उनके सामने, खासतौर से वर्ली के मराठीभाषी मतदाताओं के बीच उन्हें लोकप्रिय बना दिया है।

महाराष्ट्र की दूसरी अति महत्वपूर्ण सीट है, बारामती जहाँ हाल ही के लोकसभा चुनावों से काफी मिलता-जुलता, पवार परिवार की बीच का चुनावी युद्ध एक बार देखने को मिल रहा है। इस बार, शरद पवार के भाई के पौत्र के पुत्र युगेन्द्र पवार उपमुख्यमंत्री अजित पवार को चुनौती दे रहे हैं। एन.सी.पी. (एस.पी.) अपने इस परम्परागत गढ़ में युगेन्द्र के लिये पूरा जोर लगा रही है।

युगेन्द्र अपने दादा शरद पवार के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में चुनावी राजनीति के दरवाजे पर प्रवेश के लिये दस्तक दे रहे हैं। इससे पहले, लोकसभा चुनावों के प्रचार में उन्होंने अपनी बुआ सुप्रिया सुले के चुनाव-प्रबन्धन में मुख्य भूमिका निभाई थी। वे शरद पवार द्वारा स्थापित शैक्षिक संस्था "विद्या प्रतिष्ठान" के कोषाध्यक्ष भी हैं।

दूसरी तरफ अजित पवार इस चुनाव क्षेत्र के निर्विवाद नेता रहे हैं। 1991 से लेकर अब तक, वे यहाँ से लगातार निर्वाचित होते आ रहे हैं। ज्ञातव्य है कि 1991 में, शरद पवार ने कांग्रेस छोड़कर अपनी नई पार्टी एन.सी.पी. गठित कर ली थी। वर्ष 2019 में, अजित पवार ने इस सीट पर करीब 1.95 वोट, जो डाले गये कुल वोटों के 83.24 प्रतिशत हासिल कर जबरदस्त जीत हासिल की थी।

तीसरी महत्वपूर्ण सीट है मुम्बई की ब्रांदा ईस्ट जहां जीशान सिद्दीकी तथा वरूण सरदेसाई के काँटे की टक्कर है।

जीशान सिद्दीकी, जिन्हें युवा मतदाताओं का जबरदस्त समर्थन हासिल है, सोशल मीडिया पर लोगों के साथ सक्रिय जुड़ाव, तथा स्थानीय मुद्दों के समाधान के लिये आगे रहने के लिये जाने जाते हैं। उन्हें महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री तथा अपने पिता, बाबा सिद्दीकी की हत्या के कारण सहानुभूतिजनित वोट भी मिल सकते हैं।

दूसरी तरफ, उद्धव ठाकरे के भतीजे वरूण सरदेसाई 2022 में शिवसेना के टूटने के दौरान शिव सेना (यू.बी.टी.) के जबरदस्त समर्थक रहे थे। बांद्रा क्षेत्र में उनकी अच्छी-खासी पैठ है तथा उन्हें शिव सेना के पारम्परिक जनाधार का समर्थन मिलने की काफी उम्मीद है।

राज्य की चौथी महत्वपूर्ण सीट, नागपुर दक्षिण पश्चिम पर उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस लगातार चौथी बार जीतने तथा अपने इस गढ़ का प्रतिनिधित्व करने के उद्यत नजर आ रहे हैं। वे 2009 से लगातार तीन बार जीतते हुये, नागपुर दक्षिण-पश्चिम सीट का प्रतिनिधित्व करते आ रहे हैं। 2019 के चुनावों में, फड़नवीस ने यह सीट 49,000 से अधिक वोटों से जीती थी। इस क्षेत्र में उनके प्रभाव के पीछे उनका विस्तृत राजनैतिक कैरियर, विकास सम्बन्धी पहल तथा भाजपा का मजबूत संगठनात्मक समर्थन रहा है।

दूसरी तरफ, कांग्रेस पार्टी के प्रफुल्ल गुडाढ़े हैं, जो स्थानीय परिवेश में अपनी गहरी जड़ों तथा अपने जमीनी स्तर के सम्पर्कों के लिये जाने-माने व्यक्ति हैं। वे भाजपा से पैदा हो चुकी अब या वर्तमान शासन प्रशासन से असन्तुष्टि का लाभ मिल सकता है। उन्हें शहरी इन्फ्रास्ट्रक्चर, सार्वजनिक सेवाओं तथा भाजपा की आर्थिक नीतियों के कारण पैदा हुई चिन्ताओं से त्रस्त मतदाताओं के समर्थन का लाभ मिल सकता है।

राज्य की पाँचवी महत्वपूर्ण सीट, कोपरी-पचपखाड़ी है। ठाणे जिले के इस सीट पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिन्दे का मुकाबला केदार दिघे से है, जो शिन्दे के राजनैतिक गुरू स्व. आनन्द दिघे के भतीजे हैं। आनन्द दिघे शिव सेना के जाने-माने नेता थे।

शिन्दे अक्सर आनन्द दिघे का जिक्र करते हुये, उन्हें अपना राजनैतिक मार्गदर्शक बताते हैं। दिघे से उनका जुड़ाव बहुत गहरा रहा है। राष्ट्रीय अवार्ड विजेता फिल्म निदेशक प्रसाद ओक द्वारा निर्देशित मराठी फिल्म "धर्मवीर-2" की फायनेंसिंग इसका सबसे बड़ा प्रमाण है।

दिघे के जीवन पर आधारित यह फिल्म शिवसेना के इस स्वर्गीय दिग्गज एवं उसकी विरासत से शिन्दे के गहरे जुड़ाव को पूरी तरह उजागर करती है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908